लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

जन एक्सप्रेस

शुक्रवार 20 मार्च, 2026 | पेज : 12 | मूल्य : ₹ 3.00/- लखनऊ | वर्ष : 17, अंक : 157 | www.janexpresslive.com/epaper

राजनाथ सिंह बोले, भविष्य के युद्धों में ड्रोन की होगी... 12

नवरात्रि का दूसरा दिन

ब्रह्मचारिणी पूजा

नवरात्रि के दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी की पूजा की जाती है। ऐसा माना जाता है कि सभी भाग्य के प्रदाता भगवान मंगल, देवी ब्रह्मचारिणी द्वारा शासित हैं।

पश्चिम एशिया तनाव : 'सिर्फ हमारे लिए ही नहीं, दुनिया के लिए भी मुश्किल समय'

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच भारत ने वैश्विक स्तर पर कूटनीतिक संपर्क तेज कर दिए हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि यह समय सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए परीक्षा का है। उन्होंने बताया कि भारत के नेता विभिन्न देशों के अपने समकक्षों के साथ लगातार संपर्क में हैं। सरकार हालात पर नजर बनाए हुए है और शांति व स्थिरता के लिए कूटनीतिक प्रयास जारी हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि भारत के शीर्ष नेता लगातार विभिन्न देशों के नेताओं के संपर्क में हैं। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कुवैत के क्राउन प्रिंस के बीच बातचीत हुई, जिसमें क्षेत्रीय हालात पर चिंता जताई गई। भारत ने कूटनीति के जरिए हालात को संभालने और अपने हितों की रक्षा करने की दिशा में काम जारी रखा है।

क्या कूटनीतिक प्रयासों से मिला फायदा?

विदेश मंत्रालय के अनुसार, भारत के प्रयासों का असर भी दिखा है। हाल ही में बातचीत और समन्वय के जरिए भारत अपने दो एलपीजी जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित निकालने में सफल रहा है। यह भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

क्या भारतीयों की सुरक्षा पर भी है फोकस?

सरकार ने कहा है कि खाड़ी देशों में बड़ी संख्या में भारतीय रहते हैं, इसलिए उनकी सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता है। भारतीय दूतावास और सरकार लगातार संपर्क में हैं ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत मदद पहुंचाई जा सके।

ऊर्जा सुरक्षा को लेकर क्या रणनीति है?

भारत इस संकट के बीच अपनी ऊर्जा जरूरतों को भी सुरक्षित रखने की कोशिश कर रहा है। होर्मुज जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर स्थिति को सामान्य बनाए रखना भारत के लिए जरूरी है, क्योंकि यही रास्ता तेल और गैस आपूर्ति का बड़ा स्रोत है।

क्या आगे भी जारी रहेगा संपर्क?

विदेश मंत्रालय ने साफ किया है कि भारत कई देशों और हितधारकों के साथ लगातार संपर्क में रहेगा। सरकार का कहना है कि वह कूटनीति के जरिए समाधान निकालने और अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अयोध्या में किए रामलला के दर्शन

श्रीराम यंत्र की स्थापना से गूंजा राम मंदिर परिसर

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। अयोध्या

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू नवरात्रि के पहले दिन अयोध्या के राम मंदिर पहुंचीं। उन्होंने रामलला के दर्शन किए। दूसरे फ्लोर पर बने राम दरबार में श्रीराम यंत्र की स्थापना की। उन्होंने राम मंदिर परिसर को भी देखा। सीएम योगी ने राष्ट्रपति को मंदिर निर्माण से जुड़े कार्यों की जानकारी दी। राष्ट्रपति ने कहा, अयोध्या में प्रभु श्रीराम ने जन्म लिया था। इस पवित्र भूमि पर कदम रखना ही मेरे लिए सौभाग्य की बात है। राष्ट्रपति करीब साढ़े 10 बजे दिल्ली से अयोध्या एयरपोर्ट पहुंचीं। यहां राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और सीएम ने उनका स्वागत किया।

रामलला के दर्शन और मंदिर परिसर का भ्रमण

राष्ट्रपति ने रामलला के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और मंदिर परिसर का विस्तृत भ्रमण किया। उन्होंने मंदिर के निर्माण कार्यों और इसकी भव्यता को करीब से देखा। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें मंदिर निर्माण की प्रगति, इसकी वास्तुकला और भविष्य की योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। राम मंदिर की भव्यता और उसकी स्थापत्य कला ने राष्ट्रपति को प्रभावित किया। उन्होंने मंदिर की संरचना और उसमें समाहित भारतीय परंपरा और संस्कृति की सराहना की।

राष्ट्रपति का भावुक संबोधन

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने संबोधन में कहा कि अयोध्या में भगवान श्रीराम की जन्मभूमि पर आना उनके लिए अत्यंत सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि भगवान राम ने अपनी जन्मभूमि को स्वर्ग से भी बढ़कर बताया था और यह नगरी सभी राम भक्तों के लिए अत्यंत प्रिय है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि लंका विजय के बाद भगवान राम का अयोध्या लौटना भारतीय संस्कृति में आदर्श शासन और धर्म की स्थापना का प्रतीक है। संविधान में इस दृश्य का चित्रण इस बात का प्रमाण है कि भारतीय परंपराएं आज भी हमारे राष्ट्रीय जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि राम मंदिर का निर्माण केवल एक धार्मिक घटना नहीं है, बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक है। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत जल्द ही एक विकसित राष्ट्र के रूप में उभरेगा।

सीएम योगी का 'राम राज्य' पर जोर

कार्यक्रम में योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कहा कि आज देश में राम राज्य की अवधारणा साकार होती दिख रही है। उन्होंने कहा कि जब दुनिया के कई हिस्सों में अशांति और युद्ध की स्थिति है, तब भारत शांति, विकास और आध्यात्मिकता के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले आस्था को अंधविश्वास कहकर उसका अपमान किया जाता था। लेकिन आज वही आस्था भारत की पहचान बन रही है। उन्होंने राम मंदिर, काशी विश्वनाथ धाम और मथुरा-वृंदावन के विकास को नए भारत की पहचान बताया। ▶ संबंधित खबर पेज 03 पर

राज्यपाल का अयोध्या को लेकर संदेश

आनंदीबेन पटेल ने कहा कि अयोध्या केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि यह आस्था, संस्कार और विरासत की भूमि है। उन्होंने कहा कि आज अयोध्या वैश्विक चेतना का केंद्र बन चुकी है और यहां देश-विदेश से श्रद्धालु बड़ी संख्या में आ रहे हैं। उन्होंने भारत की 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना को रेखांकित करते हुए कहा कि भारत ने दुनिया को एकता, शांति और सह-अस्तित्व का संदेश दिया है।

मां अमृतानंदमयी का आध्यात्मिक संदेश

कार्यक्रम में शामिल मां अमृतानंदमयी ने कहा कि भगवान राम का जीवन हर व्यक्ति के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि राम ने अपने जीवन में हर भूमिका—चाहे वह पुत्र, भाई, पति या राजा की हो—का निर्वहन पूरी निष्ठा और आदर्श के साथ किया। उन्होंने कहा कि राम यंत्र भी उसी ज्ञान और ऊर्जा का प्रतीक है, जो मानव जीवन को सही दिशा में ले जाने का मार्ग दिखाता है।

दूसरा अयोध्या दौरा, बढ़ता महत्व

रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद राष्ट्रपति का यह दूसरा अयोध्या दौरा है। इससे पहले वह 1 मई 2024 को यहां आई थीं। यह दर्शाता है कि अयोध्या का महत्व न केवल धार्मिक दृष्टि से, बल्कि राष्ट्रीय और सांस्कृतिक दृष्टि से भी लगातार बढ़ रहा है।

राम दरबार में श्रीराम यंत्र की स्थापना

दौरे का सबसे महत्वपूर्ण क्षण वह रहा जब राष्ट्रपति ने मंदिर के दूसरे तल पर बने राम दरबार में श्रीराम यंत्र की स्थापना की। यह यंत्र विशेष रूप से तमिलनाडु के कांचीपुरम में तैयार किया गया था। इस यंत्र को कांचीपुरम से तिरुपति होते हुए रथयात्रा के माध्यम से अयोध्या लाया गया। करीब 150 किलो वजनी इस यंत्र पर सोने की परत चढ़ाई गई है, जो इसे और भी दिव्य स्वरूप प्रदान करती है। श्रीराम यंत्र की स्थापना के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया, जिससे पूरा वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया।

राम यंत्र का धार्मिक और वैज्ञानिक महत्व

राम यंत्र को एक विशेष वैदिक ज्यामितीय संरचना माना जाता है। इसमें विभिन्न आकृतियों और मंत्रों के माध्यम से भगवान श्रीराम और अन्य देवी-देवताओं की दिव्य ऊर्जा को स्थापित किया जाता है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, इस प्रकार के यंत्र केवल धार्मिक प्रतीक नहीं होते, बल्कि ये सकारात्मक ऊर्जा के स्रोत भी होते हैं। माना जाता है कि ऐसे यंत्र जहां स्थापित होते हैं, वहां शांति, समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नति का वातावरण बनता है।

निष्कर्ष : आस्था, संस्कृति और नए भारत का संगम

राष्ट्रपति का यह दौरा केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक पहचान और आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है। अयोध्या आज उस नए भारत का प्रतिनिधित्व कर रही है, जहां परंपरा और आधुनिकता का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। राम मंदिर में श्रीराम यंत्र की स्थापना, राष्ट्रपति का भावपूर्ण संबोधन और राज्य के नेतृत्व का संदेश—ये सभी मिलकर यह संकेत देते हैं कि भारत न केवल आर्थिक रूप से, बल्कि सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रूप से भी विश्व में एक नई पहचान बना रहा है।

बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 2500 अंक टूटा, निफ्टी 23100 के नीचे

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन यानी गुरुवार को शेयर बाजार बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ। बेंचमार्क सूचकांक और निफ्टी में तीन प्रतिशत की ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 2,496.89 अंक या 3.26 प्रतिशत गिरकर 74,207.24 पर बंद हुआ। जून 2024 के बाद यह इसकी सबसे बड़ी एक दिवसीय गिरावट है। दिन के दौरान, यह 2,753.18 अंक या 3.58 प्रतिशत गिरकर 73,950.95 पर पहुंचा था। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 775.65 अंक या 3.26 प्रतिशत गिरकर 23,002.15 पर बंद हुआ।

निवेशकों को 11 लाख करोड़ का हुआ नुकसान

बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, गुरुवार को आई बड़ी बिकवाली के बीच बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण करीब 11.5 लाख करोड़ रुपये घटकर करीब 427 लाख करोड़ रुपये रह गया। सेंसेक्स के सारे शेयर हरे निशान पर बंद हुए।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से, इटरनल, बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक, लार्सन एंड टुब्रो और बजाज फिनसर्व प्रमुख पिछड़ने वाली कंपनियों में शामिल थीं। एचडीएफसी बैंक के चेयरमैन अतानु चक्रवर्ती द्वारा नैतिक चिंताओं का हवाला देते हुए इस्तीफा देने के बाद बैंक के शेयरों में 5.13 प्रतिशत की गिरावट आई।

फेड ने ब्याज दरों को रखा स्थिर

इस बीच, अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों को स्थिर रखा है। फेड चेयर जेरोम पॉवेल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में 'अनिश्चितता' शब्द का कई बार उल्लेख करते हुए संकेत दिया कि टैरिफ और ऊर्जा संकट से महंगाई का दबाव बढ़ सकता है। उनका रुख अपेक्षाकृत सख्त (हॉकिश) माना जा रहा है।

कीमती धातुओं में भारी गिरावट

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली। चांदी की कीमत 14230 रुपये गिरकर 2.33 लाख रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई। वहीं सोने का भाव 5330 रुपये गिरकर 1.48 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया।

यूरोपीय बाजारों में दिखी गिरावट

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का बेंचमार्क कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक काफी नीचे बंद हुए। यूरोप के बाजारों में भारी गिरावट देखी गई। बुधवार को अमेरिकी बाजार में भी भारी गिरावट दर्ज की गई।

जंग ने वैश्विक बाजारों की चिंता बढ़ाई

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच ऊर्जा ढांचे पर हमलों ने वैश्विक बाजारों में चिंता बढ़ा दी है। ईरान के प्रमुख गैस उत्पादन क्षेत्र पर हमले और कतर स्थित दुनिया की सबसे बड़ी एलएनजी उत्पादन सुविधा को निशाना बनाए जाने से ऊर्जा आपूर्ति पर असर की आशंका गहरा गई है। बैंकिंग और मार्केट विशेषज्ञ अजय बग्गा ने एएनआई से बातचीत में कहा कि इन घटनाओं ने खाड़ी क्षेत्र के तनाव को बेहद खतरनाक मोड़ पर पहुंचा दिया है। उनके अनुसार, इससे वैश्विक ऊर्जा सप्लाई में बाधा की आशंका बढ़ी है, जिसका असर महंगाई और बाजारों पर साफ दिख सकता है।

कच्चे तेल की कीमत बढ़कर 114 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंची

ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 114 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। बाजार विनिमय आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 2,714.35 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 3,253.03 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। बुधवार को सेंसेक्स 633.29 अंक या 0.83 प्रतिशत बढ़कर 76,704.13 पर बंद हुआ। निफ्टी 196.65 अंक या 0.83 प्रतिशत बढ़कर 23,777.80 पर समाप्त हुआ।

प्रधानमंत्री मोदी ने फ्रांस, मलयेशिया और ओमान के प्रमुखों से की बात पश्चिम एशिया संकट पर हुई चर्चा

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक कूटनीतिक पहल तेज करदी है। इसके तहत उन्होंने फ्रांस, मलयेशिया और ओमान के शीर्ष नेताओं से बातचीत की। इन चर्चाओं में क्षेत्रीय संकट, शांति बहाली और संवाद के जरिए तनाव कम करने पर जोर दिया गया। वहीं, इससे पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कुवैत के क्राउन प्रिंस, शेख सबाह अल-खालिद अल-हमद अल-मुबारक अल-सबाह को ईद की अग्रिम शुभकामनाएं दी थी। साथ ही कुवैत में रहने वाले भारतीय समुदाय की सुरक्षा और भलाई के लिए लगातार समर्थन के लिए धन्यवाद भी किया था।

पीएम मोदी ने हमले की निंदा की

प्रधानमंत्री मोदी ने ओमान की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के उल्लंघन की कड़ी निंदा दोहराई और संकट के दौरान हजारों लोगों, जिनमें भारतीय नागरिक भी शामिल हैं, की सुरक्षित वापसी में ओमान की भूमिका की सराहना की। इसके साथ ही दोनों देशों ने होरमुज जलडमरूमध्य में सुरक्षित और निर्बाध समुद्री आवागमन के महत्व को भी रेखांकित किया। इन वार्ताओं के जरिए भारत ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि वह पश्चिम एशिया में शांति, स्थिरता और कूटनीतिक समाधान का प्रबल समर्थक है।

मैक्रों से पीएम मोदी की बात

प्रधानमंत्री मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से बातचीत में पश्चिम एशिया की स्थिति पर चिंता व्यक्त की और तनाव कम करने (डी-एस्केलेशन) के लिए तत्काल कदम उठाने की जरूरत पर बल दिया। दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई कि क्षेत्र में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए संवाद और कूटनीति ही एकमात्र रास्ता है। साथ ही, उन्होंने भविष्य में भी करीबी समन्वय जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराई।

मलयेशिया पीएम से की बात

इसके अलावा, प्रधानमंत्री ने मलयेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम से भी फोन पर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने हरि राया ऐदिलफित्री के अवसर पर मलयेशिया की जनता को अग्रिम शुभकामनाएं दीं। दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की चिंताजनक स्थिति पर चर्चा करते हुए तनाव कम करने और जल्द से जल्द शांति बहाली के लिए साझा प्रतिबद्धता जताई।

ओमान के सुल्तान से भी की चर्चा

ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक के साथ बातचीत में प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें भाई कहकर संबोधित करते हुए ओमान की जनता को ईद की अग्रिम बधाई दी। इस वार्ता में भी दोनों नेताओं ने संवाद और कूटनीति के जरिए तनाव कम करने और शांति बहाल करने की आवश्यकता पर सहमति जताई।

कुवैत के क्राउन प्रिंस को भी मिलाया फोन

बुधवार को पीएम मोदी ने कुवैत के क्राउन प्रिंस, शेख सबाह अल-खालिद अल-हमद अल-मुबारक अल-सबाह से बात की थी। पीएम मोदी ने चर्चा की जानकरी देते हुए एक्स पर लिखा था कि हमने पश्चिम एशिया में बदलती स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान किया और हाल के घटनाक्रमों पर अपनी चिंता व्यक्त की। कुवैत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता पर हमलों की हम पहले भी निंदा कर चुके हैं और हमने फिर वही किया।पीएम मोदी ने पोस्ट में आगे लिखा कि हॉर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित और निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है। पीएम मोदी ने कहा कि हम इस बात पर सहमत हुए कि क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए निरंतर कूटनीतिक जुड़ाव अत्यंत आवश्यक है। कुवैत में रहने वाले भारतीय समुदाय की सुरक्षा और भलाई के लिए लगातार समर्थन देने हेतु मैंने उनका आभार व्यक्त किया।

सीडीएससीओ के नए दिशानिर्देश : अब दवाओं के लाइसेंस के लिए डोजियर प्रणाली का पालन जरूरी, सुनिश्चित होगी गुणवत्ता

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने दवा निर्माण लाइसेंस जारी करने और नवीनीकरण के लिए दस्तावेज-आधारित प्रणाली (डोजियर) लागू करने के लिए विस्तृत दिशानिर्देश जारी किए। इसका मकसद देशभर में दवाओं की गुणवत्ता और लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया में एकरूपता सुनिश्चित करना है। पिछले महीने जारी इस दस्तावेज में दवा निर्माताओं के लिए आवेदन प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए एक व्यवस्थित सूची दी गई, जिसमें प्रशासनिक और तकनीकी दोनों तरह की आवश्यकताएं शामिल हैं। यह नियम दवा बनाने वाली कंपनियों पर लागू होगा, लेकिन आयुष दवाओं, प्रसाधन सामग्री और चिकित्सा उपकरणों को इससे बाहर रखा गया है।

नियामक अब आवेदन का मूल्यांकन कैसे करेंगे?: दिशानिर्देश के अनुसार, दस्तावेज-आधारित प्रक्रिया के तहत नियामक अब आवेदन का व्यापक और व्यवस्थित तरीके से मूल्यांकन कर सकेंगे, जिसमें परीक्षण रिपोर्ट, प्रमाणपत्र और अन्य जरूरी दस्तावेज शामिल होंगे, न कि अलग-अलग आधार पर जांच होगी।

चुनाव आयोग की पहल : 85+ और दिव्यांग मतदाता घर बैठे कर सकेंगे मतदान, मीडियाकर्मी भी डाक मतपत्र से डाल पाएंगे वोट

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

निर्वाचन आयोग (ईसीआई) आगामी विधानसभा चुनावों में वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांग मतदाताओं, सेवा मतदाताओं और चुनाव ड्यूटी पर लगे मतदाताओं को डाक मतपत्र के जरिये वोट देने की सुविधा देगा। आयोग ने 1951 के जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 60 (सी) के तहत व्यवस्था लागू की है। इसके मुताबिक 85 साल से अधिक उम्र के मतदाता और मतदाता सूची में चिह्नित दिव्यांग व्यक्ति डाक मतपत्र के जरिये अपना वोट डाल सकते हैं।

कैसे डाक मतपत्र से वोट डाल पाएंगे पात्र मतदाता?

आयोग के मुताबिक, ऐसे मतदाता फॉर्म 12डी भरकर चुनाव की घोषणा के पांच दिनों के भीतर अपने बीएलओ के जरिये निर्वाचन अधिकारी को जमा कर सकते हैं। इसके बाद मतदान कराने वाली टीम तय कार्यक्रम के अनुसार उनके घर जाकर वोट एकत्र करेंगी। यह कार्यक्रम संबंधित निर्वाचन अधिकारी की ओर से तैयार किया जाएगा और उम्मीदवारों के साथ भी साझा किया जाएगा।

किन-किन को मिलेगी डाक मतपत्र की सुविधा?

जो मतदाता मतदान के दिन जरूरी सेवाओं में व्यस्त रहेंगे, वे अपने विभाग के नोडल अधिकारी के जरिये डाक मतपत्र के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसमें दमकल, स्वास्थ्य, बिजली, यातायात, एंबुलेंस, विमानन और लंबी दूरी की सरकारी सड़क परिवहन सेवाएं शामिल हैं। चुनाव आयोग की ओर से अधिकृत मीडिया कर्मियों को भी जरूरी सेवाओं में अनुपस्थित मतदाता की श्रेणी में रखा गया है और उन्हें भी डाक मतपत्र की सुविधा मिलेगी। चुनाव ड्यूटी पर लगे मतदाताओं को डाक मतपत्र दिया जाएगा, वे उसमें वोट डालकर उसे सुविधा केंद्र पर जमा करेंगे। आयोग ने निर्देश दिए हैं कि वहां मतदान पूरी तरह गोपनीय तरीके से कराया जाए।

सेवा मतदाताओं के लिए क्या है खास व्यवस्था?

ईसीआई ने बताया कि सेवा मतदाताओं को उनके डाक मतपत्र इलेक्ट्रॉनिक तरीके से भेजे जाएंगे, जिसे इलेक्ट्रिक रूप से प्रेषित डाक मतपत्र प्रणाली (ईटीपीबीएस) कहा जाता है। यह मतपत्र उम्मीदवारों की अंतिम सूची तय होते ही भेज दिए जाएंगे और इसके लिए उन्हें डाक खर्च भी नहीं देना होगा। डाले गए सभी डाक मतपत्र 4 मई 2026 को मतगणना वाले दिन सुबह आठ बजे तक संबंधित निर्वाचन अधिकारी के पास पहुंच जाने चाहिए।

अमेरिकी-यूक्रेनी नागरिक 11 दिन की एनआईए की हिरासत में, यूएपीए के तहत हुई थी गिरफ्तारी

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने एक अमेरिकी नागरिक मैथ्यू आरोन वैन डायक और कई यूक्रेनी नागरिकों को 11 दिनों के लिए एनआईए की हिरासत में भेज दिया है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी इन विदेशी नागरिकों से राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गंभीर मामलों में पूछताछ करेगी। कोर्ट ने माना कि यह मामला सामान्य कानूनी उल्लंघन से कहीं ज्यादा बड़ा है और इसकी गहराई से जांच होनी चाहिए।

जांच एजेंसी ने क्या कहा?

इन सभी आरोपियों को गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत गिरफ्तार किया गया है। जांच एजेंसी ने कोर्ट को बताया कि ये लोग एक बड़ी साजिश का हिस्सा हैं। आरोप है कि इन लोगों ने पहले भारत के प्रतिबंधित इलाकों में अवैध रूप से प्रवेश किया और फिर बिना किसी अनुमति के म्यांमार की सीमा पार की। कोर्ट ने कहा कि अगर ये आरोप सही साबित होते हैं, तो यह सीधे तौर पर भारत की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है। एनआईए की जांच में यह बात सामने आई है कि इन विदेशी नागरिकों के संबंध कुछ हथियारबंद जातीय समूहों और प्रतिबंधित विद्रोही संगठनों से हो सकते हैं। इन पर आरोप है कि इन्होंने विद्रोही गुटों को हथियारों की सप्लाई में मदद की और उन्हें ट्रेनिंग भी दी। इसके अलावा, ड्रोन जैसी आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल में भी इनकी भूमिका संदिग्ध मानी जा रही है।

'मातृभूमि' में दिखेगा नया रोमांटिक रंग, 'चांद देख लेना' के टीजर में दिखी सलमान खान

चित्रांगदा सिंह

की जबरदस्त केमिस्ट्री

बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान एक बार फिर अपने फैंस के लिए कुछ खास लेकर आए हैं. उनकी अपकमिंग फिल्म मातृभूमि का नया गाना चांद देख लेना का टीजर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है. इस छोटे से टीजर ने ही फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट को कई गुना बढ़ा दिया है, क्योंकि इसमें रोमांस, इमोशन और म्यूजिक का जबरदस्त मेल देखने को मिल रहा है. टीजर की शुरुआत ही ऐसे विजुअल्स से होती है जो सीधे दिल को छू जाते हैं.सलमान खान की अपकमिंग फिल्म मातृभूमि, जिसे पहले बैटल ऑफ गलवान के नाम से जाना जाता था एक वॉर ड्रामा है, जो भारत-चीन के बीच हुए गलवान संघर्ष पर बेस्ड है. अपूर्व लाखिया की डायरेक्शन

में बनी इस फिल्म में सलमान खान एक आर्मी ऑफिसर के रोल में नजर आने वाले हैं, फिल्म में सलमान के साथ पहली बार चित्रांगदा सिंह नजर आएंगी. गाने की बात करें, तो सलमान ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर चांद देख लेना गाने का टीजर शेयर किया है.

फ्रेश आवाज से बढ़ी एक्साइटमेंट

चांद देख लेना गाने को निहाल टौरो और अंकोना मुखर्जी ने आवाज दी है, जो एक फ्रेश जोड़ी की आवाज बनकर सामने आने वाले हैं. म्यूजिक की बात करें तो फिल्म का संगीत हिमेश रेशमिया ने तैयार किया है, जो पहले भी कई हिट गाने दे चुके हैं. वहीं इस फिल्म का पहला देशभक्ति गीत मातृभूमि पहले ही लोगों को काफी पसंद आ चुका है, और अब चांद देख लेना के टीजर ने उम्मीदों को और बढ़ा दिया है.

टीजर ने जीता लोगों का दिल

14 सेकेंड के इस टीजर के रिलीज होते ही फैंस सोशल मीडिया पर जमकर रिएक्शन दे रहे हैं. कई यूजर्स इसे इमोशनल और दिल को छू लेने वाला बता रहे हैं, तो कुछ का कहना है कि यह गाना फिल्म का सबसे खास हिस्सा साबित हो सकता है.

फिल्म के साथ ही साथ इस गाने में सलमान और चित्रांगदा की केमेस्ट्री देखने के लिए लोग काफी बेताब हैं. हालांकि, गाना रिलीज कब होगा इस बात की जानकारी सामने नहीं आई है. फिल्म की बात करें, तो ये 14 अगस्त, 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाला है.

विकी कौशल ने स्टेज पर पत्नी को लेकर ऐसा क्या कहा, जो फैंस ने लगा डाली क्लास

बॉलीवुड एक्टर विकी कौशल आखिरी बार साल 2025 में रिलीज हुई फिल्म 'छावा' में नजर आए थे. इस ब्लॉकबस्टर मूवी से विकी कौशल ने खूब तारीफें बटोरीं. एक बार फिर विकी कौशल सुर्खियों में आ गए हैं और इसकी वजह है उनका वायरल वीडियो. इन दिनों विकी कौशल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है. इस वीडियो में एक्टर ने कुछ ऐसा कह डाला, जिसकी वजह से उन्हें ट्रोल होना पड़ रहा है. दरअसल, विकी कौशल हाल ही में एक शादी में शामिल हुए और इस दौरान उन्होंने इनडायरेक्टली पत्नी को लेकर एक मजाक (वाइफ जॉक्स) कर डाला, जिसकी वजह से उनकी ऑनलाइन काफी आलोचना हो रही है.

बॉलीवुड स्टार विकी कौशल और कटरीना कैफ इंडस्ट्री के सबसे पसंदीदा कपल्स में से एक हैं. अक्सर दोनों एक दूसरे पर खूब प्यार लुटाते हुए नजर आते हैं. हालांकि, हाल ही में एक शादी में विकी का पत्नी पर मजाक करते हुए एक वीडियो ऑनलाइन सामने आया है, जिसकी वजह से इंटरनेट पर कई लोगों ने उन्हें क्रिटिसाइज करना शुरू कर दिया. उस वीडियो में आखिर ऐसा क्या था, आइए जानते हैं.

विकी का वायरल वीडियो

इस वायरल क्लिप में विकी दूल्हे के पिता से मजाकिया अंदाज में बात कर रहे हैं और दूल्हे से पूछने के लिए कह रहे हैं, हाउ इज द जोश? जब ऑडियंस ने हाई, सर! कहा, तो विकी ने मजाक में कहा, मैंने ये देखा है कि बैचलर्स का जोश हमेशा हाई रहता है. हम शादी-शुदा लोगों का जोश साल दर साल गिरता रहता है. पर टेंशन लेने की बात नहीं है, 4 दिन में जोश कम नहीं होता.

नेटिजन्स ने लगाई क्लास

सोशल मीडिया पर वायरल हुए इस वीडियो में लोगों को इनडायरेक्टली वाइफ पर जोक्स करना अच्छा नहीं लगा और लोगों ने उनकी जमकर क्लास लगाई. एक यूजर ने लिखा ... साल 2026 आ गया है और हम अभी भी औरतों के खिलाफ शादी का मजाक उड़ाने वाले जोक्स कर रहे हैं. इन्हें तो 2016 में 'कॉमेडी नाइट्स विद कपिल' में ही छोड़ देना चाहिए था. दूसरे ने कमेंट किया ... मुझे ये बिल्कुल पसंद नहीं आता जब मर्द सबके सामने अपनी शादी का मजाक उड़ाते हैं.

Sara Ali Khan अब नहीं जा पाएंगी केदारनाथ? देना होगा एफिडेविट, कंगना बोलीं- सब सनातनी हैं, लिखने में क्या...

बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान महादेव की बहुत बड़ी भक्त हैं. अपनी डेब्यू फिल्म 'केदारनाथ' के बाद से ही बाबा केदारनाथ में गहरी आस्था रखती हैं, साथ ही अक्सर वहां जाती हैं. अपनी इस यात्रा की तस्वीरें भी वो फैन्स के साथ शेयर करती रहीं हैं. मुस्लिम परिवार से होने के बावजूद महादेव में उनकी गहरी आस्था देखने को मिलती हैं. केदारनाथ के अलावा उज्जैन और दूसरे ज्योतिर्लिंगों के दर्शन करती नजर आती हैं. सोशल मीडिया पर अक्सर ट्रोल होने के बावजूद सारा को उनकी आस्था और सादगी के लिए सराहा जाता रहा है. पर क्या वो अब केदारनाथ नहीं जा पाएंगी. उन्हें चार धाम यात्रा से पहले यह काम करना होगा, जानिए पूरा मामला क्या है?

दरअसल बद्री-केदार मंदिर समिति ने एक नया नियम लागू किया है. अब नॉन हिंदू विजिटर्स को बद्रीनाथ और केदारनाथ में पूजा-अर्चना करने के लिए एक एफिडेविट देना होगा. जिसमें उन्हें हिंदू धर्म में अपनी आस्था का प्रमाण देना होगा. यह आदेश सभी नॉन हिंदू विजिटर्स पर लागू होता है, जिसमें सारा अली खान भी शामिल हैं, जो अक्सर केदारनाथ जाती रहती हैं. इस मामले पर कंगना रनौत का बयान भी सामने आया है.

मैं अपने ऑटोमैटिक लॉक सिस्टम से खुश हूं

जब कृष्णा टास्क हारकर बाहर आईं, तो सभी ने उन्हें घेर लिया. आरुषि चावला ने मजाकिया अंदाज में कहा, हमें पता है कि वो अमीर हैं, लेकिन इतनी? जब कृष्णा से पूछा गया कि क्या उन्होंने सच में अपनी पूरी जिंदगी में कभी चाबी से ताला नहीं खोला है, तब कृष्णा ने बड़ी सादगी से अपनी 'लक्जरी लाइफ' की हकीकत बयां की.

सारा अली खान को देना होगा एफिडेविट

अब बद्री-केदार मंदिर समिति ने नए नियम लागू कर दिए हैं. अब अगर एक्ट्रेस सारा अली खान को केदारनाथ और बद्रीनाथ मंदिरों में पूजा-अर्चना जारी रखनी है, तो फिर इसके लिए एक एफिडेविट देना होगा. समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने कहा कि केदारनाथ और बद्रीनाथ मंदिरों में दर्शन के इच्छुक सभी नॉन-हिंदू विजिटर्स को एफिडेविट देना अनिवार्य होगा. जिसमें वो हिंदू धर्म में अपनी आस्था का प्रमाण देंगे. PTI के मुताबिक, नॉन-हिंदू विजिटर्स, जिनका सनातन धर्म में विश्वास है, और वो लिखकर देते हैं, जिसमें कहा गया हो- मैं एक सनातनी हूं, मैं हिंदुत्व में विश्वास रखती हूं', उन सभी का स्वागत है.इस दौरान यह भी क्लियर किया गया कि, दर्शन करने आ रहे लोगों को एक लिखित प्रमाण देना होगा. जिसमें हिंदू धर्म में उनकी आस्था का जिक्र हो. यह नियम उन सभी गैर-हिंदू भक्तों पर लागू होगी, जो इन दोनों मंदिरों में से किसी में भी पूजा-अर्चना के लिए आते हैं.

श्रेया घोषाल

ने जोड़े सलमान खान के सुपरहिट गाने से हाथ, बताई Fevicol Se रिजेक्ट करने की वजह

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के सबसे पॉपुलर सिंगर में से एक श्रेया घोषाल अक्सर अपने गानों की वजह से सुर्खियों में रहती हैं. बीते दिनों श्रेया घोषाल ने अपने गाने 'चिकनी चमेली' को लेकर बात की थी और कहा था कि उस तरह के गाने वो अब और नहीं गाएंगी. इसी बीच अब सिंगर ने एक और पॉपुलर गाने को लेकर खुलासा किया है कि सलमान खान का वो सॉन्ग उन्हें ऑफर हुआ था. लेकिन श्रेया घोषाल ने इसे गाने से इनकार कर दिया था. श्रेया घोषाल ने बताया कि एक बार उन्होंने फिल्म 'दबंग 2' का मशहूर गाना 'फेविकोल से' गाने से रिजेक्ट कर दिया था.

श्रेया घोषाल ने हाल ही में राज शमानी के साथ बातचीत के दौरान उस वजह के बारे में बताया, जिसकी वजह से उन्होंने उस गाने से पीछे हटने का फैसला किया था, भले ही वो एक बड़े बॉलीवुड प्रोजेक्ट का हिस्सा था. श्रेया घोषाल ने खुलासा किया कि 'फेविकोल से' गाने के बोल उन्हें सुनकर अजीब लग रहा था, जिसकी वजह से उन्होंने इसे रिकॉर्ड न करने का फैसला किया.

क्यों रिजेक्ट किया फेविकोल से ?

सलमान खान की दबंग 2 के गाने 'फेविकोल से' पर बात करते हुए श्रेया घोषाल ने कहा, उस फिल्म में एक गाना था, जिसमें बहुत ज्यादा ऑब्जेक्टिफिकेशन था. ये बिल्कुल भी सटल नहीं था ... ये कुछ ऐसा था जैसे चिकन बना के खा ले और ये करके लिपट ले मैं ये शब्द बोल भी नहीं सकती. इसे सुनकर मेरा चेहरा शर्म से लाल हो जाता है. मैं ऐसा नहीं कर सकती. इसलिए कुछ ऐसे पल आए जब मैं हाथ जोड़कर वहां से चली गई.

बना बॉलीवुड का सबसे हिट आइटम नंबर

हालांकि, ये गाना फिल्म के सबसे मशहूर डांस नंबर्स में से एक बन गया और इसमें करीना कपूर खान एक स्पेशल अपीयरेंस में नजर आईं. श्रेया की बात करें तो उनके प्लेबैक सिंगिंग के सफर की शुरुआत संजय लीला भंसाली की फिल्म 'देवदास' से हुई, जिसका संगीत इस्माइल दरबार ने तैयार किया था. इस फिल्म के उनके गाने 'बैरी पिया' के लिए उन्हें 'बेस्ट फीमेल प्लेबैक सिंगर' का नेशनल अवॉर्ड मिला और यहीं से उनके सक्सेसफुल करियर की शुरुआत हुई.

लखनऊ एक्सप्रेस

हिंदी दैनिक, जन एक्सप्रेस | @janexpressnews | janexpresslive | www.janexpresslive.com/epaper | janexpresslive

सऊदी में ऑयल रिफाइनरी पर हमला...

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग के बीच सऊदी अरब के यनबू पोर्ट पर स्थित सैमरेफ ऑयल रिफाइनरी पर हवाई हमला हुआ है। इसके अलावा यूएई और कतर के तेल-गैस प्लांट पर भी ड्रोन हमले हुए हैं। ईरान ने हाल ही में सऊदी अरब, यूएई और कतर के तेल ठिकानों... पढ़ें पेज 12 पर...

राम मंदिर को अंधविश्वास बताने वाले सत्ता बचाने के लिए नोएडा नहीं जाते थे, अब हालात बदल गए: सीएम योगी

जन एक्सप्रेस। लखनऊ

अयोध्या। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिवस पर गुरुवार को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में श्रीराम यंत्र की प्रतिष्ठापना की। इस अवसर पर राष्ट्रपति की उपस्थिति में गोरक्षपीठाधीश्वर व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी अपने विचार रखे। उन्होंने सबसे पहले प्रदेशवासियों को भारतीय नवसंवत्सर की शुभकामना दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरयू मैया अयोध्या धाम को पवित्र करते हुए अपने निर्मल जल से पूरे क्षेत्र को पवित्र करती हैं। रामराज्य की अनुभूति का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया में युद्ध चल रहे हैं और हम श्रीराम यंत्र की प्रतिष्ठापना कार्यक्रम में सहभागी बन रहे हैं। मुख्यमंत्री ने वर्तमान पीढ़ी की प्रशंसा की और कहा कि यह पीढ़ी नववर्ष पर ऐसे किसी टूरिस्ट डेस्टिनेशन पर नहीं जाती, जहां सनातन के विरोध में कोई कार्य हो रहा है। वह नए वर्ष पर परिवार के साथ मंदिर जाती है।

हर सनातन धर्मावलंबी व सच्चा भारतीय आनंदित

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व-मार्गदर्शन में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन, श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा, रामदरबार के पवित्र विग्रह की स्थापना, ध्वजा आरोहण और आज श्रीराम यंत्र की स्थापना का कार्यक्रम हर सनातन धर्मावलंबी व सच्चे भारतीय को आनंद से विभोर कर देता है और यही भारत की आस्था है। सीएम योगी ने विपक्षी दलों पर भी निशाना साधा, कहा कि आस्था को अंधविश्वास कहकर अपमानित किया गया था। इसे अपमानित करने वाले वही लोग हैं, जो सत्ता बचाने के लिए नोएडा नहीं जाते थे। नोएडा न जाना उनके लिए अंधविश्वास नहीं था, लेकिन राम मंदिर, काशी विश्वनाथ धाम, कृष्ण-कन्हैया के मथुरा-वृंदावन की बात करना अंधविश्वास का पर्याय था। लेकिन जो आस्था 500 वर्ष तक निरंतर बनी रही, संघर्षों का मुकाबला करती रही, वह न रुकी, न डिगी और न झुकी। आस्था को अपमानित करने वाली सत्ता के खिलाफ संघर्ष निरंतर जारी रहा। अंततः वह दिन आया, जब अयोध्या इस रूप में सबके सामने है।

श्रीराम मंदिर भारत के राष्ट्र मंदिर का बना प्रतीक

सीएम योगी ने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि मंदिर भारत के राष्ट्र मंदिर का प्रतीक बन गया है। यह रामराज्य की आधारशिला भी है। दुनिया में तमाम युद्ध चल रहे हैं, अव्यवस्था, आर्थिक अराजकता, भय-आतंक है और अयोध्याधाम में हजारों की संख्या में उपस्थित हम लोग भयमुक्त होकर राष्ट्रपति जी के अभिवादन और श्रीराम यंत्र की स्थापना कार्यक्रम में सहभागी बनकर रामराज्य की अनुभूति कर रहे हैं। सीएम ने कहा कि भारत इसलिए भारत बना है, क्योंकि इसे ऋषि-मुनियों की तपस्या, अन्नदाता किसानों के परिश्रम, कारीगरों की उद्यमिता और भारत की आस्था ने सदैव 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के रूप में बनाए रखा। श्रीराम जन्मभूमि यज्ञ की पूर्णाहुति कार्यक्रम के साथ जुड़कर न केवल प्रदेशवासी, बल्कि देश-दुनिया के सनातन धर्मावलंबी के मन में भी आनंद की अनुभूति हो रही है।

2025 में 156 करोड़ श्रद्धालु आए उत्तर प्रदेश

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 2025 में 156 करोड़ श्रद्धालु-पर्यटक धार्मिक व आध्यात्मिक स्थलों की यात्रा करने उत्तर प्रदेश आए। अयोध्या, काशी, प्रयागराज महाकुम्भ, मथुरा-वृंदावन में दर्शन करने जितने लोग आए, उतनी आबादी कई देशों की नहीं है। यह नया और बदलता भारत है। वर्तमान पीढ़ी अब दिग्भ्रमित नहीं है, वह सही दिशा में जा रही है। वह नए वर्ष पर परिवार के साथ मंदिर जाती है। लोग किसी ऐसे टूरिस्ट डेस्टिनेशन पर नहीं जाते, जहां सनातन के विरोध में कोई कार्य हो रहा है।

सीएम ने बलिदान देने वाले रामभक्तों, संतों को किया नमन

सीएम ने राम मंदिर निर्माण यज्ञ में योगदान देने वाले संतों, रामभक्तों, कारीगरों/श्रमिकों का अभिनंदन किया। उन्होंने आंदोलन के दौरान बलिदान देने वाले रामभक्तों के साथ ही संतों व दिवंगत विहिप नेता अशोक सिंहल आदि को नमन किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को स्मृति चिह्न प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीराम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने किया। इस दौरान राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, मां अमृतानंदमयी (अम्मा), राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक भैया जी, श्रीराम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि, ट्रस्टी अनिल मिश्रा, मंदिर निर्माण में योगदान देने वाले कारीगरों के पारिवारिक सदस्यों समेत हजारों रामभक्त मौजूद रहे।

उन्नाव के औरास थाने में 'बड़ा खेल'?

संगीन धाराएं दबाकर दर्ज हुआ हल्का मुकदमा-निष्पक्ष जांच की उठी मांग

जन एक्सप्रेस। लखनऊ

उन्नाव। जनपद उन्नाव के थाना औरास से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसने पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आरोप है कि एक पीड़िता की तहरीर में बलात्कार, यौन शोषण, हत्या के प्रयास और साइबर अपराध जैसे संगीन आरोप होने के बावजूद पुलिस ने मामले को कमजोर करते हुए केवल दहेज उत्पीड़न की साधारण धाराओं में मुकदमा दर्ज कर दिया। पीड़िता राधा का कहना है कि 30 जनवरी 2026 से उसके साथ लगातार शोषण होता रहा। उसने कई बार पुलिस से गुहार लगाई, लेकिन हर बार उसे टाल दिया गया। पीड़िता का आरोप है कि विपक्षी पक्ष के धनबल और राजनीतिक दबाव के चलते पुलिस ने जानबूझकर गंभीर धाराओं को नजरअंदाज किया।

112 कॉल भी बेअसर, थाने में नहीं सुनी गई फरियाद

मामले का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि 17 फरवरी 2026 को पीड़िता द्वारा 112 पर कॉल करने के बावजूद उसे थाना स्तर पर अपनी बात रखने का मौका तक नहीं मिला। इसके बाद भी उसने लिखित तहरीर दी, जिसमें अपने पति, ससुर और अन्य आरोपियों पर गंभीर अपराधों के आरोप लगाए।

धन उगाही और दबाव के आरोप, पुलिस की भूमिका संदिग्ध

मामले में यह भी आरोप सामने आ रहा है कि थाना स्तर पर विपक्षी पक्ष से सांठगांठ कर केस को कमजोर किया गया। इससे न सिर्फ न्याय प्रक्रिया पर सवाल उठ रहे हैं, बल्कि पुलिस की निष्पक्षता भी कटघरे में है।

जनता में आक्रोश, उठी सख्त कार्रवाई की मांग

लगातार शिकायतों और 112 कॉल के बावजूद कार्रवाई न होने से स्थानीय लोगों में आक्रोश है। अब यह मामला तूल पकड़ता जा रहा है और निष्पक्ष जांच की मांग तेज हो गई है।

मुख्य मांगें

- पीड़िता की मूल तहरीर के आधार पर सभी संगीन धाराओं में तत्काल एफआईआर दर्ज की जाए
- पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय (CO/ASP स्तर) से निष्पक्ष जांच कराई जाए
- संबंधित थाना प्रभारी निरीक्षक को तत्काल हटाकर विभागीय जांच शुरू की जाए
- पीड़िता और उसके बच्चों को तत्काल पुलिस सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए

(यह मामला न सिर्फ एक पीड़िता की न्याय की लड़ाई है, बल्कि पुलिस व्यवस्था की पारदर्शिता और जवाबदेही की भी बड़ी परीक्षा बन चुका है।)

साक्ष्य होने के बावजूद जांच ठप

पीड़िता का दावा है कि उसके पास ऑडियो और वीडियो साक्ष्य मौजूद हैं, जो आरोपों को साबित कर सकते हैं। इसके बावजूद पुलिस द्वारा अब तक न तो साक्ष्यों की जांच की गई और न ही किसी आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई है।

सहारा शहर में विधानसभा बनने का रास्ता साफ, कोर्ट से केस हारने के बाद सामान ले जा रहीं स्वप्ना रॉय

जन एक्सप्रेस। लखनऊ

सुप्रीम कोर्ट में सहारा हाउसिंग कंपनी की अपील खारिज होने के बाद अब एलडीए में सहारा शहर की जमीन पर विधानसभा बनाने की तैयारी तेज हो गई। विधान सभा के साथ ही यहां पर सीएम सचिवालय और मुख्यमंत्री आवास बनाए जाने पर पर मंथन हो रहा है। दूसरी केस हारने के बाद सहारा प्रमुख स्वर्गीय सुब्रत राय सहारा की पत्नी स्वप्ना राय ने सहारा शहर को खाली करना शुरू कर दिया है। नगर निगम के सम्पत्ति प्रभारी राम प्रसाद ने बताया सुप्रीम कोर्ट में नगर निगम केस जीत चुका है। नगर निगम को सिर्फ जमीन से मतलब है। ऐसे में स्वर्गीय सुब्रत राय सहारा की पत्नी स्वप्ना राय को सामान निकालने की अनुमति दी है। वह अपना सामान ले जा रही हैं। एक दो दिन में पूरा सामान चला जाएगा। लीज का समय पूरा होने और शर्तों के उल्लंघन पर नगर निगम ने सहारा शहर की लीज को बढ़ाने की बजाय 30 साल का समय पूरा होने पर अक्तूबर के पहले सप्ताह में अपने कब्जे में ले लिया था। उसके बाद परिसर के गेटों को सील कर वहां पर सुरक्षा कर्मी तैनात कर दिए थे। लीज निरस्त करने की कार्रवाई के विरोध में सहारा कंपनी पहले हाईकोर्ट गई। वहां पर जब राहत नहीं मिली तो वह सुप्रीम कोर्ट गई। वहां पर भी उसे राहत नहीं मिली और कोर्ट ने 16 मार्च पहले अपील को खारिज कर दिया था। उसके बाद स्वप्ना रॉय अपना सामान सहारा शहर से ले जा रही हैं। इससे नगर निगम को कोई आपत्ति नहीं है। उनकी जो भी गाड़ियां, पशु, फर्नीचर व अन्य सामान है वह ले जा रही हैं। गायों को पहले गोशाला में रखा गया था यदि वह ले जाएंगी तो वह उनको मिल जाएंगी।

विधानसभा बनने का रास्ता पूरी तरह साफ

सुप्रीम कोर्ट से नगर निगम के केस जीतने के बाद स्वप्ना रॉय के सहारा शहर खाली करने के साथ ही सहारा शहर की जमीन पर नई विधानसभा बनने का रास्ता अब पूरी तरह साफ हो गया है। अब तक मामला सुप्रीम कोर्ट में होने के कारण अटका हुआ था मगर अब इसमें कोई कानूनी बाधा भी नहीं रही है। नगर आयुक्त गौरव कुमार का कहना है कि जमीन पर क्या बनेगा यह शासन और सरकार तय करेगी। लीज निरस्त होने के बाद नगर निगम ने जमीन को अपने कब्जे में ले लिया था और अब सुप्रीम कोर्ट से केस जीतने के बाद किसी तरह का कोई कानूनी विवाद भी नहीं रहा है और नगर निगम की 170 एकड़ जमीन सुरक्षित है।

नहीं दिखा चांद, 21 को मनाई जाएगी ईद

जन एक्सप्रेस। लखनऊ

राजधानी लखनऊ में टीले वाली मस्जिद से ईद का चांद देखा गया, लेकिन गुरुवार को चांद नहीं दिखा। मस्जिद के शाही इमाम मौलाना कारी सैयद फजलुल मन्नान रहमानी व इम्तियाज दूरबीन से चांद का दीदार कर रहे थे। लेकिन चांद नहीं दिखा। इसलिए अब ईद शनिवार को मनाई जाएगी। इस बात का एलान शाही इमाम ने किया। बताते चलें कि ईद-उल-फित्र के मद्देनजर मरकजी चांद कमेटी फरंगी महल की ओर से गुरुवार शाम 5:30 बजे ईद-उल-फित्र का चांद देखने की अपील की गई थी। कमेटी ने बताया कि ईदगाह ऐशबाग में चांद देखने का एहतिमाम किया गया था।

टीएसएम स्पोर्ट्स फेस्ट 2026 का आगाज खेलों के रंग में रंगा विश्वविद्यालय परिसर

जन एक्सप्रेस। लखनऊ

टी.एस. मिश्रा विश्वविद्यालय में बहुप्रतीक्षित ञस्रू स्पोर्ट्स फेस्ट 2026 का सोमवार को जोश और उत्साह के साथ शुभारंभ हुआ। चार दिवसीय इस खेल महोत्सव (17 से 20 मार्च) का उद्देश्य छात्रों में खेल भावना, टीम वर्क और शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के प्रो-चांसलर कपिल मिश्रा ने किया। उन्होंने छात्रों को खेल गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ-साथ शारीरिक स्वास्थ्य भी समान रूप से जरूरी है। स्पोर्ट्स फेस्ट के तहत विभिन्न इनडोर और आउटडोर खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। आउटडोर खेलों में क्रिकेट, फुटबॉल, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, खो-खो, रस्साकशी और रेस नॉकआउट शामिल हैं, जबकि इनडोर खेलों में कैरम और शतरंज भी प्रमुख आकर्षण बने हुए हैं। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के छात्र-छात्राएं पूरे उत्साह के साथ भाग ले रहे हैं, जिससे परिसर में ऊर्जा और प्रतिस्पर्धा का माहौल देखने को मिल रहा है। यह आयोजन छात्रों के समग्र विकास और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

स्पोर्ट्स फेस्ट के आगामी दिनों में कई रोमांचक मुकाबले आयोजित किए जाएंगे, जिसका समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ होगा।

दो अप्रैल से 13 ट्रेनें नहीं आएंगी लखनऊ, 13 मई तक कानपुर रूट की ट्रेनों का संचालन रहेगा बाधित

जन एक्सप्रेस। लखनऊ

उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल कानपुर सेंट्रल से कानपुर पुल बायां किनारा के बीच रेलवे पुल पर इंजीनियरिंग कार्य करवाएगा। इस कारण दो अप्रैल से 13 मई तक लखनऊ से कानपुर के बीच ट्रेनों का संचालन बाधित रहेगा। इस दौरान आगरा इंटरसिटी, झांसी इंटरसिटी, पुणे एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनें लखनऊ नहीं आएंगी। सीनियर डीसीएम कुलदीप तिवारी ने बताया कि पहली अप्रैल से 13 मई तक 55346 कासगंज-लखनऊ जंक्शन पैसेंजर कानपुर अनवरगंज तक ही आएगी। वापसी में 55345 लखनऊ जं.-कासगंज पैसेंजर लखनऊ जं. यहीं से चलाई जाएगी। 12180 आगरा फोर्ट-लखनऊ जं. एक्सप्रेस कानपुर सेंट्रल तक ही आएगी। 12179 लखनऊ जं.-आगरा फोर्ट एक्सप्रेस यहीं से चलेगी। ट्रेन 12103 पुणे-लखनऊ जं. भी कानपुर सेंट्रल तक ही आएगी। वापसी में 12104 लखनऊ जं.-पुणे एक्सप्रेस कानपुर सेंट्रल से ही चलेगी। 11109 वीरांगना लक्ष्मीबाई जं.- लखनऊ जं. इंटरसिटी कानपुर सेंट्रल तक आएगी। वापसी में 11110 लखनऊ जं.-वीरांगना लक्ष्मीबाई जं. एक्सप्रेस यहीं से चलेगी। 12107 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-सीतापुर एक्सप्रेस कानपुर सेंट्रल ढाई घंटे लेट चलेगी।

ये ट्रेनें नहीं आएंगी लखनऊ

02564 नई दिल्ली-बरौनी स्पेशल, 02570 नई दिल्ली-दरभंगा स्पेशल, 19615 उदयपुर सिटी-कामाख्या एक्सप्रेस, 19053 सूरत-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस, 15270 साबरमती- मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस, 09465 अहमदाबाद-दरभंगा स्पेशल, 11079 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस, 15066 पनवेल-गोरखपुर एक्सप्रेस, 15046 ओखा-गोरखपुर एक्सप्रेस, 22534 यशवंतपुर-गोरखपुर एक्सप्रेस, 15024 यशवंतपुर-गोरखपुर एक्सप्रेस, 12598 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस व 15030 पुणे-गोरखपुर एक्सप्रेस।

ये ट्रेनें चलेंगी बदले रूट से

12004 नई दिल्ली-लखनऊ जं. एक्सप्रेस गाजियाबाद-मुरादाबाद के रास्ते चलेगी। रूट बदलने से यह ट्रेन अलीगढ़, टूंडला, इटावा, फफूंद और कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर नहीं रुकेगी। 02563 बरौनी-नई दिल्ली स्पेशल बुढ़वल-सीतापुर सिटी-शाहजहांपुर-बरेली-मुरादाबाद-गाजियाबाद के रास्ते चलेगी। 02569 दरभंगा-नई दिल्ली स्पेशल बुढ़वल-सीतापुर सिटी-शाहजहांपुर-बरेली-मुरादाबाद-गाजियाबाद के रास्ते तथा 20921 बांद्रा टर्मिनस-लखनऊ जं. एक्सप्रेस कासगंज-शाहजहांपुर-आलमनगर-लखनऊ जं. के रास्ते चलेगी।

एक्सप्रेस खबरें...

गाजीपुर के लिए 24.43 लाख रूपये मंजूर

जन एक्सप्रेस। लखनऊ। प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में पूर्वांचल विकास निधि राज्यांश के अंतर्गत गाजीपुर की विकास परियोजना के क्रियान्वयन के लिए अगली किश्त के रूप में 24 लाख 43 हजार रूपये मंजूर किए हैं। इस संबंध में नियोजन विभाग द्वारा शासनादेश जारी करते हुए प्रति जिलाधिकारी, गाजीपुर को प्रेषित कर दी गई है।शासनादेश के अनुसार मंजूर की गई धनराशि से गाजीपुर में प्राथमिक पाठशाला रेहटी मालीपुर से रेहटीमालीपुर ग्राम पंचायत तक संपर्क मार्ग का निर्माण कार्य कराया जाएगा। जनपद के जिलाधिकारी का दायित्व होगा कि स्वीकृत कार्य के अवशेष कार्य कड़ी निगरानी में समयबद्ध ढंग से पूर्ण गुणवत्ता एवं मानक के अनुरूप पूर्ण कराए जाएं।

डिफेन्स इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर चित्रकूट नोड की आन्तरिक सड़कों, जल निकासी कार्य के लिए 1055.40 लाख मंजूर

जन एक्सप्रेस। लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने डिफेन्स इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर नोड चित्रकूट नोड की आन्तरिक सड़कों एवं जल निकासी के निर्माण कार्य के लिए वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 में तृतीय किश्त के रूप में 1055.40 लाख रूपये की धनराशि मंजूर कर दी है। औद्योगिक विकास विभाग द्वारा आवश्यक आदेश जारी कर दिया गया है। आदेश में कहा गया है कि स्वीकृत धनराशि का उपयोग उसी प्रयोजन के लिए किया जायेगा, जिसके लिए धनराशि स्वीकृत की जा रही है।

भूमि खरीद के लिए 11 अरब 90 करोड़ स्वीकृत

जन एक्सप्रेस। लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 में झाँसी लिंक एक्सप्रेसवे परियोजना के तहत पुनर्विनियोग के माध्यम से 11 अरब 90 करोड़ रूपये की धनराशि स्वीकृत की है। इस धनराशि में से जिलाधिकारी, जालौन को 14430 लाख रूपये और जिलाधिकारी, झाँसी को 104570 लाख रूपये स्वीकृत किये गये हैं। औद्योगिक विकास विभाग द्वारा आदेश जारी कर दिया गया है, जिसमें जालौन में 212.52 हे भूमि की अनुमानित लागत 1,44,30,00,000 रूपये के सापेक्ष 1,44,30,00,000 रूपये की धनराशि और झाँसी में 1189.32 हे. क्षेत्रफल की भूमि के लिए अनुमानित लागत 10,62,82,00,000 रूपये के सापेक्ष 10,45,70,00,000 रूपये की धनराशि अवमुक्त की गयी है।

हज यात्रा सुविधाजनक बनाने हेतु सकुर्लर 34 में निर्देश

जन एक्सप्रेस। लखनऊ। सचिव एवं कार्यपालक अधिकारी उत्तर प्रदेश राज्य हज समिति ने हज-2026 हेतु पासपोर्ट पहले से जमा करने की आवश्यकता समाप्त करते हुए आवश्यक सुझाव देते हुए बताया है की मूल अन्तर्राष्ट्रीय पासपोर्ट अपनी अभिरक्षा में सुरक्षित रखें तथा फ्लाइट बुकिंग हेतु उड़ान स्थल पर पहुंचते समय अपने साथ लायें। यात्रा प्रपत्र उड़ान स्थल पर मूल अन्तर्राष्ट्रीय पासपोर्ट दिखाने पर उपलब्ध कराया जायेगा। पासपोर्ट सत्यापन हज-2026 में जाने वाले यात्री बुकिंग के समय पासपोर्ट जमा करने से पहले तथ्यों को सत्यापित कर लें जैसे कि पासपोर्ट की वैद्यता 31 12.2026 तक होना अनिवार्य है। पासपोर्ट किसी भी रुप में कटा-फटा, पानी धब्बा युक्त व लैमिनेशन नुचा आदि नही होना चाहिए। पासपोर्ट में कम-से-कम दो पन्ने वीजा स्टैम्पिग हेतु खाली होना चाहिए। पासपोर्ट में नाम, फोटो, जन्म तिथि और अन्य विवरण हज आवेदन में उपलब्ध डाटा के अनुरुप है।

पहले अनुभवजन्य आधार पर होता था उपचार: सीएम सिंह

जन एक्सप्रेस। लखनऊ

डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में 19 मार्च चिकित्सा महाविद्यालयों के संकाय सदस्यों, जिला क्षय रोग अधिकारियों एवं निजी चिकित्सकों के लिए पल्मोनरी एवं एक्स्ट्रा-पल्मोनरी क्षय रोग पर आरटीपीएमयू स्तर के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विभिन्न जिलों से 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया।यह क्षय रोग उन्मूलन के प्रति मजबूत शैक्षणिक सहभागिता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कार्यक्रम लोहिया इंस्टीट्यूट के पल्मोनरी मेडिसिन विभाग द्वारा क्वालिटी सेल आरटीपीएमयू लखनऊ के सहयोग से स्टेट टीबी सेल उत्तर प्रदेश स्टेट टास्क फोर्स एवं प्रोजेक्ट एसएसएचएकेटीआई के तत्वावधान में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि एवं संरक्षक निदेशक लोहिया इंस्टिट्यूट प्रो.डॉ. सीएम सिंह रहे।प्रो.डॉ. अजय कुमार वर्मा ने स्वागत भाषण देते हुए क्षय रोग का विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने भारत में टीबी की घटनाओं, प्रसार एवं मृत्यु दर को कम करने में निरंतर प्रशिक्षण कार्यक्रमों की महत्ता को रेखांकित किया। प्रो. डॉ. सीएम सिंह ने टीबी प्रबंधन में हुए परिवर्तन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पहले उपचार अनुभवजन्य आधार पर किया जाता था, वही आज उन्नत आणविक जांचों से सटीक निदान एवं साक्ष्य-आधारित उपचार संभव है। उन्होंने सरकार द्वारा निदान सुविधाओं के विस्तार, उपचार की उपलब्धता, सामाजिक एवं वित्तीय सहयोग योजनाओं को सराहा करते हुए कहा कि इससे भारत टीबी उन्मूलन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।पद्मश्री प्रो. राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि पिछले तीन दशकों में भारत में टीबी प्रबंधन में क्रांतिकारी बदलाव आया है और देश उन्मूलन के लक्ष्य की ओर अग्रसर है।प्रो. सूर्यकांत ने टीबी से होने वाली मृत्यु दर को कम करने के लिए शीघ्र पहचान, समय पर निदान एवं उचित उपचार के महत्व पर बल दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम स्वास्थ्य पेशेवरों को क्षय रोग के नवीनतम निदान, उपचार, एक्स्ट्रा-पल्मोनरी रूपों एवं क्रिटिकल केयर प्रबंधन के बारे में अद्यतन करने हेतु महत्वपूर्ण मंच सिद्ध हुआ।

सरकार हर आवास विहीन व्यक्ति को पक्का आवास देने को प्रतिबद्ध: केशव

- उप मुख्यमंत्री का मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के लाभार्थियो के चयन का फरमान

जन एक्सप्रेस। लखनऊ

प्रदेश में आवासविहीन परिवारों को पक्की छत की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए पूर्णतया राज्य सहायतित मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण वर्ष 2018-19 से संचालित है। इस योजना में अब तक 4.72 लाख परिवारों को आवास आवंटित किया गया है। योजना की प्राथमिकता श्रेणी में सामाजिक रूप से अत्यन्त कमजोर मुसहर, वनटांगिया, नट, सपेरा, जोगी, बासफोर, बसोड़, धरकार आदि वर्ग, विभिन्न जनजातियों, विशिष्ट रोगो से पीड़ित परिवारों, दैवीय आपदा से प्रभावित परिवारों, दिव्यांगजन तथा पति की मृत्यु के उपरान्त निराश्रित विधवा महिला आयु 18 से 50 वर्ष आदि को सम्मिलित किया गया है।ऐसे परिवार जो प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण की पात्रता रखते है, किन्तु सूची में नाम सम्मिलित न होने के कारण इन्हें मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अन्तर्गत निर्धारित प्राथमिकता श्रेणी में आवास उपलब्ध कराया जा रहा है। योजनान्तर्गत पात्र लाभार्थियों को समय से आवास मिल सके तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर इनके द्वारा आवास बनाया जा सके, इसके दृष्टिगत उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने वर्ष 2026-27 में मुख्यमंत्री आवास योजना - ग्रामीण के लाभार्थियो के चयन मांग पत्र भेजने के दिये निर्देश ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियो को दिये है। सरकार हर आवास विहीन व्यक्ति को पक्का आवास देने के लिए प्रतिबद्ध है। लाभार्थियों के चयन की कार्यवाही करने के निर्देश आयुक्त ग्राम्य विकास द्वारा प्रदेश के समस्त मुख्य विकास अधिकारियों को दिये गये हैं 'ऐसा पहली बार हो रहा है, जब आगामी वर्ष के लाभार्थियों की चयन की कार्यवाही वित्तीय वर्ष शुरू होने के पूर्व प्रारम्भ कर दी गयी है।पति की मृत्यु के उपरान्त आवासविहीन निराश्रित महिला आयु 18 से 50 वर्ष का प्राथमिकता पर आच्छादन हेतु सघन अभियान चलाने के निर्देश मुख्य विकास अधिकारियों को दिये गये है। महिला कल्याण विभाग से 18 से 50 वर्ष की निराश्रित विधवा महिलाओं की 15.53 लाख पेन्शन लाभार्थियों की सूची भी जनपदो को उपलब्ध करायी जा रही है, जिससे इनका सत्यापन कराते हुए पात्र होने की स्थिति में मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के आवास आवंटन सूची में इनका नाम सम्मिलित किया जा सके। इस सत्यापन कार्य को प्राथमिकता के आधार पर कराने के निर्देश भी सभी मुख्य विकास अधिकारियों को आयुक्त ग्राम्य विकास, विभाग द्वारा दिये गये है।मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के आवास केवल महिला मुखिया के नाम पर आवंटित किये जायेगें, यदि पुरूष के नाम पर आवास आवंटित किया जाता है, तो कारण बताते हुए अनुमति मुख्य विकास अधिकारी से लेनी होगी।

यूपी में स्थाई डीजीपी की नियुक्ति लटकी, आयोग ने प्रस्ताव पर जताई आपत्ति, फिर से भेजने के लिए कहा

जन एक्सप्रेस। लखनऊ

उत्तर प्रदेश में स्थायी डीजीपी की नियुक्त इस बार फिर लटक सकती है। प्रदेश सरकार की ओर से संघ लोक सेवा आयोग को भेजे गए प्रस्ताव को आयोग ने आपत्ति लगाकर वापस भेज दिया है। आयोग ने 2025 के सर्कुलर और गाइडलाइन के मुताबिक दोबारा प्रस्ताव भेजने की मांग की है। प्रदेश सरकार ने मंगलवार को वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों के नाम का पैनल आयोग को भेजा था। इसमें 30 वर्ष की सेवा पूरी कर चुके अधिकारियों के नाम शामिल थे। सूत्रों की मानें तो प्रदेश सरकार ने वर्ष 1990 से 1996 बैच के तीन दर्जन से अधिक अधिकारियों के नाम आयोग को भेजे थे। जिनमें से आयोग को वरिष्ठता के आधार पर तीन अधिकारियों को चिन्हित कर राज्य सरकार को उनके नाम भेजना थे तत्पश्चात राज्य सरकार को इनमें से किसी एक का चयन डीजीपी के पद के लिए करना था पर आयोग ने प्रस्ताव को भी वापस भेज दिया।

भाजपा की संगठनात्मक कार्यशाला आयोजित

जन एक्सप्रेस । संवाददाता

नई टिहरी। नई टिहरी में भारतीय जनता पार्टी की जिला स्तरीय संगठनात्मक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें मंडल स्तरीय प्रशिक्षण वर्ग और विशेष गहन पुनर्निरीक्षण कार्यक्रम की विस्तृत समीक्षा की गई।कार्यशाला में वक्ताओं ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें जनहित में लगातार कल्याणकारी योजनाएं चला रही हैं, जिनका लाभ आम जनता तक पहुंच रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी योजनाओं से वंचित न रहे, यह सुनिश्चित करना उनकी जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष उदय रावत ने की, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में प्रदेश मंत्री नेहा जोशी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया। जिलाध्यक्ष ने जिले में चल रही संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि विभिन्न मंडलों में प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं, जिनमें कई स्थानों पर कार्यक्रम संपन्न हो चुके हैं।

मुख्य वक्ता नेहा जोशी ने कहा कि भाजपा एक संगठन आधारित पार्टी है, जो समय-समय पर कार्यशालाओं और गतिविधियों के माध्यम से कार्यकर्ताओं को सक्रिय बनाए रखती है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पास प्रदेश में कोई ठोस मुद्दा नहीं है और वह जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रही है।उन्होंने अप्रैल से शुरू होने वाले विशेष गहन पुनर्निरीक्षण कार्यक्रम, मंडल स्तरीय कार्यशालाओं और अन्य गतिविधियों की समीक्षा करते हुए कहा कि देश में नरेंद्र मोदी और प्रदेश में पुष्कर सिंह धामी की सरकार सराहनीय कार्य कर रही है।वक्ताओं ने 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं से अभी से तैयारी में जुटने का आह्वान किया और तीसरी बार सरकार बनाने के लक्ष्य पर जोर दिया। इस मौके पर प्रदेश मंत्री नलिन भट्ट, प्रदेश आईटी संयोजक प्रवीन लेखवार, विधायक शक्ति लाल शाह, विनोद कंडारी, किशोर उपाध्याय, पूर्व कैबिनेट मंत्री दिनेश धनाई, जिला पंचायत अध्यक्ष इशिता सजवाण समेत कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद।

विकासनगर में स्मैक और ड्रग्स के खिलाफ जोरदार जन जागरण अभियान

जन एक्सप्रेस । संवाददाता

विकासनगर। गुरुवार को पूर्व कैबिनेट मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता नवप्रभात के नेतृत्व में विकासनगर के मुख्य बाजार में स्मैक एवं अन्य ड्रग्स के खिलाफ एक बड़ा जन जागरण अभियान चलाया गया। यह महाआंदोलन नशे के खिलाफ चल रही मुहिम का हिस्सा है, जिसमें लोगों को जागरूक करने और नशा तस्करों के खिलाफ आवाज उठाने की अपील की गई।

अभियान के दौरान नवप्रभात ने कहा कि हमारे क्षेत्र में नशे की लत ने कई परिवारों की जड़ें हिला दी हैं। आम आदमी को जागरूक होना बेहद जरूरी है। उन्होंने जोर देकर कहा, नशा बेचने वाला व्यक्ति कभी समाज के बारे में नहीं सोचता। हमारे युवा पीढ़ी को समझना होगा कि नशे के सौदागर हमारी युवा शक्ति को बर्बाद कर रहे हैं।

उन्होंने शासन-प्रशासन से तत्काल सख्त कार्रवाई की मांग की और चेतावनी दी कि यह मुहिम तब तक नहीं रुकेगी, जब तक स्मैक और ड्रग्स को समाज से पूरी तरह उखाड़ नहीं फेंका जाता। उन्होंने क्षेत्र के युवाओं से इस आंदोलन से जुड़ने और सक्रिय भागीदारी करने की अपील की।

इस मौके पर कांग्रेस के कई प्रमुख नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिनमें शामिल थेकांग्रेस प्रदेश सचिव विकास शर्मा,प्रेम प्रकाश अग्रवाल,पीसीसी सदस्य संजय जैन,जिला अध्यक्ष संजय किशोर,अध्यक्ष आशीष पुंडीर,पूर्व सभासद शमी प्रकाश, बलजीत सिंह, जावेद खान, मुनीर अहमद,नगर पालिका उपाध्यक्ष अनुपम कपिल, मधु, कपिल,जिला पंचायत सदस्य अजमेर राठौर, जितेंद्र रावत, फुरकान अहमद, नीरज रोहिल्ला, अभिषेक चौहान, विजय चौहान, सुनील राणा, सदाकत अली, जेद साजिद अहमद, सुबोध वर्मा, रवि प्रकाश, राजीव शर्मा, धीरेंद्र तदडियाल, सुभाष चंदेल, संजीव कुमार सभासद भारत कालरा और अन्य कई कार्यकर्ता।

यह अभियान विकासनगर में नशे के बढ़ते खतरे के खिलाफ कांग्रेस की ओर से चलाई जा रही व्यापक मुहिम का हिस्सा है, जिसमें पहले भी अधिवक्ताओं और विभिन्न समुदायों से समर्थन जुटाया गया है। नवप्रभात ने बार-बार जोर दिया है कि नशा एक सामाजिक बीमारी है और इसे जड़ से खत्म करने के लिए हर व्यक्ति को आवाज उठानी होगी।

स्थानीय लोग इस अभियान से जुड़कर नशामुक्त समाज के निर्माण में योगदान दे सकते हैं।

उत्तरकाशी में होटल-होमस्टे समस्याओं के समाधान को विशेष कैंप 20 मार्च को

जन एक्सप्रेस । संवाददाता

उत्तरकाशी। गंगा घाटी क्षेत्र के होटल, होमस्टे और गेस्ट हाउस संचालकों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। होटल एसोसिएशन उत्तरकाशी के अनुरोध पर जिलाधिकारी के निर्देशानुसार शनिवार, 20 मार्च 2026 को विशेष कैंप का आयोजन किया जा रहा है।

यह कैंप गढ़वाल मंडल विकास निगम (तरूङ्क्ह), तिलोथ उत्तरकाशी परिसर में प्रातः 11ः00 बजे से आयोजित होगा, जिसमें पर्यटन से जुड़े विभिन्न विभाग एक ही स्थान पर उपस्थित रहकर समस्याओं का समाधान करेंगे।कैंप में पर्यटन विभाग, खाद्य विभाग, पुलिस विभाग, अग्निशमन विभाग, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, विद्युत विभाग, जल संस्थान तथा एलआईयू सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहेंगे। इस दौरान होटल व्यवसायियों की अनापत्ति प्रमाण पत्र (ह्हष्ट), लाइसेंस, सब्सिडी और पर्यटन से जुड़ी अन्य समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया जाएगा।शैलेंद्र मटुडा, अध्यक्ष होटल एसोसिएशन उत्तरकाशी ने क्षेत्र के सभी होटल, होमस्टे और गेस्ट हाउस संचालकों से अधिक से अधिक संख्या में कैंप में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने नए और पुराने सभी प्रतिष्ठानों के स्वामियों एवं प्रबंधकों से अनुरोध किया है कि वे इस अवसर का लाभ उठाएं और अपनी समस्याओं का समाधान कराएं। साथ ही उन्होंने होटल व्यवसायियों से अपने आसपास के अन्य संचालकों को भी इस कैंप की जानकारी देने की अपील की है, ताकि अधिक से अधिक लोग इस सुविधा का लाभ उठा सकें।प्रशासन की यह पहल पर्यटन व्यवसाय को सुगम बनाने और स्थानीय कारोबारियों की समस्याओं के त्वरित समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

नैनीताल में रुक-रुक कर होती रही बारिश

नैनीताल। पहाड़ों पर एक सप्ताह के भीतर फिर से मौसम ने करवट बदली है। नगर में बीते सप्ताहांत के बाद गुरुवार को एक बार पुनः बारिश लौट आयी। इस बार बारिश की तीव्रता धीमी रही, इससे किसी तरह के नुकसान नहीं हुए, यह मानव स्वास्थ्य एवं खेती-बागवानी आदि के लिये हर तरह से लाभप्रद बतायी जा रही है।

नगर में रात्रि से ही बारिश का क्रम शुरू हो गया था, जो दोपहर बाद तक रुक-रुक कर जारी रही। इससे नगर में मौसम सर्द महसूस किया गया। हालांकि मौसम विभाग के अनुसार बीते 24 घंटों का अधिकतम तापमान 21 एवं न्यूनतम 10.3 डिग्री सेल्सियस रहा, जोकि सामान्य ही कहा जाएगा। सुबह आठ बजे तक 3 मिमी बारिश और 64 प्रतिशत आर्द्रता रिकॉर्ड की गयी।

आपदा प्रबंधन को लेकर मॉक अभ्यास का सफल आयोजन

■ प्राकृतिक आपदा सड़क दुर्घटना एवं वनाग्नि की घटनाओं पर विभिन्न एजेंसियों ने किया राहत-बचाव का अभ्यास

जन एक्सप्रेस । संवाददाता

नई टिहरी। जनपद में आपदा प्रबंधन की तैयारियों को परखने हेतु विभिन्न विभागों के मध्य समन्वय को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, के तत्वावधान में एक व्यापक मॉक अभ्यास का आयोजन किया गया। यह अभ्यास प्रातः 9ः30 बजे से दोपहर 12 बजे तक विभिन्न स्थानों पर निर्धारित परिदृश्यों के अनुसार संपन्न हुआ। मॉक अभ्यास के दौरान प्राकृतिक आपदा सड़क दुर्घटना एवं वनाग्नि जैसी संभावित आपदाओं को ध्यान में रखते हुए जनपद स्तर पर इंसीडेंट एरिया चिन्हित किए गए, जहां संबंधित विभागों द्वारा राहत एवं बचाव कार्यों का अभ्यास किया गया। इस दौरान पुलिस विभाग, स्वास्थ्य विभाग, अग्निशमन सेवा, एसडीआरएफ, लोक निर्माण विभाग, विद्युत विभाग, सहित अन्य आपदा प्रबंधन टीमों सहित अन्य आपातकालीन सेवाओं ने समन्वय के साथ त्वरित कार्यवाही करते हुए प्रभावितों के सुरक्षित रेस्क्यू, प्राथमिक उपचार, राहत एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का अभ्यास किया। अभ्यास के दौरान अधिकारियों द्वारा पूरी कार्यवाही का अवलोकन करते हुए विभिन्न विभागों के बीच समन्वय, त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता तथा संसाधनों के प्रभावी उपयोग का परीक्षण किया गया। साथ ही भविष्य में किसी भी वास्तविक आपदा की स्थिति में राहत एवं बचाव कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक सुझाव भी दिए गए।

जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी बृजेश भट् ने बताया कि मॉक अभ्यास के दौरान तहसील देवप्रयाग अंतर्गत हुई देवीय आपदा मॉक ड्रिल के दौरान 9:45 पर आपदा कंट्रोल रूम से वाहन दुर्घटना की सूचना मिलने के उपरांत सभी स्ट्राइक टीम (राजस्व, पुलिस, फायर, एसडीआरएफ, मेडिकल आदि) स्टेजिंग एरिया तहसील देवप्रयाग से राष्ट्रीय राजमार्ग 7 पर मूल्य गांव के समीप घटनास्थल की तरह रवाना हुई. पहुंचने पर दो घायल व्यक्तियों को प्राथमिक उपचार दिया गया तथा उसके बाद एंबुलेंस के द्वारा 10ः9 पर नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बागी भेज दिया गया, जहां उनका उपचार किया जा रहा है.10:20 पर पर सभी स्ट्राइक टीम वापस स्टेजिंग एरिया पर एकत्रित हुई. 10:35 am पर सभी टीम के साथ इंसिडेंट कमांडर द्वारा समन्वय बनाते कार्य लिया गया तथा इसके उपरांत 11:00 बजे पर उक्त मॉक ड्रिल को जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी से संवाद के पश्चात समाप्त कर दिया गया।

तहसील नरेंद्र नगर के अंतर्गत ह॥ ऋषिकेश चम्बा मार्ग पर बगड़ धार के समीप landslide होने से 01 वहां बोलेरो दबने वाला सडक मार्ग अवरुद्ध होने की सूचना थी..वहान मे 4 व्यक्ति सवार थे. जिसमे 2 मृतक व 2 घायल हुए. जिन्हे 2 एम्बुलेंसके माध्यम से उप जिला अस्पताल नरेंदरनगर ले जाया गया. सडक मार्ग को 2 मशीन द्वारा मार्ग को सुचारु किया गया। तहसील कंडिसौड के ग्राम कंडी के nh 34 चम्बा गोजमेर मार्ग के ऊपर जंगल की तरफ आग लगी है, जिसमें गौशाला में आग लगी जिसमें 1 पशु झुलसने, 1 पशु की मृत की सूचना प्राप्त हुई जिस पर पशु विभाग की टीम द्वारा घायल गाय का मौके पर ही पर उपचार किया गया।

सौरभ उनियाल बने ब्लॉक अध्यक्ष

जन एक्सप्रेस । संवाददाता

विकासनगर। उत्तराखंड क्रांति दल (उक्रांद) ने विकासनगर में संगठन को मजबूती देने की दिशा में अहम पहल की है। गुरुवार को डाकपत्थर रोड स्थित पार्टी के कैंप कार्यालय में आयोजित बैठक में नए पदाधिकारियों की नियुक्ति के साथ संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ नेता शैलेन्द्र गुलेरी ने की, जबकि संचालन केंद्रीय संगठन मंत्री मनोज कंडवाल ने किया। इस दौरान संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बैठक में सौरभ उनियाल को ब्लॉक अध्यक्ष और अरविन्द तोमर को नगर कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों का कार्यकर्ताओं ने स्वागत करते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

अपने संबोधन में शैलेन्द्र गुलेरी ने कहा कि वर्तमान समय में उक्रांद के प्रति जनता का समर्थन लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि दल प्रदेश की अस्मिता, स्वाभिमान और जनहित के मुद्दों पर हमेशा प्रतिबद्ध रहा है और अब जनता का विश्वास फिर से पार्टी की ओर मजबूत हो रहा है।

केंद्रीय संगठन मंत्री मनोज कंडवाल ने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर संगठन को सशक्त बनाने और सामूहिक प्रयासों से दल को विधानसभा तक पहुंचाने का आह्वान किया।

वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि अब जनता केवल वादों से संतुष्ट नहीं होगी, बल्कि पारदर्शिता और जवाबदेही चाहती है। वहीं नगर अध्यक्ष जयकृष्ण सेमवाल ने युवाओं को रोजगार और बुजुर्गों के सम्मान पर विशेष ध्यान देने की बात कही।

नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष सौरभ उनियाल और नगर कार्यकारी अध्यक्ष अरविन्द तोमर ने संगठन के प्रति पूर्ण निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का भरोसा दिलाया।

जिला महामंत्री मोहिनी नौटियाल ने दोनों पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विकासनगर विधानसभा क्षेत्र में संगठन को मजबूत करने की बड़ी जिम्मेदारी अब उनके कंधों पर है।

बैठक में नरेन्द्र कुकरेती, अनिल पंवार, मायाराम मंगाई, सुरेन्द्र सिंह बिष्ट, अमजद, सीमा कुकरेती, तुषार शर्मा, प्रभात पंवार सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

यह बैठक विकासनगर क्षेत्र में उक्रांद के लिए नई ऊर्जा और संगठनात्मक मजबूती का संकेत मानी जा रही है, जो आगामी राजनीतिक लक्ष्यों की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

शराब के विरोध में मुखर महिलाएं

गुप्तकाशी। केदार घाटी में अवैध शराब और शराबियों के विरोध में कई गांव की महिलाएं मुखर हो गई है। महिलाओं ने न केवल शादी, सगाई और अन्य धार्मिक कार्यों में शराब पर पाबंदी लगाई है , बल्कि शराब पीकर हुड़दंग मचाने वाले लोगों के विरुद्ध भी कार्य कर रही है । महिलाओं का कहना है कि जो व्यक्ति धार्मिक कार्यों में अपने घर में शराब परोसते हुए देखा जायेगा, उसके विरुद्ध 21 हजार का जुर्माना वसूला जाएगा ।

इसके साथ ही गांव की आम बैठक में व्यक्ति का बहिष्कार किया जाएगा ।

नगर पंचायत गुप्तकाशी के भैंसारी वार्ड में महिलाओं ने गुप्तकाशी से सेमी मोड तक रैली निकालकर अवैध शराब कारोबारी तथा शराबियों के विरुद्ध नारेबाजी की।

गायत्री तीर्थ शांतिकुंज पहुंचे हजारों साधक

जन एक्सप्रेस । चंद्रप्रकाश बहुगुणा

हरिद्वार। गायत्री तीर्थ शांतिकुंज में चैत्र नवरात्रि का मंगलारंभ नव संवत्सर के साथ आध्यात्मिक ऊर्जा के विशेष वातावरण में हुआ। भारतीय नववर्ष 'रौद्र संवत्सारंभ 2083' के प्रथम दिन चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के अवसर पर नौ दिवसीय चैत्र नवरात्रि अनुष्ठान का विधिवत शुभारंभ हुआ। हिमालय की गोद और पवित्र गंगा के तट पर स्थित शांतिकुंज में वेदमंत्रों की गूंज और साधना की दिव्य अनुभूति ने वातावरण को अत्यंत पवित्र बना दिया।

नवरात्रि का प्रथम दिन माँ दुर्गा के शैलपुत्री स्वरूप को समर्पित होता है, जो अटूट संकल्प, साधना और धैर्य का प्रतीक है। यह दिन साधकों को आत्म-परिष्कार और आंतरिक शुद्धि का संदेश देता है। शांतिकुंज में उपस्थित हजारों साधकों ने सद्बुद्धि की अधिष्ठात्री माता गायत्री का आह्वान करते हुए अपने जीवन से नकारात्मक प्रवृत्तियों के विकास के साथ गायत्र महानुष्ठान प्रारंभ किया। यह पर्व धार्मिक अनुष्ठान के साथ ही चेतना के नवजागरण और व्यक्तित्व के रूपांतरण का महापर्व है। साधना, जप और यज्ञ के माध्यम से व्यक्ति अपने भीतर की दुर्बलताओं को त्यागकर आत्मिक उन्नति की दिशा में अग्रसर होता है। इसी आधार पर 'मानव में देवत्व' और 'धरती पर स्वर्ग' जैसे उच्च आदर्शों को साकार करने की प्रेरणा मिलती है। नवरात्रि का विशेष महत्व इस कारण भी है कि इन दिनों की साधना सामान्य दिनों की अपेक्षा अधिक फलदायी मानी जाती है। देश-विदेश से आए साधक सामूहिक अनुष्ठान में सहभागी बनकर आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव कर रहे हैं। शांतिकुंज के एक वरिष्ठ आचार्य ने बताया यह अनुष्ठान युग निर्माण योजना के उद्देश्यों को जीवन में उतारने का अवसर है, जो व्यक्ति निर्माण से समाज निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

आस्था की अविरल धारा और सांस्कृतिक वैभव

जन एक्सप्रेस । चंद्रप्रकाश बहुगुणा

उत्तरकाशी। गंगा नदी भारत की सबसे पवित्र नदियों में से एक है, जिसका उद्गम उत्तराखंड के हिमालयी गौरव गंगोत्री से होता है। गोमुख की बर्फीली गुफाओं से निकलकर जब भागीरथी उत्तरकाशी के तटों पर पहुँचती है, तो यहाँ की फिजाओं में %हर-हर गंगे% और भगवान विश्वनाथ के जयघोष गूँजने लगते हैं। उत्तरकाशी के गंगा मंदिर मणिकर्णिका और पंजाब सिंध क्षेत्र जैसे प्राचीन घाटों पर होने वाली गंगा आरती केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि जल और जीवन के प्रति अगाध श्रद्धा का प्रतीक है।

उत्तरकाशी का प्रसिद्ध %माघ मेला% इस बात का जीवंत प्रमाण है कि गंगा यहाँ की सामाजिक और आर्थिक धुरी है। इस मेले में सुदूर गांवों से आने वाले लोग और कंडार देवता तथा अन्य देवी देवताओं की डोलियाँ जब गंगा स्नान करती हैं, तो यहाँ की पूरी संस्कृति इस पावन जलधारा में समाहित हो जाती है। यह नदी केवल एक जलस्रोत नहीं, बल्कि उत्तरकाशी के लोकगीतों, परंपराओं, स्थानीय मेलों और त्योहारों का प्राण है।

स्थानीय लोगों व तीर्थ यात्रियों के लिए गंगा %माँ% के समान एक जीवंत सत्ता है। यहाँ के जनमानस आज भी अपने पारंपरिक ज्ञान और लोक-परंपराओं के माध्यम से गंगा की शुचिता को सहेजने के लिए एक अदृश्य जन-आंदोलन चला रहे हैं। जैसा कि विज्ञान संचारक डॉ. शम्भू प्रसाद नौटियाल कहते हैं कि गंगा और हमारी संस्कृति का अटूट रिश्ता है। यदि हम अपनी इन जड़ों और प्रकृति के प्रति सम्मान को बनाए रखते हैं, तो भविष्य की समस्याओं का हल हमें इन पावन तटों पर ही मिल जाएगा। गंगोत्री की पवित्रता और उत्तरकाशी की आध्यात्मिकता हमें याद दिलाती है कि गंगा केवल हमारा अतीत नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक जीवंत और सुरक्षित विरासत है।

डॉ चिन्मय पण्ड्या ने केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री व शिक्षा मंत्री से की भेंट

जन एक्सप्रेस । चंद्रप्रकाश बहुगुणा

हरिद्वार। देवसंस्कृति विश्वविद्यालय शांतिकुंज के प्रतिकुलपति डॉ चिन्मय पण्ड्या ने अपने दिल्ली प्रवास के दौरान केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय एवं केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान से भेंट की।

इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री राय से राष्ट्र निर्माण में अनुशासन, युवाशक्ति एवं चरित्र निर्माण के महत्व पर चर्चा हुई। साथ ही विश्व मानवता दिवस के अवसर पर देव संस्कृति विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में केन्द्रीय शिक्षा मंत्री को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया। उन्होंने युवा पीढ़ी को संस्कारित बनाने हेतु विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

वहीं केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान और प्रतिकुलपति डॉ चिन्मय पण्ड्या के बीच युवा जागरण एवं युवाओं में नवाचार विकसित करने जैसे विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। उन्होंने शिक्षा मंत्री प्रधान को उन्हें जुलाई 2026 में देव संस्कृति विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाले ज्ञान दीक्षा समारोह के लिए मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया। धर्मेंद्र प्रधान ने बताया कि विगत तीन दशक से अधिक समय से गायत्री परिवार से घनिष्ठ संबंध है। भेंट के दौरान केन्द्रीय मंत्री नित्यानंद राय व धर्मेंद्र प्रधान को शिक्षा में भारतीयता, नैतिक मूल्यों एवं जीवनोपयोगी ज्ञान के समावेश पर विचार-विमर्श हुआ। इस अवसर पर डॉ. पंड्या ने उन्हें परमपूज्य गुरुदेव का युग साहित्य भेंट किया।

उत्तरकाशी में हिंदू नववर्ष पर निकली भव्य शोभायात्रा

जन एक्सप्रेस । संवाददाता

उत्तरकाशी। हिंदू नव वर्ष के पावन अवसर पर उत्तरकाशी नगर में आज भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। हनुमान मंदिर समिति के तत्वावधान में निकाली गई इस यात्रा में नगर के विभिन्न धार्मिक व सामाजिक संगठनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शोभायात्रा हनुमान मंदिर से प्रारंभ होकर भैरव चौक सहित नगर के प्रमुख मार्गों और मंदिरों से होते हुए निकली। ढोल-नगाड़ों और भक्ति गीतों के बीच जय श्रीराम और हिंदू नववर्ष मंगलमय हो के जयघोष से पूरा नगर भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया। हनुमान मंदिर समिति के व्यवस्थापक प्रेम सिंह पवार ने बताया कि यह शोभायात्रा कई वर्षों से निरंतर निकाली जा रही है और समय के साथ इसमें विभिन्न संगठनों की भागीदारी भी बढ़ती जा रही है। उन्होंने बताया कि नवरात्रि से लेकर हनुमान जयंती तक मंदिर में विविध धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जबकि हनुमान जयंती के दिन विशाल शोभायात्रा और हनुमान ध्वज कार्यक्रम भी आयोजित होगा। वहीं उत्तरकाशी मंदिर जिर्णोद्धार समिति के अध्यक्ष अजय प्रकाश बडोला ने कहा कि उत्तरकाशी एक धार्मिक नगरी है और यहां इस प्रकार के आयोजन लगातार होने चाहिए। उन्होंने कहा कि आज की शोभायात्रा में बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता इस क्षेत्र की धार्मिक आस्था को दर्शाती है। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद, दुर्गा वाहिनी, गायत्री परिवार, मातृशक्ति, गंगा आरती समिति, पंजाब सिंध क्षेत्र सहित कई संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यक्रम में विजय भट्ट, वीरेंद्र बत्रा, जिला व्यापार मंडल के नरेश शर्मा, बृजमोहन भट, शिव प्रसाद भट्ट, जय कृष्ण चंदोक, बिनोद रावत, राजेंद्र गगाड़ी, पंचम सिंह राणा, शम्भू प्रसाद भट्ट, पंडित शिवप्रसाद भट्ट, राजेंद्र उभान, दुर्गा वाहिनी की उषा भट्ट, अतुल भट्ट सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। शोभायात्रा के माध्यम से पूरे नगर में धार्मिक उत्साह और सामाजिक एकता का संदेश प्रसारित हुआ।

अपने बच्चों को बाहरी दुनिया में रहने के लिए ट्रेनिंग दें। क्योंकि चाहे चिड़ियों को उड़ना सिखाना नहीं पड़ता हो, फिर भी मां बच्चों को उड़ने की ट्रेनिंग दिया करती है। कभी अपने घर के आंगन में अपने बच्चों को उड़ना सिखाती चिड़िया को देखें तो आपको एहसास होगा कि उड़ने की कला उन्हें प्रकृति से मिली जरूर है, लेकिन कौशल उन्हें खुद ही हासिल करना होता है। देखें आप अपने बच्चे को कैसे आत्मविश्वासी और आत्म-निर्भर बना सकते हैं।

बच्चों को भविष्य के लिए इस तरह से करें तैयार

प्रवीर और मृदुल इत्तेफाक से रूममेट बन गए। मृदुल की मां कॉर्पोरेट सेक्टर में काम करती है, इसलिए उसका परिवेश एकदम ही अलग है। दूसरी और प्रवीर की मां सरकारी दफ्तर में काम करती है इसलिए उसका परिवेश मृदुल से कुछ अलग था। एक तरफ मृदुल हर तरह से आत्म-निर्भर और आत्मविश्वासी है तो दूसरी तरफ प्रवीर हर चीज को टालता रहता है। शुरुआत में दोनों को एक-दूसरे के साथ एडजस्ट होने में बहुत दिक्कतें पेश आईं। मृदुल क्या पहनना है से लेकर पिकनिक पर कहां जाना है और शाम को क्या सब्जी बनाने से लेकर बुक-शॉप से कौन-सी बुक खरीदनी है, जैसे सारे निर्णय स्वयं लेता है तो दूसरी तरफ प्रवीर को हर तरह का निर्णय लेने में दूसरों की जरूरत लगती है। वजह.स्पष्ट है-मृदुल को बचपन से ही निर्णय लेने के लिए प्रेरित भी किया और निर्णय लेने भी दिया गया। प्रवीर को हमेशा ही बच्चा कहा गया और हर उस अवसर से उसे दूर रखा गया, जहां विकल्पों में से चुनाव करना था। अक्सर हम बच्चों के बड़े होने के दौरान ही उन्हें निर्णय लेने की क्रिया से वंचित करते चलते हैं और फिर जब वे बड़े हो जाते हैं तब एकाएक उन्हें कहने लगते हैं कि अब बड़े हो गए हो, अपने निर्णय खुद ही करो। उस पर जब उनका निर्णय गलत सिद्ध होता है तब हम उन्हें ही दोष देने लगते हैं कि इतने बड़े हो गए, लेकिन अब तक यह समझ नहीं आया कि अपने लिए क्या सही है और क्या गलत है?

बच्चों को अपने पैरों पर खड़ा होने देना सिर्फ एक कहावत नहीं है, बल्कि उन्हें हर तरह से आने वाले जीवन और हकीकतों के सामने खड़े होने और लड़ने की कूव्वत देना है। इस मामले में एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि जब बच्चे घर से बाहर पढ़ने के लिए जाते हैं तब लड़कियां लड़कों की तुलना में जल्दी एडजस्ट कर लेती है। हो सकता है इसके सामाजिक कारण भी हो, लेकिन एक बात यह भी है कि बहुत सारे मामलों में लड़कियां ज्यादा लचीली होती है और दूसरे घर के छोटे-मोटे कामों में मां का हाथ बंटाते-बंटाते वह कब आत्मविश्वास पा लेती है, इसका उन्हें खुद भी ज्ञान नहीं होता है। अपने बच्चों को बाहरी दुनिया में रहने के लिए ट्रेनिंग दें। क्योंकि चाहे चिड़ियां को उड़ना सिखाना नहीं पड़ता हो, फिर भी मां बच्चों को उड़ने की ट्रेनिंग दिया करती है। कभी अपने घर के आंगन में अपने बच्चों को उड़ना सिखाती चिड़िया को देखें तो आपको एहसास होगा कि उड़ने की कला उन्हें प्रकृति से मिली जरूर है, लेकिन कौशल उन्हें खुद ही हासिल करना होता है। देखें आप अपने बच्चे को कैसे आत्मविश्वासी और आत्म-निर्भर बना सकते हैं।

उन्हें एक कोना दें

चाहे जो परिस्थिति हो, आप अपने बच्चे को एक ऐसा कोना जरूर उपलब्ध कराएं, जिसे वह स्वयं व्यवस्थित करें। याद करें स्कूलों में बच्चों को दिया जाना वाला लॉकर। इसी तरह एक ड्रॉवर या एक लॉकर उसे जरूर दें, जहां वह अपनी चीजें व्यवस्थित कर रख सकें। इससे उसमें जिम्मेदारी का भाव भी आएगा और निर्णय करने की क्षमता का विकास भी होगा। जब वह उसे अपनी तरह से व्यवस्थित कर पाएगा तो उसमें आत्मविश्वास भी आएगा।

छोटे-छोटे निर्णय करने दें

अपने बच्चे को छोटे-छोटे निर्णय स्वयं करने दें। जैसे अपने दोस्त की बर्थडे पार्टी में वह क्या पहन कर जाना चाहता है? या फिर डिनर के लिए जाते हुए वह किस तरह के कपड़े पहनना चाहता है? या रेस्टोरेंट में उसे स्वयं अपना ऑर्डर देने के लिए कहें। आइसक्रीम का कौन-सा फ्लेवर या किस तरह का पित्जा वह खाना चाहता है, इसका निर्णय उसे स्वयं करने दें।

अपने रिश्ते उसे ही निभाने दें

यदि उसके दोस्त का जन्मदिन है या वह अपने दोस्त को किसी खास मौके पर पार्टी देना चाहता है या गिफ्ट देना चाहता है तो उसे खुद ही निर्णय करने दें। यदि वह आपसे राय मांगे तो उसे सुझाव दें। उसके समक्ष विकल्प रखें, उसे निर्णय न सुनाएं। उससे पूछे कि उसके दोस्त की रूचि क्या करने में है? उसी हिसाब से वह उसे गिफ्ट दें, लेकिन यह न बताएं कि उसे क्या गिफ्ट दे!

घर के छोटे-छोटे काम करने के लिए कहें

भारतीय घरों में अक्सर घर के कामों को लड़कियों के हिस्से में माना जाता है। ऐसे में अक्सर हम लड़कों को इससे अलग रखते हैं। लेकिन अब चूंकि लड़कों को भी अलग-अलग वजहों से घर से बाहर जाना पड़ता है, इसलिए उन्हें भी घर के काम करना आना चाहिए। इससे घर से बाहर एडजस्ट करने में उन्हें असुविधा नहीं होगी। खासतौर पर चाय बनाना, नाश्ता बना पाना और हां अपने कपड़ों को खुद ही धोना अपने बच्चे को जरूर सिखाएं।

अपनी समस्याओं को उन्हें ही हल करने दें

भाई-बहनों के बीच के झगड़े हो या फिर दोस्तों के बीच हुए विवादबच्चे को अपनी समस्याओं से खुद ही लड़ने को कहें। स्कूल के एंन्यूएल फंक्शन में पार्टिसिपेशन के लिए डांस की तैयारी करनी हो या फिर कॉस्ट्यूम अरेंज करना हो, बच्चों को मार्गदर्शन तो दें, लेकिन उसका काम आप न करें।

इस तरह की छोटी-छोटी चीजें करके आप बच्चे को भविष्य के लिए तैयार कर सकते हैं। आखिर उसे आपके घर की छत से बाहर जाकर अपने लिए जमीन तलाशनी है और दुनिया बनानी है। अपनी छाया से अलग करके ही आप उसे विकसित होने का अवसर देंगी, ये न सिर्फ आपके लिए बल्कि स्वयं बच्चे के लिए भी अच्छा होगा।

बच्चे के पुराने खिलौने फेंके नहीं बल्कि ऐसे करें इस्तेमाल

अपने बच्चों के लिएही खिलौने चुनने में पेरेंट्स बहुत समय लगा देते हैं। आप जिस खिलौने को पसंद करने में घंटों लगा देते हैं, बच्चा उससे कुछ साल ही खेल पाता है और बड़ा होने पर वो खिलौने उसके किसी काम के नहीं रहते हैं। जब बच्चा खिलौनों से खेलना बंद कर देता है, तो पेरेंट्स के लिए इन्हें संभालकर रखना मुश्किल हो जाता है। उन्हें समझ नहीं आता है कि वो इन खिलौनों को कहां रखें या इनका क्या करें।

खिलौनों का क्या करें

अगर आपके बच्चे के ढेरों खिलौने अब बेकार पड़े हैं और घर में उनसे खेलने वाला कोई नहीं है, तो आप उल्हें दान कर सकते हैं। इस तरह से खिलौने उन बच्चों तक पहुंच पाएंगे, जिन्हें सच में इसकी जरूरत हो। आपकी इस कोशिश से किसी मासूम बच्चे के चेहरे पर मुस्कान आ सकती है। यहां हम आपको कुछ ऐसे तरीके और जगहें बता रहे हैं, जहां आप अपने बच्चों के खिलौनों को दान कर सकते हैं।

कैसे खिलौने कर सकते हैं दान

जो खिलौने अच्छी कंडीशन में हों और ज्यादा इस्तेमाल न किए गए हों, उन्हें दान के रूप में स्वीकार कर लिया जाता है। आप ब्लॉक्स, पजल्स, बोर्ड गेम, स्टफ्ड एनीमल, टॉय कार, क्राफ्ट किट, स्पोर्ट्स किट, एक्टिविटी बुक जैसे कई तरह के टॉएज दान कर सकते हैं। हालांकि, कई जगहों पर मुंह में लेने वाले खिलौने दान में नहीं लिए जाते हैं जैसे कि पैसिफायर और टीथर आदि। आप खिलौनों को दान करने से पहले कंफर्म कर लें कि उस जगह पर किस तरह के टॉएज लिए जाते हैं।

चैरिटी में

आप उन संस्थानों में खिलौनों को दान कर सकते हैं जो चैरिटी करती हों। ये संस्थाएं अनाथ बच्चों को ये खिलौने देती हैं। इसके अलावा इनके द्वारा गरीब परिवारों के बच्चों को भी खिलौने और जरूरी सामान दिए जाते हैं।

शेल्टर या आश्रय स्थल

वुमेन शेल्टर होम में भी आप खिलौनों को दान कर सकते हैं। इन जगहों पर बच्चों के पास बहुत कम चीजें और सुविधाएं होती हैं। ये लोग आपके गिफ्ट और खिलौनों को आसानी से ले लेंगे। आप इन्हें खिलौनों के अलावा कपड़े और टॉयलेटरीज भी दान कर सकते हैं। इसके अलावा और क्या-क्या दान कर सकते हैं, यह जानने के लिए आप सीधा शेल्टर होम में बात कर सकते हैं।

चिल्ड्रेन होम

आप अनाथ आश्रम में भी बच्चों के खिलौने दान कर सकते हैं। यहां हर उम्र के बच्चे होते हैं जिन्हें आपके खिलौने पसंद आ सकते हैं।

अस्पताल या धार्मिक केंद्र

कई अस्पताल भी बच्चों के खिलौने लेते हैं। यहां दाखिल होने वाले बच्चों को ट्रीटमेंट के दौरान खिलौनों से खेलने दिया जाता है। इसके अलावा आपके आसपास के धार्मिक केंद्रों में भी बच्चों के खिलौने लिए जा सकते हैं। आप मंदिर के बाहर बैठे बच्चों को खिलौने दे सकते हैं। इन बच्चों के पास बचपन की सबसे प्यारी चीज यानि खिलौनों के नाम पर कुछ नहीं होता है। ऐसे में आपकी छोटी सी मदद इनके चेहरे पर मुस्कान ला सकती है।

छोटी-सी तारीफ भी देती है बड़ी खुशी

कोई भी महिला तब और निखर उठती है, जब कोई उसकी खूबसूरती की तारीफ करने वाला हो। कोई उसकी छोटी-छोटी जरूरतों का खयाल रखने वाला हो। अगर वह अपने साथी के लिए कुछ करे तो वह उसे नोटिस करे। जब साथी इन बातों का खयाल रखता है तो दांपत्य जीवन खुशियों से महक उठता है।

आज सुबह से ही तन्वी का मन कुछ उदास था, न जाने किस सोच में गुम थी। पिछले काफी समय से सोच रही थी कि उसकी शादीशुदा जिंदगी में कुछ कमी-सी है लेकिन तभी मोबाइल पर आए एक मैसेज ने जिंदगी में छाई सारी निराशाओं को पल भर में मानो दूर भगा दिया और तन्वी के मन में एकाएक नई उमंगें तैरने लगीं। इसमें लिखा था-'कैसी हो स्वीटहार्ट' ? तुम्हारा दिन कैसा बीत रहा है?

यह मैसेज पढ़ते ही तन्वी का उदासी में डूबा दिन खुशनुमा हो उठा। उसके मन में शाम की कई प्लानिंग चलने लगीं। आईने में खुद को बार-बार निहारने लगी। वाकई में तन्वी जितनी खुश थी, उसकी चमक उसके चेहरे पर स्पष्ट दिखाई दे रही थी। उसके बाद ही तन्वी ने भी पूरी गर्मजोशी से मैसेज का जवाब भी दिया और उसके खुश रहने के साथ पूरे घर का माहौल खुशनुमा हो गया।

क्या चाहती हैं महिलाएं

अक्सर पुरुष सोचते हैं कि स्त्रियों को खुश करना बड़ा मुश्किल है, लेकिन वे नहीं जानते कि उनकी जीवनसंगिनी खुश होने के लिए बेशकीमती तोहफा नहीं चाहती, उसे तो प्यार से दी गई एक कैंडी भी खुश कर सकती है। लंबे से मेल के बजाय प्यार में डूबी छोटी-सी पंक्ति भी जीवनसाथी को प्रसन्ना कर सकती है। बस, इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

बस थोड़ी-सी केयर

सचाई यह है कि करियर में कोई स्त्री कितनी भी कामयाब क्यों न हो जाए, उसे सबसे बड़ी खुशी तब मिलती है, जब उसका साथी उसकी छोटी-छोटी ख्वाहिशों को समझता हो, उनका खयाल रखता हो। दरअसल, ऐसा करते हुए वह यह जता देता है कि वह उसके लिए कितनी खास है। महिलाएं हमेशा से चाहती हैं कि उनका साथी कार में पहले खुद बैठने की बजाय उनके लिए कार का दरवाजा खोले। ये चाहत इसलिए नहीं है कि वह यह काम खुद नहीं कर सकती या फिर शारीरिक रूप से कमजोर हैं, वह सिर्फ अपने पार्टनर से एक स्नेह भरे रिश्ते की अपेक्षा रखती हैं। प्रकृति ने पुरुष को फिजिकली मजबूत बनाया है। वह मेहनत करता है, परिवार चलाता है। स्त्री उसका खयाल रखती है। आदिकाल से ऐसा ही होता रहा है लेकिन समय के साथ इसमें बदलाव भी आया है। अब स्त्रियां घर-ऑफिस साथ संभाल रही हैं। पुरुष उनकी मेहनत की कद्र करता है, लेकिन कहीं न कहीं वह इसका इजहार करने से चूक जाता है।

माथे पर बढ़ रही लकीरों को हटाएंगे ये होममेड मास्क

बिजी लाइफ के दौरान त्वचा का ख्याल नहीं रख पाते हैं। लेकिन जब कहीं जाना होता है तब हमें अपनी स्किन का ख्याल आता है, पर उस वक्त कोई उपाय नहीं सूझता है और बेकार मूड से फंक्शन में जाना पड़ता है। कोई बात नहीं अब भी केयर कर सकते हैं। तो आइए जानते हैं कैसे माथे पर आ रही चिंता की लकीरों को हटाए कुछ ही दिनों में।

गाजर और अंडे का पैक

गाजर में मौजूद तत्व बीटा कैरोटीन, आयोडीन झुर्रियों को कम करने में मदद करते हैं। साथ ही अंडे में भी पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो त्वचा में कसावट पैदा करते हैं। गाजर को मिक्सी में किस लें और एग व्हाइट को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद चेहरे पर चेहरे पर लगा लें। 20 मिनट बाद चेहरे को नॉर्मल पानी से धो लें। हफ्ते में कम से कम दो बार इस पैक का जरूर इस्तेमाल करें।

ऑलिव ऑयल और शहद

माथें पर उभरने वाले लकीरे आपकी खूबसूरती कम कर देती है। लेकिन 1 चम्मच शहद और 1 चम्मच ऑलिव ऑयल लें। दोनों को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद रात को सोने सेपहले सिर पर लगा लें।सुबह उठकर मुंह को धो लें। हफ्ते में 2 या 3 बार ऐसा करें। कुछ ही दिन में आराम मिल जाएगा।

कोको पाउडर और ऑलिव ऑयल

माथे पर दिखती लकीरे आपको बहुत जल्दी शर्मिंदा करा देती हैं। लेकिन अब नहीं होना पड़ेगा। 1 चम्मच कोको पाउडर और 1 चम्मच ऑलिव ऑयल लें। दानों को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद चेहरे पर 20 मिनट के लिए लगा लें। फिर नॉर्मल पानी से धो लें। कुछ ही दिन में आराम मिल जाएगा।

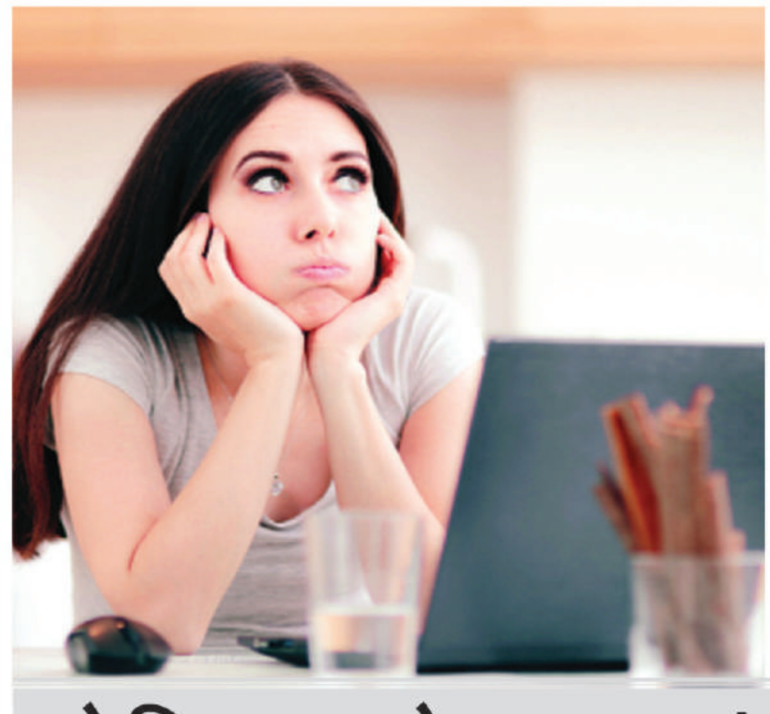

बोरियत को न बनाएं अपनी आदत!

सारा काम खत्म हो गया, डिनर के लिए बाहर जाने का मन नहीं है, इस सप्ताह कोई अच्छी फिल्म भी रिलीज नहीं हुई, समझ नहीं आ रहा क्या करें, कहां जाएं? आपको भी अपने आसपास अक्सर ऐसी बातें सुनने को मिलती होंगी। ऐसा सोचने या कहने का सीधा मतलब यही है कि व्यक्ति अपनी वर्तमान मनस्थिति से खुश ही है और इसी वजह से उसे बोरियत महसूस हो रही है।

समस्या की जड़ें

जब कभी जीवन में ठहराव आने लगता है तो इससे बोरियत पैदा होती है। आज की तेज रफ्तार जिंदगी ने इंसान को काफी हद तक वर्कोहॉलिक बना दिया है। अब लोग दिन-रात मशीन की तरह काम में जुटे रहते हैं। जैसे ही उनका कार्य पूरा हो जाता है, उन्हें खालीपन महसूस होने लगता है। आज लोगों के सामने मनोरंजन के विकल्पों का अंबार है, फिर भी वे बोरियत से परेशान रहते हैं। सीमित साधनों के बीच संतुष्ट और खुश रहना आसान है, लेकिन ढेर सारे विकल्प हमें केवल भ्रमित करते हैं और अंततः इनकी वजह से बोरियत पैदा होने लगती है।

बोर होते बच्चे

आजकल बच्चों को भी बहुत जल्दी बोरियत महसूस होती है। पुराने समय में बच्चे एक ही खिलौने से महीनों तक खेलते थे, पर आज के बच्चे दो ही दिनों के बाद अपने लिए नए खिलौने की मांग करने लगते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि अब पैरेंट्स के पास बच्चों के लिए समय नहीं है। इस समस्या से बचने के लिए वे छोटी उम्र से ही बच्चों को उनकी मनमर्जी का काम करने की छूट दे देते हैं। ऐसी स्थिति में बच्चों की फ्रस्ट्रेशन टॉलरेंस खत्म हो रही है। अगर माहौल उनकी पसंद के प्रतिकूल हो तो वे पांच मिनट में ही ऊबने लगते हैं। कभी-कभी बोरियत होना स्वाभाविक है, लेकिन जब यह स्थायी मनोदशा बन जाए तो चिंताजनक है। बोरियत नकारात्मक विचारों की जड़ है। इससे व्यवहार में चिड़चिड़ापन आने लगता है। कार्यक्षमता और रिश्तों पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसकी वजह से व्यक्ति को डिप्रेशन भी हो सकता है।

कैसे करें बचाव

खुद को बोरियत से बचाने के लिए जीवन में संतुलन बेहद जरूरी है। जिस तरह वर्कोहॉलिक होना नुकसानदेह है, उसी तरह ज्यादा आरामतलबी और मनोरंजन की अधिकता भी व्यक्ति को बहुत जल्दी बोर कर देती है। इन दोनों स्थितियों से बचते हुए दिनचर्या में संतुलन बनाए रखना चाहिए। जिस तरह शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिए आप एक्सरसाइज करते हैं या जिम जाते हैं। ठीक उसी तरह दिमागी सेहत का भी ध्यान रखना बेहद जरूरी है। इसके लिए फुर्सत के पलों में टीवी देखने के बजाय कोई अच्छी किताब पढ़ें, अपने करीबी लोगों से बातचीत करें या बागवानी करें। कोई भी ऐसी गतिविधि, जिसमें व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक ऊर्जा खर्च होती हो, वह उसे बोरियत से बचाती है। ऐसी समस्या से बचने के लिए सहनशीलता बहुत जरूरी है।

जन एक्सप्रेस

सम्पादकीय

एक ध्वज, अनंत अर्थ

गुड़ी पड़वा का जीवन और ब्रह्मांड दर्शन

गुड़ी पड़वा के पारंपरिक व्यंजन केवल भोजन नहीं, बल्कि जीवन के संतुलन का संदेश हैं। कड़ुनिंब की कड़वाहट और मिठास का संगम यह सिखाता है कि जीवन के हर अनुभव का अपना महत्व है। पूरनपोली, श्रीखंड और अन्य पकवानों की सुगंध घर-आंगन में आनंद घोल देती है। यह पाक परंपरा केवल स्वाद की तृप्ति नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, संस्कृति और प्रकृति के संतुलन का प्रतीक है, जो हमें ऋतु के अनुरूप जीवन जीने की प्रेरणा देती है। जब समाज एक साथ उल्लास में खिल उठता है, तब गुड़ी पड़वा अपनी पूर्णता को प्राप्त करता है। यह पर्व केवल घर तक सीमित नहीं, बल्कि गलियों, बाजारों और समुदायों में जीवंत हो उठता है। नृत्य, गीत, जुलूस और पारंपरिक वेशभूषा इस दिन को रंग और उत्साह से भर देते हैं।

जब नई शुरुआत की पहली आहट समय के द्वार पर दस्तक देती है और प्रकृति मुस्कुराकर नवजीवन का स्वागत करती है, तब चैत्र शुक्ल प्रतिपदा का पावन प्रभात एक अलौकिक आभा लेकर अवतरित होता है। यह केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि जीवन में नए सृजन, नई आशा और नए उत्साह का उज्ज्वल आरंभ है–जिसे हम गुड़ी पड़वा के रूप में मनाते हैं। स्वर्णिम किरणों के साथ जब यह दिन धरती को आलोकित करता है, तब हर आंगन में आशा की ध्वजा फहराती है और हर हृदय में नववर्ष का उत्साह उमड़ पड़ता है। यह उत्सव समय के चक्र में वह पवित्र बिंदु है, जहां अतीत का अनुभव और भविष्य की संभावनाएं एक साथ मुस्कुराती हैं। जब इतिहास, आस्था और सृष्टि की स्मृतियां एक साथ जाग उठती हैं, तब गुड़ी पड़वा का असली महत्व सामने आता है। यह केवल परंपरा नहीं, बल्कि उस दिव्य क्षण की याद है जब ब्रह्मा ने सृष्टि की रचना की। यह दिन धर्म की विजय का प्रतीक है, जहां सत्य ने असत्य पर अपनी अमिट छाप छोड़ी। श्रीराम का अयोध्या आगमन हो या छत्रपति शिवाजी महाराज का स्वराज्य–हर गाथा इस दिन जीवंत हो उठती है। शालिवाहन की विजय इसे नवसंवत्सर का आधार बनाती है और यह संदेश देती है कि हर संघर्ष का अंत विजय में ही होता है। यह संगम गुड़ी पड़वा को अमर परंपरा और साहस, विश्वास की ज्योति बनाता है। जब प्रकृति स्वयं नवजीवन के उत्सव में डूब जाती है, तब इस दिन का खगोलीय और प्राकृतिक महत्व और भी स्पष्ट हो जाता है। वसंत का पूर्ण जागरण, सूर्य की कोमल ऊष्मा और खेतों में लहराती सुनहरी फसलें इस बात की साक्षी हैं कि धरती नई ऊर्जा से भर उठी है। रबी फसलों की कटाई और नई बुआई की तैयारी इस पर्व को किसान के जीवन से गहराई से जोड़ती है। यह दिन सहज ही यह संदेश देता है कि परिवर्तन ही जीवन का शाश्वत सत्य है, और हर अंत अपने भीतर एक नए आरंभ की संभावना संजोए होता है। इसी कारण गुड़ी पड़वा केवल धार्मिक उत्सव नहीं रहता, बल्कि यह प्रकृति, विज्ञान और जीवनदर्शन का अद्भुत संगम बन जाता है। गुड़ी पड़वा का सबसे जीवंत रूप गुड़ी की स्थापना में दिखाई देता है, जो विजय और समृद्धि का प्रतीक है। ऊंचे बांस पर सजे रेशमी वस्त्र, कडुनिंब की पत्तियां, आम के तोरण, पुष्पमालाएं और शीर्ष पर तांबे का कलश–सब मिलकर एक दिव्य ध्वज बनाते हैं। यह सिर्फ सजावट नहीं, बल्कि आशा, एकता और अडिग विश्वास का संकल्प है। जब यह ध्वज पूर्व दिशा में लहराता है, तो ऐसा लगता है मानो सूर्य स्वयं इसकी आभा को नमन कर रहा हो। हर झोंका इसमें संदेश भर देता है–ऊपर उठो, आगे बढ़ो और हर परिस्थिति में विजय पाओ। जब श्रद्धा और उत्साह घर की चौखट पर उतरते हैं, तब गुड़ी पड़वा के अनुष्ठान पूर्ण रूप में जीवंत हो उठते हैं। प्रातः स्नान के बाद परिवार मिलकर गुड़ी की स्थापना करता है, जो केवल परंपरा नहीं, बल्कि सामूहिक आस्था और आनंद का उत्सव बन जाती है। रंगोली, तोरण और नए वस्त्रों में सजे चेहरे घर को दिव्य आभा से भर देते हैं। मंत्रों की गूंज, दीपशिखा की उज्ज्वल लौ और धूप की सुगंध इस अनुष्ठान को सिर्फ पूजा नहीं, बल्कि आत्मा की शुद्धि और जीवन में मंगल की कामना का शक्तिशाली माध्यम बना देती हैं।

एक्सप्रेस आलेख

चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से नवरात्रि की शुरुआत होती है और इस बार नवरात्रि पर्व की शुरूआत 19 मार्च से हो रही है, जिसका समापन 27 मार्च को होगा। प्रतिपदा से शुरू होकर नवमी तक चलने वाले नवरात्र नवशक्तियों से युक्त हैं और हर शक्ति का अपना-अपना अलग महत्व है। नवरात्र के पहले स्वरूप में मां दुर्गा पर्वतराज हिमालय की पुत्री पार्वती के रूप में विराजमान हैं। नंदी नामक वृषभ पर सवार शैलपुत्री के दाहिने हाथ में त्रिशूल और बाएं हाथ में कमल का पुष्प है। शैलराज हिमालय की कन्या होने के कारण इन्हें शैलपुत्री कहा गया। इन्हें समस्त वन्य जीव-जंतुओं की रक्षक माना जाता है।

नवरात्रि : आंतरिक ऊर्जा और आध्यात्मिक उत्थान का पर्व

योगेश कुमार गोयल

नवरात्रि केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि आत्मशक्ति के जागरण का पर्व है, जो हमें संयम, साहस, तप और सदाचार का संदेश देता है। मां दुर्गा के ये नौ स्वरूप जीवन के नौ आयामों को प्रकाशित करते हैं और हमें अज्ञान से ज्ञान, भय से निर्भयता तथा दुर्बलता से सामर्थ्य की ओर ले जाते हैं। इस पावन पर्व पर प्रत्येक साधक अपने भीतर की शक्ति को पहचानकर जीवन को सकारात्मक दिशा देने का संकल्प ले सकता है।

नवरात्रि महापर्व का भारतीय समाज में विशेष महत्व है, जो आदि शक्ति दुर्गा की पूजा का पावन पर्व है। नवरात्रि के नौ दिन देवी दुर्गा के विभिन्न नौ स्वरूपों की उपासना के लिए निर्धारित हैं और इसीलिए नवरात्रि को नौ शक्तियों के मिलन का पर्व भी कहा जाता है। चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से नवरात्रि की शुरुआत होती है और इस बार नवरात्रि पर्व की शुरूआत 19 मार्च से हो रही है, जिसका समापन 27 मार्च को होगा। प्रतिपदा से शुरू होकर नवमी तक चलने वाले नवरात्र नवशक्तियों से युक्त हैं और हर शक्ति का अपना-अपना अलग महत्व है। नवरात्र के पहले स्वरूप में मां दुर्गा पर्वतराज हिमालय की पुत्री पार्वती के रूप में विराजमान हैं। नंदी नामक वृषभ पर सवार शैलपुत्री के दाहिने हाथ में त्रिशूल और बाएं हाथ में कमल का पुष्प है। शैलराज हिमालय की कन्या होने के कारण इन्हें शैलपुत्री कहा गया। इन्हें समस्त वन्य जीव-जंतुओं की रक्षक माना जाता है। दुर्गम स्थलों पर स्थित बस्तियों में सबसे पहले शैलपुत्री के मंदिर की स्थापना इसीलिए की जाती है कि वह स्थान सुरक्षित रह सके। मां दुर्गा के दूसरे स्वरूप 'ब्रह्मचारिणी' को समस्त विद्याओं की ज्ञाता माना गया है। माना जाता है कि इनकी आराधना से अनंत फल की प्राप्ति और तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार, संयम जैसे गुणों की वृद्धि होती है। 'ब्रह्मचारिणी' अर्थात् तप की चारिणी यानी तप का आचरण करने वाली। ब्रह्मचारिणी श्वेत वस्त्र पहने दाएं हाथ में अष्टदल की माला और बाएं हाथ में कमंडल लिए सुशोभित है। कहा जाता है कि देवी ब्रह्मचारिणी अपने पूर्व जन्म में पार्वती स्वरूप में थीं। वह भगवान शिव को पाने के लिए 1000 साल तक सिर्फ फल खाकर रहीं और 3000 साल तक शिव की तपस्या सिर्फ पेड़ों से गिरी पत्तियां खाकर की। इसी कड़ी तपस्या के कारण उन्हें ब्रह्मचारिणी कहा गया। मां दुर्गा का तीसरा स्वरूप है चंद्रघंटा। शक्ति के रूप में विराजमान मां चंद्रघंटा मस्तक पर घंटे के आकार का आधा चंद्रमा है। देवी का यह तीसरा स्वरूप भक्तों का कल्याण करता है। इन्हें ज्ञान की देवी भी माना गया है। बाघ पर सवार मां चंद्रघंटा के चारों तरफ अद्भुत तेज है। इनके शरीर का रंग स्वर्ण के समान चमकीला है। यह तीन नेत्रों और दस हाथों वाली हैं। इनके दस हाथों में कमल, धनुष-बाण, कमंडल, तलवार, त्रिशूल और गदा जैसे अस्त्र-शस्त्र हैं। कंठ में सफेद पुष्पों की माला और शीष पर रत्नजड़ित मुकुट विराजमान हैं। यह साधकों को चिरायु, आरोग्य, सुखी और सम्पन्न होने का वरदान देती हैं। कहा जाता है कि यह हर समय दुष्टों का संहार करने के लिए तत्पर रहती हैं और युद्ध से पहले उनके घंटे की आवाज ही राक्षसों को भयभीत करने के लिए काफी होती है। चतुर्थ स्वरूप है कुष्मांडा। देवी कुष्मांडा भक्तों को रोग, शोक और विनाश से मुक्त करके आयु, यश, बल और बुद्धि प्रदान करती हैं। यह बाघ की सवारी करती हुई अष्टभुजाधारी, मस्तक पर रत्नजड़ित स्वर्ण मुकुट पहने उज्जवल स्वरूप

'ब्रह्मचारिणी' अर्थात् तप की चारिणी यानी तप का आचरण करने वाली। ब्रह्मचारिणी श्वेत वस्त्र पहने दाएं हाथ में अष्टदल की माला और बाएं हाथ में कमंडल लिए सुशोभित है। कहा जाता है कि देवी ब्रह्मचारिणी अपने पूर्व जन्म में पार्वती स्वरूप में थीं।

वाली दुर्गा हैं। इन्होंने अपने हाथों में कमंडल, कलश, कमल, सुदर्शन चक्र, गदा, धनुष, बाण और अक्षमाला धारण की हैं। अपनी मंद मुस्कान से ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण इनका नाम कुष्मांडा पड़ा। कहा जाता है कि जब दुनिया नहीं थी तो चारों तरफ सिर्फ अंधकार था। ऐसे में देवी ने अपनी हल्की-सी हंसी से ब्रह्मांड की उत्पत्ति की। वह सूरज के घेरे में रहती हैं। सिर्फ उन्हीं के अंदर इतनी शक्ति है, जो सूरज की तपिश को सहन कर सकें। मान्यता है कि वही जीवन की शक्ति प्रदान करती हैं। दुर्गा का पांचवां स्वरूप है स्कन्दमाता। भगवान स्कन्द (कार्तिकेय) की माता होने के कारण देवी के इस स्वरूप को स्कन्दमाता के नाम से जाना जाता है। यह कमल के आसन पर विराजमान हैं, इसलिए इन्हें पद्मासन देवी भी कहा जाता है। इनका वाहन भी सिंह है। इन्हें कल्याणकारी शक्ति की अधिष्ठात्री कहा जाता है। यह दोनों हाथों में कमलदल लिए हुए और एक हाथ से अपनी गोद में ब्रह्मस्वरूप सनतकुमार को थामे हुए हैं। स्कन्द माता की गोद में उन्हीं का सूक्ष्म रूप छह सिर वाली देवी का है। दुर्गा मां का छठा स्वरूप है कात्यायनी। यह दुर्गा देवताओं और ऋषियों के कार्यों को सिद्ध करने लिए महर्षि कात्यायन के आश्रम में प्रकट हुई। उनकी पुत्री होने के कारण ही इनका नाम कात्यायनी पड़ा। देवी कात्यायनी दानवों व पापियों का नाश करने वाली हैं। वैदिक युग में ये ऋषि-मुनियों को कष्ट देने वाले दानवों को अपने तेज से ही नष्ट कर देती थीं। यह सिंह पर सवार, चार भुजाओं वाली और सुसज्जित आभा मंडल वाली देवी हैं। इनके बाएं हाथ में कमल और तलवार व दाएं हाथ में स्वस्तिक और आशीर्वाद की मुद्रा है। दुर्गा का सातवां स्वरूप कालरात्रि है, जो देखने में भयानक है लेकिन सदैव शुभ फल देने वाला होता है। इन्हें 'शुभंकारी' भी कहा जाता है। 'कालरात्रि' केवल शत्रु एवं दुष्टों का संहार करती हैं। यह काले रंग-रूप वाली, केशों को फैलाकर रखने वाली और चार भुजाओं वाली दुर्गा हैं। यह वर्ण और वेश में अर्द्धनारीश्वर शिव की तांडव मुद्रा में नजर आती हैं। इनकी आंखों से अग्नि की वर्षा होती है। एक हाथ से शत्रुओं की गर्दन पकड़कर दूसरे हाथ में खड्ग-तलवार से उनका नाश करने वाली कालरात्रि विकट रूप में विराजमान हैं। इनकी सवारी गधा है, जो समस्त जीव-जंतुओं में सबसे अधिक परिश्रमी माना गया है। नवरात्र के आठवें दिन दुर्गा के आठवें रूप महागौरी की उपासना की जाती है। देवी ने कठिन तपस्या करके गौर वर्ण प्राप्त किया था। कहा जाता है कि उत्पत्ति के समय 8 वर्ष की आयु की होने के कारण नवरात्र के आठवें दिन इनकी पूजा की जाती है। भक्तों के लिए यह अन्नपूर्णा स्वरूप हैं, इसलिए अष्टमी के दिन कन्याओं के पूजन का विधान है। यह धन, वैभव और सुख-शांति की अधिष्ठात्री देवी हैं। इनका स्वरूप उज्जवल, कोमल, श्वेतवर्णा तथा श्वेत वस्त्रधारी है। यह एक हाथ में त्रिशूल और दूसरे में डमरू लिए हुए हैं। गायन और संगीत से प्रसन्न होने वाली 'महागौरी' सफेद वृषभ यानी बैल पर सवार हैं। नवीं शक्ति 'सिद्धिदात्री' सभी सिद्धियां प्रदान करने वाली हैं, जिनकी उपासना से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। कमल के आसन पर विराजमान देवी हाथों में कमल, शंख, गदा, सुदर्शन चक्र धारण किए हैं। सिद्धिदात्री देवी सरस्वती का भी स्वरूप हैं, जो श्वेत वस्त्रालंकार से युक्त महाज्ञान और मधुर स्वर से भक्तों को सम्मोहित करती हैं। नवरात्रि केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि आत्मशक्ति के जागरण का पर्व है, जो हमें संयम, साहस, तप और सदाचार का संदेश देता है। मां दुर्गा के ये नौ स्वरूप जीवन के नौ आयामों को प्रकाशित करते हैं और हमें अज्ञान से ज्ञान, भय से निर्भयता तथा दुर्बलता से सामर्थ्य की ओर ले जाते हैं। इस पावन पर्व पर प्रत्येक साधक अपने भीतर की शक्ति को पहचानकर जीवन को सकारात्मक दिशा देने का संकल्प ले सकता है।

आज का पंचांग

किसी भी शुभ कार्य को करने के लिए सही मुहूर्त, सही समय, और सही नक्षत्र का होना जरूरी होता है, आज हम आपको आज के दिन का सही समय जो की सही कार्य करने का है, और आज कब कौन सी दशा कौन से टाइम में चल रही है उसका समुचित विवरण हिन्दू कैलेंडर और हिन्दू पंचांग के अनुसार दे रहे है, आज आपका दिन मंगलमयी रहे, यही शुभकामना है। आज का दिन शुभ कार्य के लिए सही कार्य है या नहीं आज के चौघड़िया के अनुसार जानें। अगर आप आज वाहन खरीदने का विचार कर रहे हैं या आज कोई नया व्यापार आरंभ करने जा रहे हैं, गृह प्रवेश कर रहे हैं, गृह निर्माण कर रहे है, प्रॉपर्टी खरीद रहे हैं, या कोई अन्य शुभ कार्य करने के लिए सोच रहे है तो पहले यहाँ सही समय देख लें, आपका कार्य शुभ और सफल होगा, यही हमारी ओर से शुभ मंगल कामना है।

तिथिः	द्वितीया 02:31 तक
नक्षत्रः	रेवती 02:27 तक
पक्षः	कृष्ण
वारः	शुक्रवार
योगः	ब्रह्म, 10:14
सूर्योदयः	06:34
सूर्यास्तः	18:34
चंद्रमाः	मीन राशि में
राहुकालः	11:04-12:34
विक्रमी संवत्:	2083
शक सम्वतः	1947
मासः	चैत्र
शुभ मुहूर्तः	12:10-12:58

जन एक्सप्रेस

शुद्ध ताजे अंडे !

खाते अगर अंडे हैं तो ।
खबर निकल कर आई ।।
नियम नया है बन गया ।
इसी में भलाई ।?।
आपके अब अंडे पर ।
लिखा होगा डेट ।।
एक्सपायरी डेट को ।
है रखना अपडेट ।।
शुद्ध ताजे अण्डे ।
है देना अनिवार्य ।।
सेहत से खिलवाड़ अब ।
ना होगी स्वीकार्य ।।
फ्रेश दिया ना अण्डे तो ।
कार्रवाई तय ।।
फैसला सरकार का ।
ले आओ अब लय ।?

- कृष्णेन्द्र राय

एक्सप्रेस स्वास्थ्य

कच्ची हल्दी बनाम हल्दी पाउडर? स्किन के लिए क्या है बेहतर

भारतीय रसोई में हल्दी का इस्तेमाल ज्यादातर खाने में किया जाता है। आयुर्वेद में भी हल्दी को एक महत्वपूर्ण औषधि मानी जाती है। हल्दी का इस्तेमाल सदियों से हेल्थ को बेहतर रखने और स्किन को हेल्दी रखने के लिए किया जाता रहा है। स्किन केयर में हल्दी का इस्तेमाल खासतौर पर किया जाता है। हल्दी में नेचुरल एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-ऑक्सीडेंट गुण होते हैं। हालांकि, अक्सर लोगों के मन में यह सवाल होता है कि स्किन के लिए कच्ची हल्दी या हल्दी पाउडर किसका इस्तेमाल करना ज्यादा फायदेमंद माना जाता है।

कच्ची हल्दी के फायदे: आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. किरण गुप्ता का कहना है कि, कच्ची हल्दी को पीसकर या घिसकर स्किन पर लगाया जाता है। इसमें किसी भी तरह की प्रोसेसिंग नहीं होती है, इसलिए इसके पोषक तत्व ज्यादा प्रभावी माने जाते हैं। कच्ची हल्दी पूरी तरह नेचुरल होती है और इसमें मिलावट की संभावना बहुत कम होती है। इसलिए, यह स्किन के लिए सुरक्षित मानी जाती है। ताजी हल्दी में एंटी-ऑक्सीडेंट की मात्रा ज्यादा होती है, जो स्किन को फ्री रेडिकल्स से बचाने में मदद करती है। इससे स्किन

लंबे समय तक जवां और हेल्दी रहती है। कच्ची हल्दी में एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं, जो स्किन पर मौजूद बैक्टीरिया को खत्म करने में मदद करते हैं, जिससे पिंपल्स और एक्ने की समस्या कम हो सकती है। नियमित रूप से कच्ची हल्दी का इस्तेमाल फेस पैक के रूप में करने से स्किन की रंगत में सुधार होता है और स्किन ग्लो करता है।

हल्दी पाउडर के फायदे: आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. किरण गुप्ता ने बताया कि हल्दी पाउडर सूखी हल्दी को पीसकर बनाया जाता है और यह बाजार में आसानी से मिल जाता है, जिसका इस्तेमाल स्किन पर करना बहुत आसान होता है। हल्दी पाउडर को सीधे फेस पैक या उबटन में मिलाकर स्किन पर इस्तेमाल किया जा सकता है, जो समय बचाने का एक बेहतरीन विकल्प है। कच्ची हल्दी जल्दी खराब हो सकती है, जबकि हल्दी पाउडर लंबे समय तक स्टोर कर सकते हैं। दही, बेसन या दूध के साथ हल्दी पाउडर मिलाकर फेस पैक बनाया जाता है, जो स्किन को साफ और मुलायम बनाने में मदद करता है।

त्वचा के लिए कौन बेहतर है?: आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. किरण गुप्ता के अनुसार शुद्धता और पोषक तत्वों की बात करें तो कच्ची हल्दी स्किन के लिए थोड़ी ज्यादा प्रभावी मानी जाती है। इसे प्रोसेसिंग नहीं की जाती है, इसलिए इसके नेचुरल गुण पूरी तरह सुरक्षित माने जाते हैं। वहीं, दूसरी ओर अगर सुविधा और आसान इस्तेमाल की बात करें तो हल्दी पाउडर बेहतर विकल्प हो सकता है। बस ध्यान रहें कि आप शुद्ध और अच्छे ब्रांड के हल्दी पाउडर ही चुनें। रिसर्च के अनुसार हल्दी में मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटी-माइक्रोबियल और एंटी-ऑक्सीडेंट गुण स्किन की अलग-अलग समस्याओं जैसे एक्ने, सोरायसिस और फोटो-एजिंग के इलाज में काफी प्रभावी माना जाता है।

हल्दी इस्तेमाल करते समय किन बातों का ध्यान रखें?: आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. किरण गुप्ता के मुताबिक, हल्दी का इस्तेमाल करते समय जरूरी है कि आप इन बातों का ध्यान रखें हल्दी का उपयोग करने से पहले पैच टेस्ट जरूर कर लें।

एक्सप्रेस विशेष

नवरात्रि मतलब नौदिवसीय अन्तर्मन की यात्रा

रमा निवास तिवारी

बालिकाओं को माता के रुपों में देखने की दृष्टि भी नवरात्रि के पर्व पर समाज को मिलती है। दुर्गा पूजा के बहाने ही सही नारी सम्मान की अवधारणा की एक लकीर भी स्वत: खिंचती दिखाई देती है। दुर्गा पूजा समाज को नारी शक्ति का एहसास भी कराती है।

नवरात्रि पर्व केवल आध्यात्मिक अर्थों में ही सीमित नही रह जाता बल्कि सामाजिक स्तर पर वह व्यक्ति व्यक्ति के अन्तर्मन की नौदिवसीय यात्रा है जिसमें उसके जीवन की मलिनता का परिष्करण एक एक दिन करके होती है और नौदिवसीय इस मानसिक विकारों के शोधन के उपरांत जब अंतस में सद्गुणों का प्रादुर्भाव हो जाता है तो विजयादशमी के दिन अज्ञानता और अवगुणों का रावण मारा जाता है।

मां दुर्गा की उपासना का यह पर्व देश भर में बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है।मातृशक्ति को समर्पित इस पर्व में जनजीवन में ऊर्जा की स्थापना होती है।समय निकाल कर लोग मां के चरणों में बैठते हैं तो मां भी उनकी झोली खुशियों से भरने में देर नही लगाती हैं।माँ दुर्गा के नौ स्वरुपों की पूजा के द्वारा शक्ति की याचना की जाती है।समाज में फैले विकारों के उन्मूलन हेतु पवित्र विचारों की सृष्टि का निर्माण इस पर्व पर होता है।चैत्र शुक्ल की प्रतिपदा तिथि से नवरात्रि का पावन पर्व शुरू हो जायेगा।माँ दुर्गा के एक एक स्वरूप की हर दिन पूजा अर्चना का विधान है।'यं यं चिन्तयति कामं तं तं प्राप्नोति निश्चितम्' ऐसा श्लोक दुर्गा सप्तशती में आता है जिसका अर्थ है कि माँ की उपासना उनके भक्तों की सभी इच्छायें पूरी कर देती है।देवीभागवत में एक प्रसंग आता है जिसमें माँ भगवती भगवान श्री कृष्ण के ऊपर आये संकट को टालती हैं।बात उस समय की है जब भगवान कृष्ण द्वारिकाधीश हुए,उनके राज्य में सतराजीत नाम का एक व्यक्ति था जो सूर्य जी का उपासक था।सूर्य देव ने उसकी पूजा से प्रसन्न होकर उसे स्यामंतक नाम की

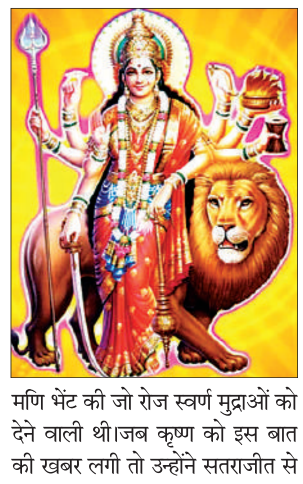

मणि भेंट की जो रोज स्वर्ण मुद्राओं को देने वाली थी।जब कृष्ण को इस बात की खबर लगी तो उन्होंने सतराजीत से वह मणि यह कहकर मांगी कि इस मणि की उसे क्या आवश्यकता है यह मणि राजा के पास रहेगी तो राजकोष समृद्ध होगा।लेकिन सतराजीत ने भगवान श्री कृष्ण को स्यामंतक मणि देने से इंकार कर दिया,कथा आती है कि उसी के बाद एक दिन अचानक सतराजीत का मृत शरीर जंगल में प्राप्त हुआ और स्यामंतक मणि का कोई अता पता नही लग रहा था।लोगों में यह बात फैल गई कि मणि को जबरन प्राप्त करने के लिए कृष्ण जी ने सतराजीत को मार दिया होगा और मणि स्वयं रख ली होगी। सच्चाई का पता लगाने के लिए कृष्ण जंगल की ओर प्रस्थान कर गए। कुछ दिन जब वापस नही लौटे तो वसुदेव ने मां भगवती की विशेष पूजा की और भगवान कृष्ण जी जंगल से सकुशल मां भवानी की कृपा से आ गये और मणि की चोरी का लांछन भी उनके ऊपर से हट गया।हम जीवों की कोई क्या कहे मां की करुणा तो देवताओं का भी उद्धार करती रही है।महिषासुर और शुम्भ निशुम्भ जैसे दुर्दांत दैत्यों का विनाश करने वाली भगवती की कृपा उनके भक्तों के सभी आदिदैविक, आदिभौतिक और आदिदैविक कष्टों का निवारण कर देती है।माँ की कृपा,करुणा अपरम्पार है।नवरात्रि के पावन अवसर पर माता के चरणों में अपना सुख दुःख निवेदित करने को माता के भक्त तैयार हैं।गाँव गाँव शहर शहर माता की सुन्दर झांकियों के पाण्डाल सजाये जा रहे हैं जहां नवरात्रि भर माँ की ममता भरी छांव में भजन कीर्तन और स्तवन का क्रम चलता रहेगा। बालिकाओं को माता के रुपों में देखने की दृष्टि भी नवरात्रि के पर्व पर समाज को मिलती है।दुर्गा पूजा के बहाने ही सही नारी सम्मान की अवधारणा की एक लकीर भी स्वतः खिंचती दिखाई देती है। दुर्गा पूजा समाज को नारी शक्ति का एहसास भी कराती है।नवरात्रि पर्व केवल आध्यात्मिक अर्थों में ही सीमित नही रह जाता बल्कि सामाजिक स्तर पर वह व्यक्ति व्यक्ति के अन्तर्मन की नौदिवसीय यात्रा है जिसमें उसके जीवन की मलिनता का परिष्करण एक एक दिन करके होती है और नौदिवसीय इस मानसिक विकारों के शोधन के उपरांत जब अंतस में सद्गुणों का प्रादुर्भाव हो जाता है तो विजयादशमी के दिन अज्ञानता और अवगुणों का रावण मारा जाता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशकः अरुण कुमार त्रिपाठी द्वारा ए0वी0बी0 रेप्रोग्राफिक्स, ए-59, इंडस्ट्रियल एस्टेट, ताल कटोरा, लखनऊ से मुद्रित तथा अय्यूब कॉम्प्लेक्स, 82/68, गुरु गोविन्द सिंह मार्ग, लखनऊ पिन-226004, उ0प्र0 से प्रकाशित। संपादकः अरुण कुमार त्रिपाठी, (प्रबन्ध संपादक-मनोज तिवारी, सह-संपादकः इमरान खान, राज्य ब्यूरो प्रमुख- सन्तोष कुमार दीक्षित) आर.एन.आई. पंजीयन संख्या : UPHIN/2009/30003, फोन नं.: 0522-4330955 मोबाइल नं. 8933805555, (नोटः सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ स्थित न्यायालय होगा।)

'रंग, रस और राग में बसी परंपरा जनसहयोग से ऐतिहासिक बना चौपाई समागम का कारवां'

- होली मिलन समारोह की सफलता पर दिव्या पी गंगवार ने जताया आभार
- विपरीत मौसम के बावजूद उमड़ा जनसैलाब, एकता की दिखी मिसाल

जन एक्सप्रेस | पीलीभीत

होली मिलन समारोह एवं चौपाई समागम की ऐतिहासिक सफलता के बाद समाजवादी पार्टी महिला सभा की राष्ट्रीय सचिव दिव्या पी गंगवार ने सभी सहयोगियों, कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया। यह आयोजन न केवल सांस्कृतिक भव्यता का प्रतीक बना, बल्कि जनसहयोग, एकता और परंपरा के संरक्षण का भी जीवंत उदाहरण साबित हुआ।

> 'होली मिलन समारोह और चौपाई समागम को आप सभी के सहयोग, प्रेम और आशीर्वाद से मिली भव्य सफलता मेरे लिए गर्व और भावुकता का विषय है। खराब मौसम और बारिश के बावजूद जिस उत्साह और समर्पण के साथ आप सभी ने इस आयोजन को सफल बनाया, वह हमेशा याद रहेगा। मैं दिल की गहराइयों से अपने सभी साथियों, सहयोगियों, कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त करती हूं। यह केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, एकता और आपसी विश्वास का प्रतीक है। हमारी सदैव कोशिश रहेगी कि चौपाई जैसी पारंपरिक कला को जीवित रखा जाए और नई पीढ़ी तक इसकी पहचान पहुंचे। आप सभी का स्नेह, सहयोग और आशीर्वाद ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है, जिसके बल पर हम आगे भी ऐसे सांस्कृतिक आयोजन करते रहेंगे।'
>
> –दिव्या पी गंगवार, राष्ट्रीय महिला सचिव समाजवादी पार्टी

जनसहयोग से सजी भव्यता, हर हाथ ने निभाई जिम्मेदारी

सपा राष्ट्रीय महिला सचिव दिव्या गंगवार ने कहा कि इस विशाल आयोजन की सफलता के पीछे प्रत्येक सहयोगी का समर्पण और मेहनत रही। आयोजन की व्यवस्थाओं में लगे कार्यकर्ताओं, समर्थकों और आयोजकों ने अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ किया। यही कारण रहा कि कार्यक्रम इतने बड़े स्तर पर भी सुव्यवस्थित और सफलतापूर्वक सम्पन्न हो सका। उन्होंने विशेष रूप से चौधरी प्रदीप सिंह पटेल के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उनके कुशल प्रबंधन और सक्रिय भूमिका के चलते आयोजन बिना किसी अव्यवस्था के सुचारु रूप से संपन्न हुआ।

बारिश बनी चुनौती, लेकिन उत्साह रहा चरम पर

कार्यक्रम के दौरान मौसम ने दो बार बाधा उत्पन्न की और बारिश भी हुई, लेकिन इसके बावजूद जनसमूह के उत्साह में कोई कमी नहीं आई। कलाकारों, आयोजकों और दर्शकों ने विपरीत परिस्थितियों में भी कार्यक्रम को पूरे जोश और समर्पण के साथ आगे बढ़ाया। दिव्या गंगवार ने कहा कि यह आयोजन इस बात का प्रमाण है कि जब जनसमर्थन और संकल्प मजबूत हो, तो कोई भी बाधा सफलता के मार्ग में रुकावट नहीं बन सकती।

हर वर्ष बढ़ती भागीदारी, परंपरा से जुड़ता जनसमूह

उन्होंने बताया कि इस आयोजन का विस्तार लगातार हो रहा है। पहले वर्ष जहां केवल 8 चौपाइयों ने भाग लिया था, वहीं दूसरे वर्ष यह संख्या बढ़कर 16 हो गई और इस वर्ष 26 चौपाइयों की सहभागिता ने इसे और अधिक भव्य बना दिया। यह बढ़ती भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि समाज में सांस्कृतिक परंपराओं के प्रति लोगों का रुझान लगातार बढ़ रहा है। श्रीमती गंगवार ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य केवल एक कार्यक्रम तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में सांस्कृतिक चेतना को जागृत करना और युवाओं को अपनी परंपराओं से जोड़ना है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में अधिक से अधिक युवा इस सांस्कृतिक अभियान से जुड़ेंगे।? उन्होंने कहा कि किसी भी बड़े आयोजन की सफलता के पीछे टीमवर्क, आपसी विश्वास और सहयोग की भावना सबसे महत्वपूर्ण होती है। इस आयोजन में यह सभी तत्व स्पष्ट रूप से दिखाई दिए, जिसने इसे एक यादगार और प्रेरणादायक कार्यक्रम बना दिया।

बीसलपुर–बिलसंडा का सहयोग बना सफलता की मजबूत नींव

उन्होंने बीसलपुर और बिलसंडा क्षेत्र के सहयोगियों, कार्यकर्ताओं और परिवारजनों का विशेष धन्यवाद देते हुए कहा कि इन क्षेत्रों के लोगों का सहयोग इस आयोजन की सफलता की आधारशिला रहा। उनके समर्थन के बिना इतना विशाल आयोजन संभव नहीं हो पाता।

चौपाई समागम: परंपरा, कला और संस्कृति का संगम

दिव्या गंगवार ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विविधता में चौपाई जैसी पारंपरिक विधाओं का विशेष स्थान है। यह केवल गायन या नृत्य का माध्यम नहीं, बल्कि भावनाओं, परंपराओं और सामाजिक जुड़ाव का अद्भुत संगम है।? उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से न केवल सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित किया जा सकता है, बल्कि नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से भी जोड़ा जा सकता है।

जहां सेवा बने धर्म और उपचार बने विश्वास, वही है राम श्याम हॉस्पिटल की खास पहचान

- अनुभव की रोशनी में हर दर्द को मिले राहत, डॉ. मिश्रा के हाथों में है भरोसे की ताकत
- अनुभव, विशेषज्ञता और सेवा का संगम: 'राम श्याम हॉस्पिटल' बना स्वास्थ्य सेवाओं का भरोसेमंद केंद्र

जन एक्सप्रेस | मुकेश कुमार

पीलीभीत। जनपद पीलीभीत में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की जब भी चर्चा होती है, तो 'राम श्याम हॉस्पिटल' का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। सिविल लाइन चौराहा, टनकपुर रोड स्थित यह अस्पताल आधुनिक सुविधाओं, अनुभवी चिकित्सकों और सेवा भावना के कारण जिले में अपनी अलग पहचान बना चुका है। विशेष रूप से कान, नाक, गला एवं सिर-गर्दन रोगों के क्षेत्र में डॉ. अनिल कुमार मिश्रा का योगदान अत्यंत सराहनीय रहा है। एम.बी.बी.एस. व एम.एस. (ई.एन.टी.) की उच्च शिक्षा प्राप्त डॉ. मिश्रा ने अपने लंबे चिकित्सा अनुभव के दौरान हजारों मरीजों का सफल इलाज किया है। बताते चलें कि डॉ. अनिल कुमार मिश्रा ने जिला अस्पताल में भी अपने लंबे कार्यकाल के दौरान उल्लेखनीय सेवाएं दी हैं। उनके कार्यकाल में न केवल गंभीर रोगियों का सफल उपचार हुआ, बल्कि उन्होंने अपनी विशेषज्ञता और कुशल नेतृत्व के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को भी नई दिशा दी। यही कारण है कि आज भी जनपद में ईएनटी विशेषज्ञों की चर्चा होने पर उनका नाम सर्वप्रथम लिया जाता है। अस्पताल में एंडोस्कोपी जैसी आधुनिक जांच सुविधाएं और जटिल ऑपरेशनों की समुचित व्यवस्था उपलब्ध है, जिससे मरीजों को अब बड़े शहरों का रुख करने की आवश्यकता काफी हद तक कम हो गई है। 'राम श्याम हॉस्पिटल' में अत्याधुनिक उपकरणों के साथ गुणवत्तापूर्ण उपचार की व्यवस्था है। यहां मरीजों को जांच से लेकर ऑपरेशन तक की सभी सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही हैं।

महिलाओं के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान

अस्पताल में डॉ. गरिमा मिश्रा स्त्री रोग विशेषज्ञ के रूप में सेवाएं दे रही हैं। महिलाओं से जुड़ी विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के उपचार में उनकी विशेषज्ञता के चलते मरीजों को सुरक्षित और भरोसेमंद इलाज मिल रहा है। आज के समय में, जब छोटे शहरों में उन्नत चिकित्सा सुविधाओं की कमी महसूस की जाती है, ऐसे में 'राम श्याम हॉस्पिटल' एक सशक्त विकल्प बनकर उभरा है। यह अस्पताल न केवल आधुनिक तकनीक और विशेषज्ञ चिकित्सकों का संगम है, बल्कि मरीजों के प्रति संवेदनशीलता और समर्पण का भी उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है। इस अवसर पर डॉ. अनिल कुमार मिश्रा ने कहा कि उनका उद्देश्य केवल उपचार करना ही नहीं, बल्कि मरीजों को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक और अनुभव के समन्वय से हर मरीज को सही और प्रभावी इलाज देना उनकी प्राथमिकता है। साथ ही उन्होंने भरोसा दिलाया कि भविष्य में भी वे इसी समर्पण और सेवा भावना के साथ जनपदवासियों की सेवा करते रहेंगे।

व्यापार मंडल का शपथ ग्रहण एवं सम्मान समारोह संपन्न

- व्यापारियों की एकजुटता पर जोर, कई हस्तियों को किया सम्मानित

जन एक्सप्रेस | पीलीभीत

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल पीलीभीत द्वारा आयोजित शपथ ग्रहण एवं सम्मान समारोह उत्साह और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश अध्यक्ष मुकुंद मिश्रा ने नवगठित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई, जबकि जिला अध्यक्ष अर्जुन सिंह टहलानी ने सभी अतिथियों और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रदेश महामंत्री एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य राजेंद्र गुप्ता ने व्यापारियों को एकजुट रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि संगठित व्यापारी वर्ग ही अपने अधिकारों की प्रभावी तरीके से रक्षा कर सकता है। मुख्य अतिथि मुकुंद मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि पीलीभीत के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने जिस गर्मजोशी से स्वागत किया, वह संगठन की मजबूती और सक्रियता को दर्शाता है। उन्होंने सभी को बधाई देते हुए संगठन को और सशक्त बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वालों को सम्मानित किया गया। पीलीभीत प्रतिभा सम्मान सुश्री प्रियंका यादव (आईआरएस) को प्रदान किया गया, जबकि व्यापारी केसरी सम्मान राधा रमन अग्रवाल, अशोक शर्मा, श्याम कुमार देवल, गुरदीप सिंह, नंद लाल मेहरबानी, राज किशोर, देवव्रत शर्मा, राजकुमार गजवानी और आशु अग्रवाल को दिया गया। शपथ ग्रहण करने वाली इकाइयों में जिला इकाई, नगर पीलीभीत इकाई, नगर गजरौला इकाई, नगर पकड़िया नौगंवा इकाई, युवा जिला इकाई एवं युवा नगर इकाई शामिल रहीं। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री स्वतंत्र देवल एवं पीयूष अग्रवाल ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान मंच पर प्रदेश संयुक्त महामंत्री राजेश जसोरिया, प्रदेश मंत्री अनुज पाण्डेय, प्रदेश संगठन मंत्री जितेंद्र कुमार गुप्ता, मंडल प्रभारी समित अग्रवाल, अंजनी गुप्ता, मंडल उपाध्यक्ष डालचंद सक्सेना, मंडल मंत्री रतननाथ मिश्रा, नगर अध्यक्ष रवि शर्मा, गजरौला अध्यक्ष विजय गुप्ता, नौगंवा अध्यक्ष राहुल शर्मा, युवा जिला अध्यक्ष नितेंद्र नाथ मिश्रा सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

'संगठन की डोर थामे, विधायक बरखेड़ा सेवा का संकल्प सजाए

- न्यूरिया से मरौरी तक प्रशिक्षण महाअभियान की गूंज, कार्यकर्ताओं को अंत्योदय, जनसेवा और संगठन विस्तार का मिला संदेश

जन एक्सप्रेस | पीलीभीत

गुरुवार को जनपद के बरखेड़ा विधानसभा क्षेत्र में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के अंतर्गत गुरुवार को न्यूरिया के बाद मरौरी मंडल में भी प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन पूरे उत्साह और ऊर्जा के साथ संपन्न हुआ। दोनों ही स्थानों पर महामंडलेश्वर एवं बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद महाराज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और कार्यकर्ताओं को संगठन सशक्तिकरण का मूल मंत्र दिया। न्यूरिया मंडल में आयोजित उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए स्वामी प्रवक्तानंद महाराज ने संगठन की मजबूती को सर्वोपरि बताते हुए कहा कि किसी भी राजनीतिक दल की पहचान उसके संगठन और समर्पित कार्यकर्ताओं से होती है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता ही संगठन की असली ताकत होते हैं और उनकी निष्ठा, अनुशासन तथा सक्रियता ही संगठन को ऊंचाइयों तक पहुंचाती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाएं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि यदि कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर सक्रिय रहते हुए जनता से सीधा संवाद बनाए रखें और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए तत्पर रहें, तो संगठन स्वतः ही मजबूत होता चला जाता है। उन्होंने आपसी समन्वय, टीम भावना और सकारात्मक सोच के साथ कार्य करने पर विशेष बल दिया।

स्वामी प्रवक्तानंद महाराज ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय सिद्धांत का उल्लेख करते हुए कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाना ही सच्ची सेवा है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को इसी भावना के साथ समाज के हर वर्ग को जोड़ते हुए जनसेवा के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए।

इसके उपरांत मरौरी मंडल में आयोजित प्रशिक्षण वर्ग के उद्घाटन सत्र में भी स्वामी प्रवक्तानंद महाराज ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। यहां उन्होंने प्रशिक्षण महाअभियान के उद्देश्य, संगठन की विचारधारा और कार्यकर्ताओं की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण वर्ग कार्यकर्ताओं को न केवल वैचारिक रूप से मजबूत बनाते हैं, बल्कि उन्हें समाज के प्रति जिम्मेदार और संगठन के प्रति अधिक समर्पित भी बनाते हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं को प्रेरित करते हुए कहा कि वे जनसेवा को अपना सर्वोच्च लक्ष्य बनाएं और अंत्योदय के संकल्प के साथ अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती ही विकास की आधारशिला है और इसी के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। इस अवसर पर बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रभात आनंद महाराज ने भी प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में कानून व्यवस्था, सड़क, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक सुधार हुआ है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से इन उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान संगठनात्मक गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने, बूथ स्तर तक संगठन को सुदृढ़ करने और आगामी कार्यक्रमों की रणनीति पर भी विस्तार से चर्चा की गई। बरखेड़ा विधानसभा के प्रवक्ता नंद महाराज ने कार्यकर्ताओं को पार्टी की नीतियों और सिद्धांतों की जानकारी दी।

दोनों ही मंडलों में आयोजित कार्यक्रमों में मंडल अध्यक्ष महेंद्रपाल राजपूत, महेश लोधी सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। पूरे आयोजन के दौरान कार्यकर्ताओं में उत्साह, ऊर्जा और संगठन के प्रति समर्पण स्पष्ट रूप से देखने को मिला। अंत में सभी ने एकजुट होकर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

'देवहा किनारे मिला मजदूर का शव, बेहरीखेड़ा में पसरा मातम'

जन एक्सप्रेस | पीलीभीत

- घर से मजदूरी को निकला था जीशाचरण, सुबह मिली मौत की खबर, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

सुनगढ़ी क्षेत्र का गांव बेहरीखेड़ा गुरुवार सुबह अचानक शोक और सन्नाटे में डूब गया, जब देवहा नदी किनारे एक व्यक्ति का शव मिलने की सूचना फैली। देखते ही देखते यह खबर पूरे इलाके में फैल गई और मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। कुछ ही देर में पता चला कि यह शव गांव से जुड़े एक मजदूर का है, जिससे पूरे क्षेत्र में मातम छा गया।

गुरुवार सुबह जब ग्रामीण अपने दैनिक कार्यों के लिए घरों से बाहर निकले, तभी देवहा नदी के किनारे एक व्यक्ति का शव पड़ा दिखाई दिया। पहले तो लोग पास जाने से हिचकिचाए, लेकिन धीरे-धीरे भीड़ जुटने लगी। माहौल में खामोशी और आशंका साफ झलक रही थी।

पहचान होते ही परिजनों में मचा कोहराम सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त कराई, जिसमें मृतक की पहचान जीशाचरण (लगभग 40 वर्ष) निवासी हिमकरनपुर के रूप में हुई। जैसे ही यह खबर परिजनों तक पहुंची, घर में चीख-पुकार मच गई। परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। परिजनों ने बताया कि जीशाचरण एक दिन पहले सुबह घर से मजदूरी के लिए शहर जाने की बात कहकर निकला था। देर शाम तक उसके वापस न लौटने पर परिवार को चिंता हुई, लेकिन किसी अनहोनी की आशंका नहीं थी। सुबह शव मिलने की खबर ने परिवार को पूरी तरह तोड़ दिया। ग्रामीणों के अनुसार, जिस स्थान पर शव मिला, वहां नदी पर लकड़ी का एक संकरा पुल बना हुआ है, जो खासकर रात के समय बेहद जोखिम भरा साबित होता है। बताया जा रहा है कि मृतक को नशे की आदत भी थी, जिससे आशंका जताई जा रही है कि संतुलन बिगड़ने के कारण वह पुल से गिर गया होगा।

पुलिस ने शुरू की जांच, हादसा मान रही प्राथमिक जांच

घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक नरेश त्यागी के अनुसार, प्रथम दृष्टया मामला हादसे का प्रतीत हो रहा है, संभवतः पुल पार करते समय गिरने से मौत हुई है। हालांकि, वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। घटना के बाद पूरे बेहरीखेड़ा गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। हर कोई इस घटना से स्तब्ध है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है।

9 वर्ष पूरे होने पर विकास कार्यों की गूंज, योजनाओं की दी गई जानकारी

जन एक्सप्रेस | पीलीभीत

प्रदेश सरकार के नवनिर्माण के नौ वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर गुरुवार को जनपद में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। पंचायतीराज विभाग, उद्योग विभाग एवं नेडा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में गांधी प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम में सरकार की उपलब्धियों, नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला उपाध्यक्ष रेखा परिहार रहीं, जबकि जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने अध्यक्षता की। कार्यक्रम के दौरान नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सरकार की योजनाओं को आमजन तक रोचक ढंग से पहुंचाया गया। मुख्य अतिथि रेखा परिहार ने कहा कि सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास, सबका विश्वास' के मूल मंत्र पर कार्य करते हुए बिना किसी भेदभाव के समाज के कमजोर वर्ग तक योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है। जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि आर्थिक सशक्तिकरण के लिए प्रत्येक व्यक्ति के पास अपना घर और रोजगार होना जरूरी है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के माध्यम से आवास विहीन लोगों को घर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। साथ ही जनपद को झोपड़ी मुक्त बनाने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में पात्र लोगों की पहचान कर उन्हें योजनाओं से जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना के अंतर्गत बिना गारंटी के पांच लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे युवा अपना उद्यम स्थापित कर आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को कुछ नया सीखकर उत्पादन कार्यों में भागीदारी करनी चाहिए, जिससे राष्ट्र निर्माण को गति मिले। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना, एक जनपद एक उत्पाद योजना, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना एवं प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना सहित विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी गई। इस अवसर पर पंचायतीराज विभाग द्वारा शौचालय निर्माण के लिए तेजराम, बुद्धसेन, बालकराम, कैकेयी और पूरनदेई को स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। नेडा विभाग की ओर से विभिन्न उद्यमों को प्रशस्ति पत्र दिए गए, जबकि उद्योग विभाग द्वारा राजमिस्त्री, मोची और दर्जी ट्रेड से जुड़े लाभार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार मंसूर अहमद शम्सी ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अधिकारी, जनप्रतिनिधि और लाभार्थी उपस्थित रहे।

नवरात्रि मेले में सुरक्षा व्यवस्था चाक–चौबंद, अपर पुलिस अधीक्षक ने किया निरीक्षण

जन एक्सप्रेस | पीलीभीत

चैत्र नवरात्रि के शुभारंभ के साथ जनपद के विभिन्न मंदिरों में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा है। इसी क्रम में कोतवाली क्षेत्र के यशवन्तरी मंदिर परिसर में आयोजित मेले को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। गुरुवार को अपर पुलिस अधीक्षक विक्रम दहिया ने मेला स्थल का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मंदिर परिसर एवं मेले में आने-जाने वाले मार्गों का गहन अवलोकन किया। श्रद्धालुओं की सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण तथा यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए किए गए इंतजामों की समीक्षा की गई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

अपर पुलिस अधीक्षक ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश देते हुए कहा कि मेले में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की गतिविधियों पर नजर रखी जाए। संदिग्ध व्यक्तियों एवं वस्तुओं की तत्काल जांच सुनिश्चित करने के साथ ही किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

उन्होंने यह भी कहा कि भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में पुलिस की सक्रिय मौजूदगी बनी रहनी चाहिए, ताकि किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। इसके अलावा यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित रखने के लिए आवश्यकतानुसार बैरिकेडिंग एवं मार्ग परिवर्तन की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

नवरात्रि के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। मेले में महिला पुलिसकर्मियों की भी तैनाती की गई है, जिससे महिला श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

नवरात्रि का शुभारंभ: आस्था, संगठन और जनकल्याण का संदेश

- मंदिरों में उमड़ी श्रद्धा, जनप्रतिनिधियों ने दिया सामाजिक जिम्मेदारी निभाने का आह्वान

जन एक्सप्रेस | पीलीभीत

चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिवस पर जनपद में आस्था, भक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। शहर से लेकर कस्बों और गांवों तक माता मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह ब्रह्म मुहूर्त से ही मंदिरों के कपाट खुलते ही भक्तों का आना शुरू हो गया, जो देर शाम तक जारी रहा। 'जय माता दी' के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

शहर के प्रमुख मां यशवंतरी देवी मंदिर में विशेष रूप से श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखने को मिलीं। महिलाएं, पुरुष, बुजुर्ग और युवा सभी श्रद्धा भाव से माता रानी के दर्शन के लिए घंटों पंक्ति में खड़े नजर आए। भक्तों ने विधि-विधान से मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप शैलपुत्री की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और कल्याण की कामना की। मंदिर परिसर में दुर्गा सप्तशती के पाठ, भजन-कीर्तन और हवन-पूजन से वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक बना रहा। श्रद्धालुओं ने माता रानी को फल, फूल, नारियल और चुनरी अर्पित कर नवरात्रि व्रत की शुरुआत की। वहीं मंदिर प्रशासन और स्थानीय पुलिस व्यवस्था बनाए रखने में मुस्तैद नजर आई, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों में भी पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ घट स्थापना कर नवरात्रि का शुभारंभ किया गया। जगह-जगह भजन-कीर्तन और जागरण की तैयारियां शुरू हो गई हैं, जिससे पूरे जनपद में उत्सव का माहौल बना हुआ है। इसी क्रम में बरखेड़ा विधायक एवं महामंडलेश्वर स्वामी प्रवक्तानंद महाराज ने भी नवरात्रि के प्रथम दिन मां आदिशक्ति के दर्शन-पूजन कर क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि और उन्नति के लिए प्रार्थना की। दर्शन के पश्चात उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक जिम्मेदारी निभाना प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है।

उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि समाज और क्षेत्र की उन्नति तभी संभव है, जब सभी लोग एकजुट होकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। 'हर व्यक्ति यदि अपने क्षेत्र और समाज के कल्याण के लिए प्रयासरत रहेगा, तो हर बाधा को दूर किया जा सकता है।' उन्होंने कार्यकर्ताओं और समाजसेवियों से जनहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

नवरात्रि के अवसर पर स्वामी प्रवक्तानंद महाराज ने श्री परम अक्रियाधाम आश्रम में आयोजित जनतादर्शन कार्यक्रम में भी लोगों से भेंट कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं को सुनना और उनका समाधान करना हर जनप्रतिनिधि का नैतिक दायित्व है। संपादकीय दृष्टि से देखा जाए तो नवरात्रि केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं, बल्कि समाज को एकजुट करने, संस्कारों को मजबूत करने और जनकल्याण की भावना को जागृत करने का भी अवसर है। जहां एक ओर मंदिरों में उमड़ी श्रद्धा जनभावना की गहराई को दर्शाती है, वहीं जनप्रतिनिधियों द्वारा दिया गया संगठन और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश इस पर्व को और अधिक सार्थक बनाता है। कुल मिलाकर जनपद में नवरात्रि का आगाज भक्ति, उत्साह और सामाजिक चेतना के साथ हुआ है, जो आने वाले नौ दिनों तक विभिन्न धार्मिक आयोजनों, भजन-कीर्तन और जनसहभागिता के रूप में निरंतर जारी रहेगा।

आरएसएस का वर्ष प्रतिपदा उत्सव, निकला भव्य पथ संचलन

पीलीभीत। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पीलीभीत नगर द्वारा वर्ष प्रतिपदा (हिन्दू नववर्ष) के अवसर पर भव्य पथ संचलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों स्वयंसेवकों ने भाग लिया और पूरे नगर में अनुशासित ढंग से संचलन करते हुए देशभक्ति के नारे लगाए। इस अवसर पर मुख्य वक्ता कृष्ण कुमार ने अपने संबोधन में सम्राट विक्रमादित्य के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उनके नाम पर ही विक्रम संवत की शुरुआत मानी जाती है। उन्होंने कहा कि हिन्दू नववर्ष केवल उत्सव नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और परंपराओं को समझने और अपनाने का अवसर है। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के जीवन और आदर्शों का उल्लेख करते हुए कहा कि संघ का उद्देश्य समाज को एकजुट कर राष्ट्र को मजबूत बनाना है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे अपने संस्कारों और मूल्यों को अपनाकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाएं। कृष्ण कुमार ने कहा कि बच्चों को बचपन से ही भारतीय संस्कृति और राष्ट्रभक्ति के संस्कार दिए जाने चाहिए, जिससे वे देश के प्रति जिम्मेदार नागरिक बन सकें। इस दौरान जिला प्रचारक दुष्यंत कुमार, जिला कार्यवाह डालचंद वर्मा, नगर संघचालक प्रदीप नवरंग, नगर प्रचारक कुलदीप कुमार, नगर कार्यवाह अरविंद कुमार, गोकुल प्रसाद मौर्य, स्वतंत्र देवल सहित सैकड़ों स्वयंसेवक मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी देशवासियों को विक्रम संवत् के नववर्ष की शुभकामनाएं दी गईं और समाज में एकता, संस्कार एवं राष्ट्रभक्ति को बढ़ावा देने का संकल्प लिया गया।

कालाबाजारी में सलिंप्तता पर एजेंसी स्वामी को सीधे जेल

जन एक्सप्रेस । संवाददाता

देहरादून। देहरादून जिले में एलपीजी गैस की आपूर्ति, वितरण, बैकलॉग के सम्बन्ध में जिलाधिकारी सविन बसंल की अध्यक्षता में ऋषिपर्णा सभागार कलेक्ट्रेट में जिला प्रशासन की क्यूआरटी एवं सम्बन्धित जिला स्तरीय अधिकारी, गैस एजेंसियों के स्वामी एवं तेल कम्पनियों के पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिला प्रशासन ने गैस एजेसियों पर होमलिडिविरी व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने हेतु एजेंसियों पर अधिकारी तैनात कर दिए गए है, जो एजेंसी पर होने वाली प्रत्येक गतिविधि पर नजर रखेंगे वस्तुस्थिति से अवगत कराएगें।

जिलाधिकारी ने बढते बैकलॉग का कारण जाना तो तेल कम्पनियों के अधिकारियों ने बताया कि 03 दिन जब बुंकिग सोफ्टवेयर में काईसिस आ गई थी तो मैन्युअल रजिस्टर में अंकन कर उपभोक्ताओं को गैस की आपूर्ति की गई, जिसकी लगभग 25 से अधिक की एन्ट्री साफ्टवेयर पर अद्यतन होनी बाकी है तथा 11 मार्च से गैस बुकिंग व डिलिविरी के समय शहरी क्षेत्र में 25 दिन तथा ग्रामीण क्षेत्रों 45 दिन कर दिया गया है उससे पूर्व की जो एडवांस बुकिंग हो रखी हैं वह बैकलॉग में दर्शाई गयी है, जिससे बैकलॉग बढा हुआ दिख रहा हैं। जिस पर जिलाधिकारी ने जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देश दिए कि तेल कम्पनियों से सम्पर्क करते हुए आज शाम तक मैन्युअल एन्ट्री को साफ्टवेयर पर एजेंसी के माध्यम से एन्ट्री कराएं तथा जिन उपभोक्ताओं की एडवांस बुकिंग 25 एवं 45 दिन का बैकलॉग दिख रहा है उनकी संख्या अलग-2 दर्शाते हुए शाम तक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। निर्देशों का अनुपालन न करने पर सम्बधित गैस एजेसीं तेल कम्पनियों पर कार्यवाही के निर्देश दिए हैं।

जिलाधिकारी ने पुलिस अधीक्षक नगर को निर्देश दिए कि छापेमारी में जो अवैध रूप सिलेंडर पकड़े जा रहे हैं उनको ट्रेस किया जाए कि वह किस गैस एजेंसी के है, सम्बन्धित गैस एजेंसी की पहचान करते हुए एजेंसी स्वामी को नामजद करते हुए मुकदमा दर्ज कर जेल भेजे। जिलाधिकारी ने जिले की गैस एजेंसीवार नामित क्यूआरटी में शामिल 30 अधिकारियों को निर्देश दिए कि गैस एजेंसी पर स्टॉक, बैकलॉग, वितरण आदि रजिस्टर का अवलोकन कर प्रतिदिन की सम्पूर्ण आख्या प्रेषित करें। साथ ही निर्देशित किया यह सुनिश्चित कर लिया जाए कि किसी भी गैस एजेंसी व गोदाम से सिलेंडर न दिया जाए तथा उपभोक्ताओं को सिलेंडर होमडिलिवरी के माध्यम से ओटीपी आधार पर ही दिया जाए तथा एजेंसियों पर उपभोक्ता जागरूकता फ्लैक्सी, बुकिंग नम्बर, उपभोक्ताओं के लिए बड़े-बडे अक्षरों में जानकारी चस्पा रहे। जिला प्रशासन की होमडिलिवरी व्यवस्था से एजेंसियों पर जुटने वाली भीड़ से हो रही अव्यवस्था से निजात मिला है वहीं कानून व्यवस्था भी नियंत्रण में है। जिला प्रशासन की क्यूआरटी के औचक निरीक्षणों एवं एलपीजी कालाबाजारी करने वालों पर दर्ज हुए मुकदमों एवं एजेंसियों की नाफरमानी पर की गई प्रवर्तन की कार्यवाही से गैस की कालाबाजारी करने वालों में भी भय का माहौल है।

उपभोक्ताओं को होमडिलिवरी के माध्यम से ओटीपी आधार पर गैस उपलब्ध कराई जा रही है।

जिला प्रशासन द्वारा गैस की कालाबाजारी पर 05 मुकदमें दर्ज किए गए हैं तथा 03 को जेल भेजा, 150 घरेलू, 139 व्यवसायिक तथा 07 छोटे सिलेंडर जब्त किए हैं।

बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व के.के मिश्रा, पुलिस अधीक्षक नगर प्रमोद कुमार, नगर मजिस्ट्रेट प्रत्युष सिंह, नगर आयुक्त नगर निगम ऋषिकेश गोपालराम बिनवाल, उप जिलाधिकारी हरिगिरि, उप जिलाधिकारी अपर्णा ढौंडियाल, उप जिलाधिकारी अपूर्वा सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी के.के अग्रवाल, निदेशक ग्राम्य विकास अभिकरण विक्रम सिंह, जिला विकास अधिकारी सुनील कुमार एवं क्यूआरटी के सभी अधिकारी सहित तेल कम्पनियों एवं गैस एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे तथा उप जिलाधिकारी ऋषिकेश योगेश मेहर, उप जिलाधिकारी विकासनगर विनोद कुमार सहित क्यूआरटी में शामिल अन्य अधिकारी एवं तेल कम्पनियों के प्रतिनिधि ऑनलाईन माध्यम से जुड़े रहे।

उत्तराखंड में समावेशी नीति-निर्माण को मिलेगा बल

जन एक्सप्रेस । संवाददाता

देहरादून। विधायी कार्यों में दिव्यांगता समावेशन को बढ़ावा देने के लिए सांसदों के लिए विशेष रूप से तैयार भारत की पहली हैंडबुक का हाल ही में केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले ने विमोचन किया।

नेशनल सेंटर फॉर प्रमोशन ऑफ एम्प्लॉयमेंट फॉर डिसएबल्ड पीपल (एनसीपीईडीपी) द्वारा बजाज फिनसर्व सीएसआर के सहयोग से तैयार 'बियॉन्ड द विज़िबल' कानून निर्माताओं को दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 को जमीनी स्तर पर प्रभावी बनाने के लिए व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान करती है।

यह प्रकाशन उत्तराखंड जैसे राज्य के लिए विशेष रूप से प्रासंगिक है, जहाँ दिव्यांगजनों की उल्लेखनीय संख्या है और दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियाँ व दूरस्थ क्षेत्र अतिरिक्त चुनौतियाँ प्रस्तुत करते हैं। यह ऐसे समय में सामने आया है, जब देश 2027 की जनगणना की तैयारी कर रहा है, जो आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम के बाद पहली राष्ट्रीय कवायद होगी और 21 प्रकार की दिव्यांगताओं को सटीक व पृथक आंकड़ों के साथ पहचानने का अवसर प्रदान करेगी।

यह हैंडबुक पहली बार राजनीतिक बाधाओं को बहिष्करण के एक प्रमुख रूप के रूप में मान्यता देती है और सांसदों को संसद में प्रभावी ढंग से मुद्दे उठाने के व्यावहारिक उपकरण प्रदान करती है। एनसीपीईडीपी के कार्यकारी निदेशक अरमान अली ने कहा, यह हैंडबुक सांसदों और नागरिक समाज दोनों को औपचारिकता से आगे बढ़कर शासन और जमीनी स्तर पर दिव्यांगता समावेशन को केंद्र में लाने के लिए सशक्त बनाती है।

दिव्यांगता समावेशन को नई दिशा: 'बियॉन्ड द विज़बिल' हैंडबुक का विमोचन

जन एक्सप्रेस । संवाददाता

देहरादून। दिव्यांगजनों के अधिकारों को मजबूत करने और नीति-निर्माण में समावेशिता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले ने सांसदों के लिए तैयार भारत की पहली विशेष हैंडबुक 'बियॉन्ड द विज़बिल' का विमोचन किया। यह हैंडबुक नेशनल सेंटर फॉर प्रमोशन ऑफ एम्प्लॉयमेंट फॉर डिसएबल्ड पीपल (एनसीपीईडीपी) द्वारा बजाज फिनसर्व के सीएसआर सहयोग से तैयार की गई है। इसका उद्देश्य कानून निर्माताओं को दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान करना है। यह पहल विशेष रूप से उत्तराखंड जैसे पहाड़ी राज्यों के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जहां दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के कारण दिव्यांगजनों को अतिरिक्त चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। साथ ही, यह हैंडबुक आगामी भारत की जनगणना 2027 के संदर्भ में भी अहम है, जिसमें पहली बार 21 प्रकार की दिव्यांगताओं का सटीक आंकड़ा जुटाने का अवसर मिलेगा।

हैंडबुक की एक खास विशेषता यह है कि इसमें पहली बार राजनीतिक बाधाओं को भी बहिष्करण के एक प्रमुख रूप के रूप में मान्यता दी गई है और सांसदों को संसद में प्रभावी ढंग से मुद्दे उठाने के लिए आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं। एनसीपीईडीपी के कार्यकारी निदेशक अरमान अली ने कहा कि यह दस्तावेज़ शासन और जमीनी स्तर पर दिव्यांगता समावेशन को केंद्र में लाने में अहम भूमिका निभाएगा। हैंडबुक में यह भी उजागर किया गया है कि देश में 80 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगजन अब भी स्वास्थ्य बीमा से वंचित हैं। इस संदर्भ में आयुष्मान भारत योजना को अधिक समावेशी बनाने, सहायक उपकरणों और पुनर्वास सेवाओं को शामिल करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। यह दस्तावेज़ नीति-निर्माताओं, सांसदों और सामाजिक संगठनों के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन साबित होगा, जो सुलभता, प्रतिनिधित्व और बजटीय समर्थन को बढ़ावा देने के साथ एक समावेशी भारत के निर्माण की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करेगा।

अजय कुमार सिंह ने संभाला यूजेवीएन के प्रबंध निदेशक का कार्यभार

जन एक्सप्रेस । संवाददाता

देहरादून। अजय कुमार सिंह द्वारा यूजेवीएन लिमिटेड में प्रबंध निदेशक पद का कार्यभार ग्रहण किया गया। अजय कुमार सिंह यूजेवीएन लिमिटेड में ही अधिशासी निदेशक के पद पर कार्यरत थे। वे सन् 2005 में यूजेवीएन लिमिटेड में अधिशासी अभियंता के पद पर नियुक्त हुए थे। तत्पश्चात विभिन्न पदों पर कार्य करते हुए वर्ष 2022 में महाप्रबंधक बने। उनको जल विद्युत के क्षेत्र में लगभग 29 वर्षों से भी अधिक समय का कार्य करने का अनुभव है। श्री सिंह को परियोजनाओं के निर्माण, कमिश्निंग, परिचालन, अनुरक्षण आदि हर क्षेत्र का विशिष्ट अनुभव प्राप्त है। अपने लंबे सेवा काल में अजय कुमार सिंह ने नाथपा-झाकड़ी, कोल डैम, लारजी, मनेरी-भाली द्वितीय तथा व्यासी आदि जल विद्युत परियोजनाओं में विभिन्न स्तरों पर कार्य करते हुए उल्लेखनीय योगदान दिया है। यूजेवीएन लिमिटेड के निदेशक परियोजनाएं सुरेश चन्द्र बलूनी, अधिशासी निदेशक सुधाकर बडोनी, विवेक आत्रेय, आशीष कुमार जैन सहित समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा अजय कुमार सिंह को प्रबंध निदेशक पद हेतु बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई। अजय कुमार सिंह के नेतृत्व में यूजेवीएन लिमिटेड एवं राज्य ऊर्जा क्षेत्र में निश्चित ही प्रगति की नई ऊंचाइयों को छुएगा। इस अवसर पर प्रबंध निदेशक अजय कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री एवं उत्तराखंड सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे उनकी अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए मुख्यमंत्री के प्रदेश को ऊर्जा प्रदेश बनाने के लक्ष्य को शीघ्र से प्राप्त करने की दिशा में पूर्ण निष्ठा से कार्य करेंगे। अजय कुमार सिंह ने कहा कि उनकी प्राथमिकता नई परियोजनाओं को समय से पूर्ण कर ऊर्जीकृत करने के साथ ही आर.एम.यू. कार्यों तथा सौर ऊर्जा परियोजनाओं को भी ससमय पूर्ण कर विद्युत उत्पादन क्षमता में वृद्धि करना है।

दिव्यांगता हैंडबुक: उत्तराखंड में समावेशी नीति: निर्माण को मिलेगा बल

देहरादून। विधायी कार्यों में दिव्यांगता समावेशन को बढ़ावा देने के लिए सांसदों के लिए विशेष रूप से तैयार भारत की पहली हैंडबुक का हाल ही में केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले ने विमोचन किया। नेशनल सेंटर फॉर प्रमोशन ऑफ एम्प्लॉयमेंट फॉर डिसएबल्ड पीपल (एनसीपीईडीपी) द्वारा बजाज फिनसर्व सीएसआर के सहयोग से तैयार 'बियॉन्ड द विज़िबल' कानून निर्माताओं को दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 को जमीनी स्तर पर प्रभावी बनाने के लिए व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान करती है। यह प्रकाशन उत्तराखंड जैसे राज्य के लिए विशेष रूप से प्रासंगिक है, जहाँ दिव्यांगजनों की उल्लेखनीय संख्या है और दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियाँ व दूरस्थ क्षेत्र अतिरिक्त चुनौतियाँ प्रस्तुत करते हैं।

परंपरा और आधुनिकता के बीच सेतु बना रही नुपूर पंत

जन एक्सप्रेस । संवाददाता

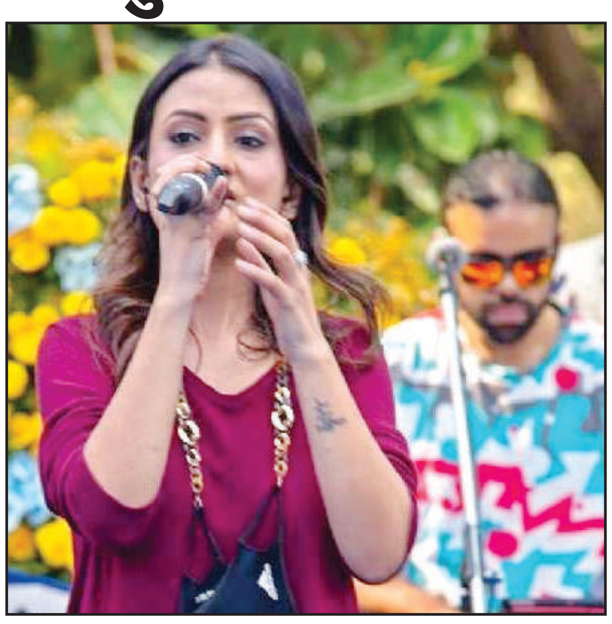

देहरादून। उत्तराखंड की पहाड़ियों से निकलकर अपनी आवाज के दम पर वैश्विक मंच तक पहुँचने वाली गायिका नूपुर पंत आज उस नई पीढ़ी की कलाकारों में शामिल हैं जो परंपरा और आधुनिकता के बीच एक सुंदर सेतु बना रही हैं। हिमालय की वादियों में पली-बढ़ी नूपुर के संगीत में पहाड़ की शांति, प्रकृति की लय और लोकसंस्कृति की आत्मा स्पष्ट रूप से झलकती है। यही कारण है कि उनकी गायकी केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रहती, बल्कि एक सांस्कृतिक अनुभव बन जाती है।

नूपुर पंत की संगीत यात्रा छोटे मंचों और इंटरनेट माध्यमों से शुरू हुई। उन्होंने यूट्यूब पर अपने मिश्रित गीतों और प्रस्तुतियों के माध्यम से तेजी से लोकप्रियता हासिल की। विभिन्न भाषाओं के गीतों और आधुनिक संगीत शैलियों को मिलाकर प्रस्तुत किए गए उनके गीतों ने लाखों-करोड़ों श्रोताओं तक पहुँच बनाई और उन्हें इंटरनेट की दुनिया में एक अलग पहचान दिलाई। इन माध्यमों के जरिए उन्होंने अपने श्रोताओं का एक मजबूत समूह तैयार किया, जहाँ वह केवल प्रस्तुतियाँ ही नहीं बल्कि अपने मौलिक गीतों और गीत-लेखन के माध्यम से भी सक्रिय रहीं। एक स्वतंत्र कलाकार के रूप में उनका यह सफर आज अनेक युवा कलाकारों के लिए प्रेरणा बन चुका है। इंटरनेट पर मिली सफलता ने उनके लिए फ़िल्म और वेब श्रृंखलाओं की दुनिया के द्वार भी खोल दिए।

नूपुर पंत केवल ध्वनि-रिकॉर्डिंग तक सीमित कलाकार नहीं हैं, बल्कि एक प्रभावशाली मंचीय प्रस्तुतकर्ता भी हैं। अपने अब तक के सफर में वह दुनिया भर में 1500 से अधिक प्रत्यक्ष प्रस्तुतियाँ दे चुकी हैं। सरकारी, निजी और विभिन्न संस्थागत कार्यक्रमों से लेकर अंतरराष्ट्रीय मंचों तक उनकी प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया है। उनके कार्यक्रमों में आधुनिक संगीत, फ़िल्मी गीतों और पहाड़ी लोकधुनों का अनूठा संगम देखने को मिलता है, जो उन्हें एक अलग पहचान देता है।

नूपुर के संगीत की सबसे विशेष बात यह है कि वह अपनी जड़ों से गहराई से जुड़ी हुई हैं। उत्तराखंड की लोकधुनों और परंपराओं को आधुनिक संगीत के साथ जोड़कर प्रस्तुत करना उनके कार्य की विशेषता है। देहरादून के प्रसिद्ध एनीमेशन कलाकार ज्ञमजंद ण्ंस (केतन पाल) द्वारा बनाई गई एक एनीमेशन फ़िल्म, जो मकर संक्रांति पर्व की सांस्कृतिक कथा को दर्शाती है, उसके लिए नूपुर पंत और ज्ञमकंतदंजी (केदारनाथ) ने मिलकर एक शीर्षक गीत तैयार किया। यह परियोजना न केवल उत्तराखंड की लोक परंपराओं को दर्शाती है बल्कि इसे वैश्विक स्तर पर भी सराहना मिली है। उनके संगीत को अक्सर माउंटेन सोल के रूप में पहचाना जाता है, जो हिमालय की शांति, प्रकृति और पहाड़ी जीवन की संवेदनाओं से प्रेरित है।

खिलाड़ियों को जारी 3 हुई करोड़ की धनराशि

जन एक्सप्रेस । संवाददाता

देहरादून। विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में पदक जीतने वाले प्रदेश के खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को 3 करोड़ से ज्यादा की इनामी धन राशि जारी की गई है। बृहस्पतिवार को यमुना कॉलोनी स्थित कैंप कार्यालय में खेल मंत्री रेखा आर्या ने यह धनराशि खिलाड़ियों के खातों में डीबीटी ट्रांसफर की। खेल मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि इन खिलाड़ियों में 1 जुलाई 2024 से और 31 मार्च 2025 के बीच विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाले खिलाड़ी शामिल हैं। इसके अलावा पिछले साल हुए 38 वें राष्ट्रीय खेलों में पदक जीतने वाले कुछ खिलाड़ी और कोच इनामी धन राशि प्राप्त करने से इसलिए चूक गए थे क्योंकि उन्होंने कुछ कागजी औपचारिकताएं उस समय पूरी नहीं की थी। इन सभी बचे हुए खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को भी उनकी इनामी धनराशि बृहस्पतिवार को जारी कर दी गई है। खेल मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि प्रदेश सरकार प्रदेश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने में कोई कसर बाकी नहीं रखेगी और पदक जीतने वाले खिलाड़ियों के लिए आउट ऑफ टर्न जॉब की प्रक्रिया भी तेजी से गतिमान है।

भव्य श्रृंगार व पूजा-अर्चना के साथ माँ डाट काली मंदिर में नवरात्रि का शुभारंभ

■ चैत्र नवरात्रि की प्रतिपदा पर माँ डाट काली धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब

जन एक्सप्रेस । संवाददाता

देहरादून। चैत्र नवरात्रि विक्रम संवत् 2083 की प्रतिपदा पर आज माँ डाट काली मनोकामना सिद्धपीठ पर भक्तों का ताँता लगा रहा। प्रातः 7 बजे से माता रानी का भव्य श्रृंगार प्रारंभ हुआ, पूरे मंदिर प्रांगण को भव्य फूलो से सजाया गया। उसके बाद महंत रमन प्रसाद गोस्वामी के ज्येष्ठ पुत्र शुभम गोस्वामी, कनिष्ठ पुत्र संयम गोस्वामी ने मंदिर प्रांगण में सभी भक्तों के लिए माँ डाट वाली से पूजा अर्चना के द्वारा भक्तों की मंगलकामना की प्रार्थना की।

पूजा अर्चना पंडित अनूप ममगाईं, पंडित शैलेंद्र थपलियाल, पंडित प्रवीण जुयाल द्वारा कराई गई। माँ डाट काली के सेवादार गौरव कुमार ने बताया की माता रानी के नवरात्रो के नौ दिन माता रानी की विशेष पूजन किया जाएगा एंव प्रतिदिन माता की चौकी एंव प्रसाद वितरित किया जाएगा। नवमी को हवन पूजन के बाद नवरात्रो का परायण होगा। इस अवसर पर सेवा दल के दिनेश अग्रवाल(टीटू भाई) ,नरसिंह दास,गौरव कुमार, हरीश मारवाह, श्रवण वर्मा, वासु परविंदा, गौतम प्रजापति, विक्की खत्री।

डीएम ने रेस्टोरेशन कार्यों का निरीक्षण किया

जन एक्सप्रेस । संवाददाता

देहरादून। सचिव, लोक निर्माण विभाग पंकज पाण्डेय ने जिलाधिकारी सविन बंसल एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों के संग शहर में रोड कटिंग उपरांत मार्गों के रेस्टोरेशन कार्यों का व्यापक निरीक्षण किया। सचिव लोनिवि द्वारा प्रातः 06 बजे से विभिन्न प्रमुख स्थलों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के अंतर्गत दिलाराम चौक, हाथी बड़कला, साई मंदिर, नागल रोड, कैनाल रोड, धोरण, आईटी पार्क, लक्ष्मी रोड, कृषाली चौक, सहस्त्रधारा रोड, कर्जन रोड, मोहिनी रोड, धर्मपुर चौक, चंचल डेरी, फुव्वारा चौक, रिस्पना पुल, दून विश्वविद्यालय क्षेत्र, सपेरा बस्ती, बंगाली कोठी, एनएच हरिद्वार बाईपास, आईएसबीटी, शिमला बाईपास चौक, निरंजनपुर सब्जी मंडी, कमला पैलेस, बल्लीवाला चौक, बल्लूपुर चौक, किशननगर चौक, यमुना कॉलोनी, बिंदाल पुल सहित विभिन्न क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान सचिव लोनिवि ने कहा कि मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश हैं कि निर्माण कार्यों के कारण आमजन को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए तथा सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में पूर्ण किए जाएं। निरीक्षण में अधिकांश स्थानों पर सड़क रेस्टोरेशन कार्य संतोषजनक पाया गया, किन्तु कुछ स्थानों पर सड़क का समुचित पुनर्स्थापन नहीं किया गया था तथा मलबा सड़क पर पाया गया, जिससे आवागमन में बाधा उत्पन्न होने की संभावना है। इस पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि रोड कटिंग की अनुमति देते समय जिला प्रशासन द्वारा निर्धारित शर्तों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, कार्य पूर्ण होने के उपरांत मार्गों का तत्काल एवं गुणवत्तापूर्ण रेस्टोरेशन किया जाए तथा मलबे का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने स्पष्ट रूप से निर्देश दिए कि रोड कटिंग के दौरान निर्धारित समयसीमा एवं शर्तों का अनुपालन न करने वाले संबंधित कार्यदायी संस्थाओं/एजेंसियों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन की क्यूआरटी को निर्देश दिए कि ऐसे कार्यों की सत्त निगरानी रखी जाए तथा जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्यों का निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी सविन बंसल ने कहा कि जनहित एवं विकास कार्यों के लिए रोड़ कटिंग की अनुमतियां प्रदान की जाती है। उनके बजट, समयसीमा, मानक निर्धारित होतें है जिनके परिपालन की जिम्मेदारी प्रशासन की है इसके लिए रोड़ कटिंग समिति का गठन किया गया है।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर सभी एजेंसियों के अधिकारियों के साथ प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में आयोजित बैठक निर्णय लिया गया है कि कार्यदायी संस्थाओं/एजेंसियों को 02 या 3 स्थानों पर ही निर्माण कार्यों हेतु रोड कटिंग की अनुमति दी जाएगी तथा 15-21 दिन की समयसीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने के उपरान्त ही नए कार्यों की अनुमति दी जाएगी। इसके लिए सम्बन्धित एजेंसियों से शपथ पत्र लिया गया है कि शर्तों का उल्लंघन पाए जाने पर सम्बन्धित के विरूद्ध एक्शन लिया जा सकता है। निरीक्षण के दौरान नगर मजिस्ट्रेट प्रत्युष सिंह, उप जिलाधिकारी हरिगिरि, उप जिलाधिकारी कुमकुम जोशी, अधीक्षण अभियंता लोनिवि मुकेश परमार, अधि0अ0 लोनिवि ओपी सिंह सहित सम्बन्धित विभागों एजेंसियों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बनभूलपुरा कांड मामले में तस्लीम व वसीम को मिली जमानत

नैनीताल। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने हल्द्वानी के बनभूलपुरा कांड के मुख्य आरोपित अब्दुल मलिक सहित अन्य लोगों की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई के बाद मामले में शामिल अबु तस्लीम और वसीम को जमानत दे दी है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि तस्लीम व वसीम का नाम न तो प्राथमिकी में है और ना ही वह घटना में शामिल थे। संदेह के आधार पर उन्हें बेवजह गिरफ्तार किया गया, घटना के समय वे वहां पर नही थे।

उनको इस मामले में झूठा फंसाया गया है। इसके बाद न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी एवं न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित की खंडपीठ ने दोनों की जमानत मंजूर कर ली। इस मामले में गुरुवार को न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी एवं न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित की खंडपीठ के समक्ष सुनवाई हुई।

अलप्पुझा में बर्ड फ्लू की पुष्टि, हजारों पक्षियों...

केरल के अलप्पुझा जिले में बर्ड फ्लू के संक्रमण की पुष्टि हुई है। बर्ड फ्लू की पुष्टि के बाद प्रशासन सख्त हो गया है और प्रशासन ने सख्त नियंत्रण उपाय शुरू कर दिए हैं। अलप्पुझा जिले की मुहम्मा ग्राम पंचायत के वार्ड-7 में बर्ड फ्लू के संक्रमण की पुष्टि हुई है। अधिकारियों ने... पढ़ें पेज 12 पर...

मुख्यमंत्री ने किया सनातन परंपरा पर आधारित पंचांग कैलेंडर का विमोचन

■ -सूचना एवं लोक संपर्क विभाग की अभिनव पहल, पहली बार प्रकाशित हुआ पंचांग कैलेंडर

जन एक्सप्रेस | संवाददाता

देहरादून। हिन्दू नववर्ष के शुभ अवसर पर आज मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास पर सूचना एवं लोक संपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित पंचांग कैलेंडर का विधिवत विमोचन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने इसे राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को सहेजने एवं जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड अपनी सनातन परंपराओं, धार्मिक आस्थाओं और सांस्कृतिक मूल्यों के लिए देश-विदेश में विशिष्ट पहचान रखता है। यहां की परंपराएं केवल आस्था का विषय नहीं हैं, बल्कि यह हमारी जीवनशैली, सामाजिक संरचना और सांस्कृतिक चेतना का अभिन्न अंग हैं। ऐसे में पंचांग कैलेंडर का प्रकाशन राज्य की इस गौरवशाली विरासत को संरक्षित करने और नई पीढ़ी तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पंचांग कैलेंडर राज्यवासियों को न केवल तिथि, वार, पक्ष, मास, पर्व एवं विशेष दिवसों की सटीक जानकारी प्रदान करेगा, बल्कि पारंपरिक त्योहारों, व्रतों और धार्मिक आयोजनों की महत्ता से भी अवगत कराएगा। इससे लोगों को अपनी संस्कृति और परंपराओं के साथ और अधिक गहराई से जुड़ने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि इस पंचांग में देवभूमि उत्तराखंड के प्रमुख धार्मिक एवं आस्था स्थलों को विशेष रूप से स्थान दिया गया है। ये स्थल न केवल श्रद्धा के केंद्र हैं, बल्कि राज्य की ऐतिहासिक और आध्यात्मिक विरासत के प्रतीक भी हैं। इस प्रकार यह कैलेंडर एक जानकारीपरक दस्तावेज होने के साथ-साथ उत्तराखंड की सांस्कृतिक झलक प्रस्तुत करने वाला प्रेरणादायक संकलन भी है।

क्यूआरटी टीम ने क्षेत्रवार गैस एजेंसियों का निरीक्षण किया

जन एक्सप्रेस | संवाददाता

देहरादून। एलपीजी गैस की कालाबाजारी रोकने तथा शतप्रतिशत होम डिलिवरी सुनिश्चित करवाने के जिलाधिकारी सविन बसंल के निर्देशों के अनुपालन में जिले में क्षेत्रवार क्यूआरटी टीम गठित की गई है।

क्यूआरटी टीम आज क्षेत्रवार गैस एजेंसियों के निरीक्षण करते हुए एलपीजी गैस की मांग, आपूर्ति आदि सभी गतिविधियों देखी। जिला प्रशासन ने आज 15 घरेलू सिलेंडर सहस्त्रधारा से अलग-2 होटल ढाबों से जब्त किए गए है। वहीं जिले में आज होमडिलिविरि के लिए भेजे गए 200 घरेलू सिलेंडर उपभोक्ताओं के पास खाली सिलेंडर न होने के कारण वापिस एजेंसी लाए है, उपभोक्ताओं द्वारा घबराहट की स्थिति में सिलेंडर होने के उपरान्त भी सिलेंडर बुक करा दिए थे निर्धारित समय पूर्ण होने पर गैस एजेंसी द्वारा होम डिलिविरि किये जाने पर उपभोक्ताओं के पास खाली सिलेंडर न होने के फलस्वरूप सिलेंडर वापिस एजेंसी लाए गए हैं, जो बैकलॉग में दर्शाए गए हैं उपभोक्ताओं के गैस सिलेंडर खाली होने पर होमडिलिविरि के माध्यम से उपभोक्ताओं को पुनः गैस सिलेंडर उपलब्ध करा दिए जाएंगे। जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में अपर जिलाधिकारी वित्त एंव राजस्व के के मिश्रा कन्ट्रोलरूम से जिले में गैस वितरण, आपूर्ति की मॉनिटिरिंग जनमानस की समस्या के निस्तारण हेतु निगरानी बनाए हुए है। क्यूआरटी टीम द्वारा अबतक जिलें 415 औचक निरीक्षण किए गए है। जिला प्रशासन की क्यूआरटी के औचक निरीक्षणों एवं एलपीजी कालाबाजारी करने वालों पर दर्ज हुए मुकदमों एवं एजेंसियों की नाफरमानी पर की गई प्रवर्तन की कार्यवाही से गैस की कालाबाजारी करने वालों में भी भय का माहौल है। उपभोक्ताओं को होमडिलिविरी के माध्यम से ओटीपी आधार पर गैस उपलब्ध कराई जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा गैस की कालाबाजारी पर 05 मुकदमें दर्ज किए गए हैं तथा 03 को जेल भेजा, 150 घरेलू, 139 व्यवसायिक तथा 07 छोटे सिलेंडर जब्त किए हैं। जिला प्रशासन द्वारा प्रसारित 1077, 0135-2626066, 2726066 और व्हाट्सएप नंबर 7534826066 के माध्यम से कुल 35 शिकायतें एलपीजी गैस की आपूर्ति के सम्बन्ध में दर्ज हुई है, वही कंट्रोलरूम में मौजूद जिला खाद्य पूर्ति विभाग, देहरादून में एलपीजी गैस की आपूर्ति, सिलेंडर उपलब्धता या अन्य किसी प्रकार की समस्या को लेकर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में आज लगभग 19138 अधिक उपभोक्ताओं को घरेलू तथा 201 अपभोक्ताओं को व्यवसायिक गैस सिलेंडर की आपूर्ति की गई है। जबकि घरेलू गैस सिलेंडर में 94 हजार के लगभग बैकलॉग है। एलपीजी का घरेलू 42848 तथा व्यवसायिक का 1658 स्टॉक उपलब्ध है। बैकलॉग का कारण जाना तो तेल कम्पनियों के अधिकारियों ने बताया कि 03 दिन जब बुंकिग सॉफ्टवेयर में क्राईसिस आ गई थी तो मैन्युअल रजिस्टर में अंकन कर उपभोक्ताओं को गैस की आपूर्ति की गई, जिसकी लगभग 25 से अधिक की एन्ट्री साफ्टवेयर पर अद्यतन होनी बाकी है तथा 11 मार्च से गैस बुकिंग व डिलिविरी के समय शहरी क्षेत्र में 25 दिन तथा ग्रामीण क्षेत्रों 45 दिन कर दिया गया है उससे पूर्व की जो एडवांस बुकिंग हो रखी हैं वह बैकलॉग में दर्शाई गई है, जिससे बैकलॉग बढा हुआ दिख रहा है।

विक्रम नव संवत्सर पर श्री राम सेवक सभा में सांस्कृतिक कार्यक्रम

नैनीताल। विक्रम नव संवत्सर के अवसर पर श्री राम सेवक सभा में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें विधायक सरिता आर्य, नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. सरस्वती खेतवाल, पूर्व विधायक डॉ. नारायण सिंह जंतवाल तथा अधिवक्ता प्रकाश पांडे ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का ऑपचारिक शुभारंभ करने के साथ सभी को नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं।

पंडित भगवती प्रसाद जोशी ने मंत्रोच्चार के साथ रौद्र नामक विक्रम संवत 2083, शक संवत 1948 व युगाब्द 5128 के वर्षफल व राशिफल के साथ इस दिन की महत्ता की जानकारी दी।

सभा के बाल कलाकारों ने महिषासुरमर्दिनी, रक्तबीज, देवी भगवती, नवदुर्गा भजन व सरस्वती वंदना की प्रस्तुतियों से वातावरण को भक्तिमय बनाया तथा शैलपुत्री से सिद्धिदात्री तक नौ शक्तियों पर नाट्य प्रस्तुति भी दी। इस अवसर पर गत दिनों 30वें फागोत्सव के दौरान कुर्मांचल नगर सहकारी बैंक लिमिटेड के सहयोग से आयोजित फोटोग्राफी प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। डॉ. मोहित सनवाल को 7500 रुपये का प्रथम, शमशेर सिंह शम्भू को 5000 रुपये का द्वितीय, मौलिक सनवाल को 3500 रुपये का तृतीय तथा सुरेश कांडपाल, कल्याणी तिवारी, विमल जोशी व प्रमोद कुमार को 1000 रुपये के सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए। बताया गया कि फागोत्सव के अंतर्गत आयोजित फोटोग्राफी प्रतियोगिता के चयनित चित्रों की प्रदर्शनी सभा भवन में लगाई गई है, जिसका उद्घाटन नगरपालिका अध्यक्ष डॉ. सरस्वती खेतवाल ने किया। यह प्रदर्शनी 20 मार्च तक दर्शकों के लिए खुली रहेगी।

बस दुर्घटना की होगी मजिस्ट्रियल जांच

जन एक्सप्रेस | संवाददाता

पौड़ी गढ़वाल। जनपद में हुई बस दुर्घटना के मामले में जिला मजिस्ट्रेट ने मजिस्ट्रियल जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। दुर्घटना में चार लोग घायल हुए हैं, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

10 मार्च 2026 को शाम करीब 5:20 बजे कोटद्वार से तोल्यूंडांडा जा रही जीएमओयू लिमिटेड की बस पट्टी पैठाणी-03, तहसील रिखणीखाल क्षेत्र में अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। घटना के समय बस में 15 यात्री सवार थे, जिनमें से चार घायल हो गए।

घटना को गंभीरता से लेते हुए जिला मजिस्ट्रेट स्वाति एस. भदौरिया द्वारा उप जिला मजिस्ट्रेट लैंसडाउन को मजिस्ट्रियल जांच के लिये नामित किया गया है। जिला मजिस्ट्रेट ने निर्देश दिए हैं कि दुर्घटना के कारणों की गहनता से जांच करते हुए 15 दिन के भीतर आख्या प्रस्तुत की जाय।

उन्होंने कहा कि जांच रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

उन्होंने आम जनता से अपील की है कि यदि किसी को इस संबंध में कोई भी जानकारी प्राप्त हो, तो वे तत्काल तहसील लैंसडाउन के कार्यालय में सूचित करें, जिससे आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

लोनिवि के प्रस्तावों को संस्तुति प्रदान की गई

जन एक्सप्रेस | संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन की अध्यक्षता में गुरुवार को सचिवालय में व्यय वित्त समिति की बैठक हुई। बैठक के दौरान शहरी विकास विभाग, पेयजल विभाग एवं लोक निर्माण विभाग के विभिन्न प्रस्तावों को संस्तुति प्रदान की गई।

मुख्य सचिव ने शहरी विकास विभाग की नीलकंठ महादेव (पौड़ी गढ़वाल) एवं रामनगर (नैनीताल) में मल्टीस्टोरी पार्किंग निर्माण कार्य को मंजूरी प्रदान करते हुए पार्किंग निर्माण गाइडलाइंस का अनुपालन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने नीलकंठ महादेव मल्टीस्टोरी पार्किंग (कुल लागत 5183.65 लाख) एवं रामनगर, नैनीताल मल्टीस्टोरी पार्किंग (कुल लागत 3857.64 लाख) में प्रवेश एवं निकासी के लिए टर्निंग रेडियस सहित अन्य तकनीकी पहलुओं का विशेष ख्याल रखे जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने नीलकंठ महादेव में पार्किंग भूमि का जियोटेक्निकल सर्वे भी अनिवार्य रूप से कराए जाने की बात भी कही। साथ ही बिल्डिंग के फसाड के सौंदर्यीकरण का विशेष ध्यान रखे जाने के निर्देश भी दिए।

मुख्य सचिव ने पेयजल विभाग के कुल 4 प्रस्तावों (3 पेयजल परियोजनाओं-पीपलकोटी नगर पंचायत पेयजल योजना कुल लागत 2438.32 लाख, तिलवाड़ा नगर पंचायत पेयजल योजना कुल लागत 3986.24 लाख एवं ऊखीमठ नगर पंचायत पेयजल योजना कुल लागत 2578.52 लाख) एवं लालकुआं नगर पंचायत सीवरलाइन परियोजना (कुल लागत 37.95 लाख) को भी संस्तुति प्रदान की। उन्होंने ग्रेविटी आधारित पेयजल परियोजनाओं में मीटर लगाए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने सीवर लाइन परियोजना को पूर्ण किए जाने हेतु समयसीमा भी निर्धारित करते हुए लगातार मॉनिटरिंग किए जाने के निर्देश दिए। समिति द्वारा लोक निर्माण विभाग की काठगोदाम बाईपास मार्ग राष्ट्रीय राजमार्ग के अंतर्गत 3.500 किमी0 मार्ग एवं इसमें 75 मी0 स्पान का सेतु निर्माण (कुल लागत 1177.93 लाख) को भी मंजूरी प्रदान की गई।।

वासंतीय नवरात्रि का हुआ दिव्य एवं भव्य शुभारंभ

जन एक्सप्रेस | संवाददाता

पौड़ी गढ़वाल। अत्यंत श्रद्धा, आस्था और उल्लास के साथ कोट विकासखंड के प्रसिद्ध सिद्धपीठ मां भुवनेश्वरी धाम में वसंतिया नवरात्रि का शुभारंभ अत्यंत भव्य रूप में हुआ। प्रथम दिवस पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ ने सम्पूर्ण क्षेत्र को भक्तिमय बना दिया, जहां हर ओर जय माता दी के जयघोष गूंज उठे।

प्रथम दिवस की पावन पूजा माँ भुवनेश्वरी के शैलपुत्री स्वरूप को समर्पित रही। गुरुवार को नवरात्रि के पहले दिन पावन प्रभात में ब्रह्ममुहूर्त के शुभ क्षणों में मंदिर के मुख्य पुजारी ने पारंपरिक वाद्य यंत्रों की मंगल ध्वनि के बीच गर्भगृह में प्रवेश कर मां भगवती का पूजन-अर्चन प्रारम्भ किया। इसके बाद विधि-विधान से चंडी पाठ का शुभारम्भ हुआ, जिससे सम्पूर्ण क्षेत्र भक्तिमय ऊर्जा से आलोकित हो उठा। मंदिर समिति के पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का शुभारंभ किया गया, जिसने आयोजन को और भी गरिमा प्रदान की। भजन प्रतियोगिता में विभिन्न टीमों ने जिसमे आस्था मंडली जसकोट नागराज नमंडली रैदुल, महिला मंगलदल ने अपनी सुरमयी प्रस्तुतियों से वातावरण को भक्तिरस में डुबो दिया, वहीं प्रवचन प्रतियोगिता में विद्यालय के छात्र आयुष्मान ने कालिमठ और हेमन्त ने सिद्धबली पर अपने ओजस्वी वचनों से सभी श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. नवीन ममगाईं ने बताया कि यह धार्मिक एवं सांस्कृतिक श्रृंखला 25 मार्च तक निरंतर चलती रहेगी।

होटलों पर छापा मारकर पांच घरेलू गैस सिलेंडर किए जब्त

जन एक्सप्रेस | संवाददाता

हरिद्वार। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देश पर जिला पूर्ति विभाग ने गुरुवार को शहर में रेलवे स्टेशन के पास कई होटलों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर छापा मारा। इस कार्रवाई के दौरान आपूर्ति विभाग के कर्मचारियों ने पांच घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए है।

जिला पूर्ति अधिकारी मुकेश पाल ने आज शाम को बताया कि जिलाधिकारी का निर्देश है कि घरेलू गैस का व्यापारिक इस्तेमाल किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होगा। पकड़े जाने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसी के तहत आज नगर के रेलवे स्टेशना के पास के कई होटलों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर छापा मारा। इस छापेमारी से हड़कंप मच गया।

उन्होंने बताया कि इस कार्रवाई में पांच घरेलू गैस सिलेंडरों को दुरुपयोग करने पर जब्त कर लिया गया है।

मंत्री गणेश जोशी ने किया विकास कार्यों का लोकार्पण

जन एक्सप्रेस | संवाददाता

मसूरी। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने मसूरी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बांडावाली स्थित सामुदायिक भवन में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। जिसमें 163.80 लाख के कार्यों का शिलान्यास तथा 28.67 लाख के कार्यों का लोकार्पण शामिल है।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण किए जाएं, ताकि आम जनता को इन योजनाओं का शीघ्र लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार जन जन की सरकार जन के द्वार ध्येय वाक्य के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गांव-गांव तक सड़क, सुरक्षा एवं बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि मसूरी विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन कार्यों के पूर्ण होने से क्षेत्र में आवागमन सुगम होगा तथा स्थानीय लोगों के जीवन स्तर में सुधार आएगा।

कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायत धनौला के बांडावाली में 28.67 लाख की लागत से निर्मित सामुदायिक भवन का लोकार्पण भी किया गया, जिससे क्षेत्रीय जनता को सामाजिक एवं सामुदायिक गतिविधियों के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी। शिलान्यास किए गए कार्यों में विभिन्न ग्राम पंचायतो मोटीधार, नालीकला, गढ़ बुरासखण्डा, सिल्ला, सरोना, छमरौली, क्यारा, फुलेत, सेरागांव, धनौला, कार्लीगाड, सेरकी, तिमली मानसिंह, चलचला एवं कैरवान करनपुर में संपर्क मार्ग निर्माण कार्य शामिल हैं।

पर्यटन नगरी में बारिश से जन जीवन प्रभावित

जन एक्सप्रेस | संवाददाता

मसूरी। पर्यटन नगरी में बारिश होने से आम जन जीवन प्रभावित हो गया। सुबह करीब चार बजे से बारिश शुरू हो गयी थी लेकिन नौ बजे प्रातः बारिश बंद हो गयी व उसके बाद दोपहर में फिर से बारिश होने से ठंड बढ गयी जिससे लोगों को गर्म कपड़े पहनने पर मजबूर कर दिया। सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों को हुई जो ठंड में परेशान दिखे, वहीं बारिश के कारण बाजारों से भी रौनक गायब रही वहीं रूक रूक कर बारिश होती रही। दुकानदारों ने हीटर व आग के सहारे दिन काटा वहीं अधिकतर लोग घरों से नहीं निकले केवल काम करने वाले ही बाहर निकले।

पुरोला में बाल श्रम के खिलाफ छापेमारी

■ चार प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई, भिक्षावृत्ति का मामला नहीं मिला

जन एक्सप्रेस | संवाददाता

पुरोला। नगर क्षेत्र में बाल श्रम और भिक्षावृत्ति की रोकथाम के लिए गठित जनपद स्तरीय टास्क फोर्स टीम ने गुरुवार को व्यापक छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान विभिन्न व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की जांच की गई, जिसमें बाल श्रम अधिनियम के उल्लंघन पर चार लोगों के चालान किए गए।

छापेमारी के दौरान किसी भी प्रकार की भिक्षावृत्ति का मामला सामने नहीं आया, जिससे प्रशासन ने राहत जताई। टीम ने सभी दुकानदारों और व्यावसायिक संस्थानों को सख्त निर्देश दिए कि वे बाल श्रम न करवाएं और यदि कहीं बाल श्रम या भिक्षावृत्ति की जानकारी मिले तो तुरंत प्रशासन को सूचित करें।

यह कार्रवाई बाल एवं किशोर श्रम (निषेध एवं विनियमन) अधिनियम 1986 संशोधन 2016 के तहत की गई। अधिकारियों ने अधिनियम का पूर्ण पालन सुनिश्चित करने और समाज में जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। अभियान में श्रम प्रवर्तन अधिकारी मोनिका चिलवाल, खंड शिक्षा अधिकारी पूजा नेगी, जिला प्रोबेशन अधिकारी रघुवीर बिष्ट, बाल कल्याण समिति अध्यक्ष पुष्पा चौहान, सदस्य पमिता थपलिया, चाइल्ड हेल्पलाइन के परियोजना समन्वयक अनूप रतूड़ी तथा स्थानीय पुलिसकर्मी सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। प्रशासन की इस कार्रवाई को बाल श्रम उन्मूलन की दिशा में एक सख्त और जरूरी कदम माना जा रहा ।

पुलिस ने मसूरी में चलाया सत्यापन अभियान

जन एक्सप्रेस | संवाददाता

मसूरी। उत्तराखण्ड पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार राज्य में बाहरी व्यक्तियों, किरायेदारो, श्रमिको, होम-स्टे, आश्रम, हॉस्टल, होटल एवं अन्य संस्थानों में निवासरत व्यक्तियों के सत्यापन हेतु एक माह तक विशेष ऑपरेशन क्रैक डाउन सत्यापन अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही अपराधों की रोकथाम के दृष्टिगत आकस्मिक चेकिंग अभियान संचालित करने के आदेश दिए गए हैं।

आदेश के अनुपालन में प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र चौहान के पर्यवेक्षण में थाना क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर पुलिस टीम ने आकस्मिक चेकिंग एवं सत्यापन अभियान चलाया। अभियान के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों एवं वस्तुओं की चेकिंग की गई तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई। सत्यापन टीम द्वारा मकान मालिकों, होम-स्टे संचालकों, होटल संचालकों एवं स्थानीय निवासियों को किरायेदारों, कर्मचारियों एवं बाहरी व्यक्तियों एवं कबाड़ियों का अनिवार्य पुलिस सत्यापन कराने हेतु जागरूक किया गया। सत्यापन न कराने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई भी की गई। अभियान के अंतर्गत कुल 22 व्यक्तियों का सत्यापन किया गया। जिसमें पुलिस एक्ट की धारा 83 के अंतर्गत 1 चालान कर 10 हजार का अर्थदंड न्यायालय को प्रेषित किया गया। वहीं पुलिस एक्ट की धारा 81 के अंतर्गत 5 चालान कर 1500 संयोजन शुल्क मौके पर वसूला गया। मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई 22 संयोजन चालान, कुल 13500 वसूले गए साथ ही 2 चालान न्यायालय को प्रेषित किए गए। इसके साथ ही 20 चालान नो पार्किंग मे खड़े वाहनो का किया गया। यह अभियान क्षेत्र में कानून व्यवस्था सुदृढ़ करने, आपराधिक पृष्ठभूमि छिपाकर रह रहे संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान करने तथा संभावित आपराधिक गतिविधियों की रोकथाम के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। कोतवाली मसूरी पुलिस ने आम जनता से अपील की जाती है कि अपने यहां निवासरत किरायेदारों, कर्मचारियों एवं बाहरी व्यक्तियों का शीघ्र पुलिस सत्यापन अवश्य कराएं। सत्यापन न कराने पर नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही यातायात नियमों का पालन करें। सत्यापन एवं आकस्मिक चेकिंग अभियान आगामी अवधि तक निरंतर जारी रहेगा।

अंतर-महाविद्यालयी प्रतियोगिताएं शुरू

पौड़ी गढ़वाल। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय की अंतर-महाविद्यालयी शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं शुरू हो गई है। गुरुवार को बतौर मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष रुद्रप्रयाग पूनम कठैत और अति विशिष्ट अतिथि अमित कुमार मैखण्डी, कालीमठ मंदिर के पुजारी ऋषि राम भट्ट ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। प्रतियोगिता में बिड़ला, टिहरी, पौड़ी परिसर समेत डीएवी, डीबीएस, डॉल्फिन सहित 8 टीमें प्रतिभाग कर रही हैं। उदघाटन अवसर पर टीमों ने श्रीनगर शहर से होते हुए बिड़ला परिसर तो सांस्कृतिक झांकी निकाली।

विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों एवं संस्थानों के बीच सुगम संगीत, वादविवाद, काव्यपाठ, शास्त्रीय गायन, समेत विभिन्न साहित्यिक एवं चित्रकला की प्रतिस्पर्धाएँ आयोजित हुई।

वार्षिकोत्सव में प्रतिभागी छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में किया जोरदार अभिनय

प्रतिभाओं की किया गया सम्मानित, सांस्कृतिक कार्यक्रमों से निखरती है प्रतिभागियों की में

जन एक्सप्रेस। बस्ती

हरैया स्थित आकेवीएस स्कूल में गुरुवार की शाम वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन बड़े उत्साह, भव्यता और छात्रों की प्रतिभा के जीवंत प्रदर्शन के साथ मनाया गया। इस भव्य कार्यक्रम की शोभा मुख्य अतिथि दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री, उत्तर प्रदेश गोसेवा आयोग के उपाध्यक्ष, महेश शुक्ला, और अध्यक्ष कवि डा. राम नरेश सिंह 'मंजुल जी' ने बढ़ाई, जिनकी उपस्थिति ने इस अवसर को गरिमा और प्रेरणा प्रदान की।

कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना के साथ हुई, जिसने शाम की एक सुंदर और शांत शुरुआत की। उप-प्रधानाचार्य हर्षिता सिंह ने मुख्य अतिथि, अध्यक्ष और सभी विशिष्ट अतिथियों का हार्दिक स्वागत किया। उनके संबोधन ने कार्यक्रम के लिए एक सकारात्मक माहौल बनाया और शिक्षा में सांस्कृतिक गतिविधियों के महत्व पर प्रकाश डाला।

सांस्कृतिक खंड में विभिन्न प्रकार के प्रदर्शन शामिल थे, जो छात्रों की रचनात्मकता, तालमेल और समर्पण को दर्शाते थे। 'घुंघरू', पंजाबी गीत 'तारा-रा-रा' और 'बुम्ब्रो-बुम्ब्रो' जैसे गीतों पर नृत्य प्रदर्शनों ने दर्शकों में जोश भर दिया। 'पढ़ो लिखो' और 'बसंत गीत' जैसी शैक्षिक और विषय-आधारित प्रस्तुतियों ने सार्थक संदेश दिए। दर्शकों का मनोरंजन कव्वाली, कृष्ण गीत, हरियाणवी मैशअप जैसे प्रदर्शनों से भी किया गया। एक बेहतरीन ढंग से प्रस्तुत नाटक ने एक सशक्त सामाजिक संदेश देकर कार्यक्रम में और गहराई जोड़ दी। शाम के सबसे उल्लेखनीय आकर्षण 'बिरहा' और 'कवि सम्मेलन' थे, जिन्होंने अपनी भावपूर्ण प्रस्तुति और पारंपरिक अपील से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। ये प्रदर्शन अपनी मौलिकता के कारण सबसे अलग रहे और उपस्थित सभी लोगों से उन्हें भरपूर सराहना मिली। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में, छात्रों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करने के स्कूल के प्रयासों की सराहना की और उन्हें उत्कृष्टता के लिए लगातार प्रयास करते रहने के लिए प्रोत्साहित किया। अध्यक्ष राम नरेश सिंह 'मंजुल जी' ने भी सभा को संबोधित किया और शिक्षकों, छात्रों के समर्पण के साथ-साथ इतने सफल कार्यक्रम के आयोजन के लिए स्कूल प्रबंधन की भी प्रशंसा की।

दिन भर के प्रदर्शनों के आधार पर, 'बिरहा' और 'कवि सम्मेलन' ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि 'सरस्वती वंदना' और 'स्वागत गीत' को द्वितीय स्थान से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम का समापन प्रिंसिपल श्री विकास पांडे द्वारा दिए गए हार्दिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ; उन्होंने वार्षिक समारोह को यादगार और भव्य रूप से सफल बनाने में अपने बहुमूल्य सहयोग और योगदान के लिए मुख्य अतिथि, चेयरपर्सन, स्टाफ सदस्यों, विद्यार्थियों और अभिभावकों के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की।

सुजीत की मौत से पत्नी का मिटा सिंदूर, बच्चे हुए अनाथ

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

खुटहन शाहपुर सानी गांव निवासी 43 वर्षीय सुजीत निषाद पुत्र हौसिला पेड़ की डाल गिरने से घायल होने के बाद उपचार के लिए वाराणसी ले जाते समय रास्ते में हुई मौत की खबर से पूरे गांव में शोक छा गया। घटना से जहां पत्नी की मांग उजड़ गई वहीं चार बच्चे अनाथ हो गए। प्रकृति के क्रूर हाथों ने बृद्ध हो चुकी मां के बुढ़ापे की लाठी छीन लिया। शुक्रवार को जैसे ही उनका शव गांव पहुंचा, पूरे गांव का माहौल गमगीन हो उठा। पांच भाइयों में सबसे बड़े सुजीत का शव घर पहुंचते ही स्वजनों में चीख-पुकार मच गई। पत्नी पूनम देवी पति के शव से लिपटकर बार-बार बेसुध हो जा रही थीं। उनकी करुण पुकार सुनकर मौजूद लोगों की आंखें नम हो गई। 19 वर्षीय बेटी रागिनी और 15 वर्षीय चांदनी पिता को याद कर फूट-फूटकर रोती रहीं, जबकि 17 वर्षीय बेटा रवी और 11 वर्षीय आदित्य का भी रो-रोकर बुरा हाल था। वृद्ध मां सोनवर्षा अपने बेटे के शव को देख बिलखती रहीं। पूरे गांव में मातम पसरा रहा और हर किसी की जुबां पर एक ही बात थी– 'अब इस परिवार का सहारा कौन बनेगा? बताया जाता है कि सुजीत गुरुवार को बदलापुर क्षेत्र के बड़ेरी गांव स्थित एक बाग में पेड़ों की छंटाई कर रहे थे। तभी अचानक एक डाल उनके सिर पर गिर गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें सीएचसी बदलापुर, फिर जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर किया गया था। रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। बदलापुर थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

क्लासरूम बना अखाड़ा! बच्चों के सामने शिक्षिकाओं में मारपीट, वीडियो वायरल

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

जिले के शाहगंज ब्लॉक के कुहिया कम्पोजिट विद्यालय में शिक्षा का मंदिर उस वक्त शर्मसार हो गया, जब क्लासरूम ही अखाड़े में तब्दील हो गया। बच्चों के सामने ही दो शिक्षिकाओं के बीच जमकर धक्का-मुक्की और तीखी नोकझोंक का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे शिक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं।

मामले में विद्यालय की प्रधानाध्यापिका अनीता गुप्ता ने सहायक अध्यापिका पर मारपीट और अभद्रता का गंभीर आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी है। आरोप है कि घटना के छह दिन बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, जिससे नाराज प्रधानाध्यापिका बुधवार को एसपी कार्यालय पहुंचकर न्याय की गुहार लगाने को मजबूर हो गई।

मीडिया से बातचीत में उन्होंने बताया कि 13 मार्च 2026 की सुबह करीब 9:02 बजे, विद्यालय परिसर में अचानक विवाद शुरू हुआ। आरोप है कि सहायक शिक्षिका ने बिना किसी कारण के अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हुए विवाद बढ़ाया और वीडियो बनाए जाने का विरोध करते हुए मारपीट पर उतारू हो गई।

प्रधानाध्यापिका का कहना है कि उन्हें बच्चों के सामने धक्का देकर गिराया गया और हाथापाई की गई, जिससे उन्हें चोटें भी आईं।

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि पूरी घटना स्कूल में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद बताई जा रही है, जिसे साक्ष्य के तौर पर प्रस्तुत करने की बात कही गई है।

पीड़िता ने संबंधित शिक्षिका के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि इस तरह की घटनाएं न केवल विद्यालय का माहौल बिगाड़ रही हैं, बल्कि मासूम बच्चों के मानसिक विकास पर भी गहरा असर डाल रही हैं।

वहीं, शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने मामले को गंभीर बताते हुए कहा है कि प्रार्थना पत्र प्राप्त हो गया है और जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, वायरल वीडियो ने पूरे जिले में हड़कंप मचा दिया है और लोग सवाल उठा रहे हैं–क्या अब स्कूलों में भी सुरक्षित नहीं रहा अनुशासन।

चैत्र नवरात्रि के पहले दिन मां शीतला माता धाम में भक्तों का उमड़ जनसैलाब

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व का आज उत्साहपूर्वक आगाज़ हो गया है।

जनपद के प्रसिद्ध शक्तिपीठ माँ शीतला चौकिया धाम में सुबह से ही भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है।

नवरात्रि के प्रथम दिन माँ शैलपुत्री के दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालु लंबी-लंबी कतारों में अपनी बारी का इंतज़ार करते दिखे। धाम के महंत विनय त्रिपाठी ने सभी देशवासियों और मीडिया जगत को नवरात्रि की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने मंदिर परिसर में चल रहे सुंदरीकरण और कॉरिडोर निर्माण को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और स्थानीय प्रशासन का विशेष आभार व्यक्त किया। महंत जी ने कहा, 'हमारे पूर्वजों के समय से हमने मंदिर को जिस रूप में देखा था, आज उसका कायाकल्प होते देख मन अत्यंत प्रसन्न है। मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में सनातन संस्कृति को जो सम्मान और विस्तार मिल रहा है, वह सराहनीय है। मंदिर प्रशासन और स्थानीय प्रशासन द्वारा सुरक्षा और सुविधाओं के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। महंत विनय त्रिपाठी ने बताया कि:आरती: भोर में 4:15 बजे भव्य मंगला आरती के साथ मंदिर के कपाट भक्तों के लिए खोल दिए गए।

प्रसाद वितरण: नवरात्रि के दौरान मंदिर की ओर से श्रद्धालुओं के लिए 'फलाहार' प्रसाद वितरण की भी योजना बनाई गई है। सुरक्षा: हज़ारों की संख्या में आ रहे भक्तों की सुविधा के लिए पुलिस बल मुस्तैद है। महंत जी के अनुसार, आज गुरुवार होने के कारण भीड़ सामान्य से कुछ अधिक है, लेकिन असली भीड़ सप्तमी, अष्टमी और नवमी को देखने को मिलता है। अनुमान है कि नवमी के दिन लगभग 5 से 7 लाख श्रद्धालु माता के दरबार में मत्था टेकेंगे।

जौनपुर में विज़मनी की नई शाखा का शुभारंभ, देशभर में 339वीं ब्रांच के साथ बढ़ाया विस्तार

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

वित्तीय सेवा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी विज़मोनी (पूर्व में यूनिमनी) ने जौनपुर में अपनी नई शाखा का भव्य उद्घाटन कर राष्ट्रीय स्तर पर अपने विस्तार को नई गति दी है। यह शाखा कंपनी की देशभर में 339वीं तथा उत्तर प्रदेश में 12वीं शाखा के रूप में स्थापित हुई है।

शहर के सिविल लाइन क्षेत्र स्थित कात्यानी टावर के भूतल पर शुरू हुई यह शाखा ग्राहकों को एक ही स्थान पर स्वर्ण ऋण, विदेशी मुद्रा विनिमय, अंतरराष्ट्रीय प्रेषण और यात्रा संबंधी व्यापक सेवाएं उपलब्ध कराएगी। कंपनी का उद्देश्य स्थानीय समुदाय तक आधुनिक और सुलभ वित्तीय सेवाएं पहुंचाना है।

शाखा का उद्घाटन वाइस प्रेसिडेंट एवं जोनल हेड (ईस्ट इंडिया) आशुतोष कुमार, क्षेत्रीय प्रमुख (उत्तर प्रदेश) रोहित कुमार श्रीवास्तव, शाखा प्रमुख श्याम किशोर मल्ल एवं उनकी टीम द्वारा विशिष्ट अतिथियों और ग्राहकों की उपस्थिति में किया गया।

इस अवसर पर आशुतोष कुमार ने कहा कि उत्तर प्रदेश में यह उनकी 12वीं शाखा है, जो कंपनी के विस्तार के मिशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि जौनपुर जैसे उभरते क्षेत्र में निवेश करना कंपनी के विश्वास और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। 'हम यहां केवल एक कार्यालय नहीं खोल रहे हैं, बल्कि स्थानीय समुदाय के साथ एक मजबूत साझेदारी स्थापित कर रहे हैं, जहां ग्राहकों को उनकी सभी वित्तीय जरूरतों के लिए एक ही स्थान पर समाधान मिलेगा।

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत कंपनी ने शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में पहल करते हुए मियापुर स्थित एक विद्यालय में आरओ वाटर प्यूरीफायर एवं छात्रों को स्कूल बैग भी वितरित किए।

विज़मोनी, जो पहले यूनिमोनी के नाम से जानी जाती थी, एक विश्वसनीय एनबीएफसी और एडी-लाइसेंस प्राप्त वित्तीय सेवा प्रदाता है। कंपनी देशभर में 300 से अधिक शाखाओं के माध्यम से गोल्ड लोन, विदेशी मुद्रा, विदेश में धन प्रेषण, मल्टी-करेंसी ट्रैवल कार्ड, डिजिटल पेमेंट, वॉलेट और बीमा जैसी सेवाएं प्रदान करती है। यूएई और भारत में मुख्यालय वाली वैश्विक फिनटेक कंपनी विज़ फाइनेंशियल का हिस्सा विज़मोनी उन्नत तकनीक और एआई आधारित समाधानों के माध्यम से ग्राहकों को सुरक्षित और सुविधाजनक वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

शैलेन्द्र के उपाध्यक्ष पद पर विजयी होने से हर्ष का माहौल

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

शाहगंज वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के शिक्षक संघ के चुनाव में उपाध्यक्ष पद पर डॉ. शैलेन्द्र मणि त्रिपाठी के विजयी होने पर महाविद्यालय परिवार समेत क्षेत्र में हर्ष का माहौल छा गया है।इस बाबत डॉ त्रिपाठी ने सभी के प्रति आभार जताया।

गौरतलब हो कि शाहगंज स्थित गन्ना कृषक महाविद्यालय, शाहगंज के हिंदी विभाग में बतौर असिस्टेंट प्रोफ़ेसर पद पर तैनात डॉ.शैलेन्द्र मणि त्रिपाठी अभी हाल में पूर्वांचल विश्वविद्यालय के शिक्षक संघ के चुनाव में उपाध्यक्ष पद पर विजयी घोषित हुए।प्रयागराज के उमरिया बादल गैंदा निवासी डॉ त्रिपाठी बचपन से ही मिलनसार और मृदुभाषी प्रवृत्ति के जाने जाते हैं।आप नेतृत्व क्षमता के अदम्य धनी भी हैं। इन्हीं गुणों के चलते छात्र जीवन से ही छात्रों का भी नेतृत्व करते रहे।आपकी प्रारंभिक शिक्षा शिक्षा दीक्षा गांव के प्राथमिक विद्यालय से और उच्च शिक्षा इलाहाबाद विश्वविद्यालय से हुई । बहरहाल इस बाबत जानकारी होते ही महाविद्यालय परिवार समेत क्षेत्र में हर्ष का माहौल छा गया।

इस जीत पर महाविद्यालय की प्रबंधक श्रीमती मीना सिंह यादव, प्राचार्य डॉ. सुधाकर सिंह, असिस्टेंट प्रोफ़ेसर वीरेन्द्र कुमार, प्रोफेसर रामशब्द,डॉ. नितेश अग्निहोत्री, डॉ.आकांक्षा ने बधाई दिया।साथ ही साथ क्षेत्र के वरिष्ठ पत्रकार राजेश चौबे,डाक्टर आलोक सिंह पालीवाल, पंकज सिंह,राहुल राज मिश्र आदि ने मिठाई खिलाकर बधाई दिया।

संदिग्ध परिस्थितियों में मढहे में लगी आग युवक झुलसा उपचार के दौरान मौत

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

जौनपुर सुजानगंज थाना क्षेत्र के सखाद्धपुर गांव में बीती रात लगभग 12:30 बजे संदिग्ध परिस्थितियों में मढहे में आग लग गई जिसमें सोया हुआ शिवम गौड़ उम्र 20 वर्ष पुत्र रामजी गौड़ बुरी तरीके से झूल गया आनंन फानन में 108 एंबुलेंस द्वारा उसे जिला अस्पताल जौनपुर लाया गया जहां पर आज बृहस्पतिवार की सुबह लगभग 7:00 बजे उपचार के दौरान मौत हो गई प्राप्त जानकारी के अनुसार परिजनों का आरोप है कि बीती रात तीन संदिग्ध व्यक्तियों ने मढहे में आग लगा दी जहां पर युवक बुरी तरीके से झूलस गया बगल में सटे तीन मढहे भी झुलस गए सुजानगज पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है आगे की कार्रवाई कर रही है।

आवास योजना की फाइलों को निस्तारित कराने की मांग

पूर्व विधायक ने डीएम को भेजा पत्र

जन एक्सप्रेस। बस्ती

भारतीय जनता पार्टी के पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने जिलाधिकारी को पत्र देकर प्रधानमंत्री शहरी योजना के अन्तर्गत नगर पंचायत भानपुर एवं नगर पंचायत रूधौली में जांचोपरान्त लम्बित फाइलो को शीघ्र निस्तारित कराये जाने का आग्रह किया है।

डीएम को भेजे पत्र में पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने कहा है कि विधानसभा क्षेत्र 309 रुधौली में क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान नगर पंचायत भानपुर एवं नगर पंचायत रुधौली नागरिकों ने उन्हें बताया कि प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना अन्तर्गत लगभग 1100 से 1200 पात्र लाभार्थियों का नामित कमेटी द्वारा भौतिक सत्यापन किये जाने के उपरान्त अभी तक पत्रावली तहसील स्तर पर लम्बित है।

इसके अलावा आवास हेतु पोर्टल पर हुए ऑनलाइन आवेदनों के निस्तारण एवं अग्रेतर की कार्यवाही विभागीय स्तर पर लम्बित है।

जबकि प्रधानमंत्री जी की मंशा है, कि सभी पात्र लाभार्थियों के पास अपना पक्का मकान हो,

परन्तु जिम्मेदारो द्वारा अपने कार्य के प्रति उदासीनता के चलते आम जनता में असन्तोष बढ़ रहा है।

ऐसे में दोनो तहसील स्तर पर लम्बित आख्या निस्तारण कर अग्रिम कार्यवाही हेतु डूडा को अतिशीघ्र प्रेषित किये जाने एवं छूटे हुए पात्र लाभार्थियों को सूची में शामिल कराने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कराया जाय।

चैत्र नवरात्रि का आगाज़: मां शीतला देवी मंदिर में उमड़ा भक्तों का जनसैलाब महंत विवेकानंद ने दिया जानकारी

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व के प्रथम दिन आज जौनपुर के प्रसिद्ध सिद्धपीठ मां शीतला चौकिया धाम में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली।

श्रद्धालु मां के दर्शन के लिए लंबी कतारों में खड़े नजर आए।

भोर से ही शुरू हुआ दर्शन का सिलसिला

मंदिर के महंत विवेकानंद ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि नवरात्रि के पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा-अर्चना की जा रही है।

उन्होंने कहा:

आज सुबह लगभग 3:00 बजे से ही दर्शनार्थियों का रेला उमड़ पड़ा था। सुबह 4:00 बजे मंदिर के कपाट खोले गए और 4:30 बजे की दिव्य आरती के बाद श्रद्धालुओं के लिए दर्शन सुचारू रूप से प्रारंभ कर दिए गए। '

प्रशासनिक व्यवस्था चाक-चौबंद

महंत जी ने मंदिर परिसर और सुरक्षा व्यवस्था पर जिला प्रशासन का आभार जताया।

उन्होंने बताया कि:

सुरक्षा व्यवस्था: पुलिस बल चप्पे-चप्पे पर तैनात है।

पुलिस प्रशासन तैनाती: सादी वर्दी में भी पुलिसकर्मी और महिला कांस्टेबल भीड़ को नियंत्रित करने और सुरक्षा सुनिश्चित करने में जुटे हैं।

सुगम दर्शन: सुबह 8:30 बजे तक करीब 5 से 6 हजार श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं और प्रशासन की मुस्तैदी के कारण दर्शन बहुत ही शांतिपूर्ण और सुगम तरीके से हो रहे हैं।

मां शैलपुत्री का श्रृंगार महंत जी ने भक्तों को जानकारी देते हुए बताया कि मां शैलपुत्री को सफेद पुष्प, सफेद वस्त्र और सफेद मिष्ठान अत्यंत प्रिय हैं। मंदिर में मां का भव्य श्रृंगार सफेद फूलों से किया गया है, जो आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। श्रद्धालु जयकारों के साथ मां का आशीर्वाद ले रहे हैं और पूरे चौकिया धाम परिसर में भक्तिमय माहौल बना हुआ है।

विवाहिता ने लगाई फांसी मौत 8 महीने पहले हुई थी शादी

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

जौनपुर लाइन बाजार थाना क्षेत्र के चकमहान सीहापुर बीती रात लगभग 11:00 बजे सेजल यादव उम्र लगभग 23 वर्ष पत्नी सचिन यादव अपने कमरे मे पंखे के सहारे दुपट्टा से फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली प्राप्त जानकारी के अनुसार सेजल यादव का विवाह 8 महीना पूर्व सिहीपुर चकमहान सचिन यादव से हुई थी मायके वालों ने बताया कि सेजल की तबीयत कुछ दिनों से ठीक नहीं थी आए दिन ससुराल वाले सास और नंनद दोनों मिलकर सेजल से झगड़ा करते थे मारपीट करते थे पति उसका एक महीने पहले मुंबई गया है मायके वाले आरोप लगाया कि जब से शादी हुई है हमारी बेटी को मारते पिटते थे और दहेज की मांग करते थे लड़की का मायका बक्सा थाना क्षेत्र के कोहड़े सुल्तानपुर में है।

गोली चूकी तो तमंचे की मुठिया से सिर फोड़ा, युवक गंभीर

जन एक्सप्रेस। जौनपुर। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश ने गुरुवार सुबह खौफनाक रूप ले लिया। दुधौरा चौराहे के पास एक युवक को निशाना बनाते हुए बदमाश ने फायर झोंक दिया। गनीमत रही कि गोली लक्ष्य से चूक गई, लेकिन इसके बाद हमलावर ने तमंचे की मुठिया से युवक के सिर पर ताबड़तोड़ वार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल की पहचान समोधीपुर गांव निवासी 45 वर्षीय लक्ष्मीशंकर यादव के रूप में हुई है। वारदात के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। सूचना पर पहुंची गौराबादशाहपुर थाना पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। शुरुआती पड़ताल में घटना के पीछे पुरानी रंजिश की बात सामने आ रही है। पुलिस आरोपित की तलाश में लगातार दबिश दे रही है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है और लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

नवोदय में चयन से गांव में खुशी की लहर, छात्र हर्ष सिंह का भव्य स्वागत

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

आदमपुर बरसठी कंपोजिट विद्यालय आदमपुर बरसठी के कक्षा 5 के मेधावी छात्र हर्ष सिंह (पुत्र विजय कुमार सिंह) का चयन प्रतिष्ठित नवोदय विद्यालय में होने पर पूरे गांव में खुशी और गर्व का माहौल है।

इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार ने हर्ष सिंह का गर्मजोशी से स्वागत किया।

विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुभाष सरोज ने छात्र का मुंह मीठा कराकर एवं माल्यार्पण कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उपस्थित शिक्षकों और ग्रामीणों ने छात्र की इस सफलता को विद्यालय और क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण बताया।

गांव के लोगों ने हर्ष सिंह को बधाइयां देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और आशा जताई कि वह आगे चलकर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन करेगा।

स्वागत समारोह के दौरान विद्यालय के शिक्षकगण–विनोद कुमार यादव, सजीवन यादव, संदीप सिंह, मनोज राय, त्रिभुवन प्रसाद, नीलम सिंह, शालिनी गुप्ता, नीलम रावत, कंचन यादव तथा ग्राम प्रधान शिवकुमार यादव सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने छात्र के परिश्रम और लगन की सराहना करते हुए अन्य विद्यार्थियों को भी उससे प्रेरणा लेने का संदेश दिया।

हर्ष सिंह की इस सफलता ने न केवल उसके परिवार, बल्कि पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित किया है।

उत्तर रेलवे

शुद्धिपत्र सूचना

संदर्भ:– निविदा सूचना सं: 106–सिग–टेन्डर–69/2025–26 दिनांक: 16.03.2026 के लिये शुद्धिपत्र।

उपरोक्त सन्दर्भित निविदा सूचना जो कि पूर्व में प्रकाशित की गयी है में निम्नलिखित परिवर्तन पढ़े जाये।

आइटम संशोधित

Code	Field Name	Existing Value	Modified Value
EMD	Earnest Money (INR)	4,14,200.00	10,56,900.00

IREPS पर नया टेन्डर डॉक्यूमेंट अपलोड कर दिया गया है। अन्य शर्ते पूर्ववत ही रहेंगी।

सं.: 106–सिग–टेन्डर–69/2025–26 शुद्धिपत्र दिनांक: 18.03.2026 945/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

नवरात्र के शुभारंभ पर शहर को बड़ी सौगात, संकटा देवी-लालपुर मार्ग का हुआ शिलान्यास

संकटा देवी-लालपुर मार्ग होगा चौड़ीकरण के बाद 4 लेन, शहर में जाम, दुर्घटनाओं पर लगेगी रोक

जन एक्सप्रेस। लखीमपुर खीरी

चैत्र नवरात्र के प्रथम दिवस व नव संवत्सर के अवसर पर सीडीओ अभिषेक कुमार की पहल पर शहर को विकास की बड़ी सौगात मिली। संकटा देवी से लालपुर तक मुख्य सड़क मार्ग के फोरलेन निर्माण कार्य का शिलान्यास विधायक सदर योगेश वर्मा और सीडीओ अभिषेक कुमार ने विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर किया। कार्यक्रम का सफल संयोजन लोक निर्माण विभाग प्रांतीय खंड के अधिशासी अभियंता तरुणेन्द्र त्रिपाठी ने किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक योगेश वर्मा ने कहा कि यह परियोजना प्रदेश सरकार के नेतृत्व में जनपद में तेजी से हो रहे विकास कार्यों का एक महत्वपूर्ण कदम है। यह न केवल यातायात को सुगम और सुरक्षित बनाएगी, बल्कि व्यापार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई गति देगी। बताया कि लंबे समय से जाम और संकरी सड़कों से परेशान लोग अब जल्द राहत महसूस करेंगे।

सीडीओ अभिषेक कुमार ने कहा कि निर्माण कार्य को समयबद्ध ढंग से पूरा कराया जाएगा, जिससे आमजन को जल्द बेहतर सड़क सुविधा का लाभ मिलेगा। फोरलेन निर्माण के साथ ही रेलवे क्रॉसिंग पर रोड ओवर ब्रिज की स्वीकृति भी मिली है। इससे रेलवे फाटक पर लगने वाले जाम से निजात मिलेगी और आवागमन अधिक सुरक्षित व सुगम होगा।

बताते चलें कि जिले के लखीमपुर फीडर मार्ग का 3.65 किमी हिस्सा अब 4 लेन में चौड़ा किया जाएगा। यह मार्ग संकटा देवी चौराहा से शुरू होकर पीलीभीत-बस्ती राष्ट्रीय मार्ग (ह्वा-730) तक जाता है और शहर के व्यस्ततम मार्गों में शामिल है। चौड़ीकरण से मंदिर क्षेत्र और आसपास के मोहल्लों में जाम कम होगा, वहीं सैधरी बाईपास, रोडवेज बस स्टैंड और पं0 दीनदयाल इंटर कॉलेज के पास यातायात और सुरक्षित होगा। सरकार ने इसके लिए 3,161.84 लाख रुपये मंजूर किए हैं। काम का शुभारंभ आज हुआ और इसे 15 मार्च 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

शिलान्यास कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों की भीड़ उमड़ी रही। लोगों ने इसे क्षेत्रीय विकास और जीवन की सुविधा की दिशा में ऐतिहासिक पहल बताया और जनप्रतिनिधियों तथा प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

नंदलालपुर गांव मे बाघ की लोकेशन के लिये टीमे मोर्चे पर डटी

जन एक्सप्रेस। गोला गोकर्णनाथ खीरी

विलहरी महेशपुर रेज की आंवला वीट के गांव बाघ के हमले के बाद युवक की मौत हो गई थी।जिसको लेकर वन विभाग के द्वारा बाघ को पकडने के लिये नंदलालपुर गांव व उसके आसपास पास दो पिजडे व आठ नाइट विजन कैमरे लगाये गये है। वही वन विभाग के अनुसार हर भार बाघ अपना रास्ता बदल रहा है इसलिये तीनो टीमे पूर्व रूप से एलर्ट मोड पर काम कर रही है। और बाघ की संभावित मूवमेंट के चलते उसके आस पास कैमरे लगाये गये है। तीनो टीमो के प्रभारी माया प्रकाश वर्मा, विजय सिंह व रोहित कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि तीनो टीमे रात को भी गस्त कर रही है, वही वन क्षेत्राधिकारी निर्भय प्रताप शाही ने बताया की मृतक के परिजनो को मुख्यमन्त्री आपदा से लगभग पांच लाख रूपये के चेक दिये जाने के लिये दस्तावेज मनाये गये है, लगभग ऐक सप्ताह के अन्दर उनको पांच लाख रूपये का चेक किया जायेगा।

अभिभावक गोष्ठी हुई संपन्न

जन एक्सप्रेस। लखीमपुर खीरी

विद्याभारती विद्यालय सनातन धर्म सरस्वती शिशु मंदिर मिश्राना, लखीमपुर-खीरी में कक्षा पंचम के अभिभावकों की अभिभावक गोष्ठी संपन्न हुई। मुख्य अतिथि विनीता त्रिपाठी-राष्ट्रीय स्वयंसेविका समिति, विशिष्ट अतिथि विजय कुमार वर्मा-पूर्व प्रधानाचार्य, कार्यक्रम अध्यक्ष अशोक कुमार मिश्रा-सचिव, साधन सहकारी समिति एवं प्रधानाचार्य मुनेन्द्र दत्त शुक्ल द्वारा मां शारदा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन, पुष्पार्चन एवं वंदना के उपरांत कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। प्रथम सहायक आचार्य श्री ज्ञानेंद्र कुमार बाजपेई ने अतिथियों का स्वागत रोली, बैज एवं स्मृति चिह्न के द्वारा करवाया। प्रधानाचार्य जी ने अभिभावक गोष्ठी के आयोजन का उद्देश्य सभी के समक्ष रखा। श्री विजय शंकर तिवारी आचार्य जी ने शिशुओं के बस्ता पूर्णता, नियोजित गृहकार्य एवं वेश की पूर्णता से संबंधित वार्ता अभिभावकों से की। श्री मनोज दीक्षित जी ने शिशुओं के पौष्टिक आहार एवं आदर्श दिनचर्या संबंधी विचार रखे, वहीं श्री उत्तम कुमार मिश्रा ने सद्संस्कार जागरण, नैतिकता एवं समय पालन विषय पर अपने विचारों का आदान-प्रदान किया।वहीं पर अभिभावकों की तरफ से सुनीता मौर्य, श्री श्याम किशोर मिश्रा, राघवेंद्र अवस्थी ने भी अपने पाल्य के कार्य व्यवहार, संस्कार एवं शैक्षिक प्रगति के बारे में अपने विचार साझा किये। प्रधानाचार्य जी ने अभिभावकों द्वारा रखी गई समस्याओं का निदान सभी के समक्ष रखा। इस अवसर पर विगत वर्षों की सरस्वती प्रतिभा खोज परीक्षा में सत्र 2023-24 में प्रथम स्थान प्राप्त भैया आदर्श मिश्रा एवं तृतीय स्थान प्राप्त भैया धनंजय दीक्षित तथा 2024-25 में प्रथम स्थान प्राप्त भैया मेधांश बाजपेई व द्वितीय स्थान प्राप्त भैया अमितोश मिश्रा को प्रांत द्वारा प्रेषित चेक तथा उनके अभिभावकों को विद्यालय प्रबंध समिति द्वारा स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। विशिष्ट अतिथि ने शिशुओं को मोबाइल खेलने से दूर रखने का सुझाव देते हुए घरों में मर्यादित चित्र लगाने एवं उनके बारे में अवगत कराने का अनुरोध किया। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में बताया कि शिशु के मन में उठ रहे प्रश्नों का समाधान अवश्य प्रस्तुत करें, उन्हें दबायें नहीं। थामस अल्वा एडिसन की कहानी बताते हुए उसे प्रयोगधर्मी बनाने एवं शिवाजी को महान बनाने के पीछे माता जीजाबाई के त्याग एवं समर्थ गुरु रामदास के प्रशिक्षण का उल्लेख किया। कार्यक्रम अध्यक्ष जी ने भी आए हुए अतिथियों को संबोधित किया। कार्यक्रम का समापन शांति मंत्र के साथ हुआ। इस अवसर पर सरस्वती शिशु मंदिर का समस्त आचार्य परिवार उपस्थित रहा।

अधिवक्ता संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ

समारोह गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया

जन एक्सप्रेस। अख्तर अली

निघासन खीरी।निघासन तहसील सभागार में बुधवार को निघासन अधिवक्ता संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में न्यायिक व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे। समारोह के मुख्य अतिथि सिविल जज दिव्यांशु सैनी रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के सदस्य एवं पूर्व अध्यक्ष अजय कुमार शुक्ला तथा जिला अधिवक्ता संघ लखीमपुर खीरी के अध्यक्ष महेंद्र पाल वर्मा शामिल हुए। अतिथियों का अधिवक्ताओं ने स्वागत किया।शपथ ग्रहण समारोह में नवनिर्वाचित अध्यक्ष चंद्रकेश मिश्रा, मंत्री मोहम्मद लतीफ खां सहित अन्य पदाधिकारियों ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। शपथ ग्रहण की प्रक्रिया विशिष्ट अतिथि अजय कुमार शुक्ला ने संपन्न कराई। इस दौरान उपाध्यक्ष अरुण गुप्ता, संयुक्त मंत्री सर्वेश यादव, लेखा परीक्षक अखिल श्रीवास्तव, वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य रमेश भार्गव तथा कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य रमेश भारती ने भी शपथ ली। कार्यक्रम में एसडीएम निघासन राजीव निगम, तहसीलदार दिव्यांशु शाही, सिंगाही नगर पंचायत अध्यक्ष मोहम्मद कयूम और निघासन नगर पंचायत अध्यक्ष बद्री प्रसाद मौर्य की उपस्थिति रही, जिससे समारोह की गरिमा और बढ़ गई।इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि अजय कुमार शुक्ला ने अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन की एकजुटता और मजबूती पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए संगठन का सशक्त होना आवश्यक है। साथ ही उन्होंने न्यायिक व्यवस्था में अधिवक्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला। समारोह के अंत में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें राजेंद्र तिवारी 'कंटक', कमलेश धुरंधर, अमित कैथवार, संदीप कटियार, कृति श्रीवास्तव और प्रशांत पांडेय ने अपने काव्य पाठ से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम में अधिवक्ता संघ के संरक्षक ध्रुव सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता सुबोध पांडे, सर्वेश मिश्रा, उमाकांत जायसवाल, सर्वेश गुप्ता, वीरेंद्र, प्रदीप कश्यप, रामकिशोर वर्मा, सोने लाल लोधी,मो अमीन, मो शकील, रुपेश श्रीवास्तव, हरि ओम गुप्ता,बच्चा लाल कश्यप,उपेंद्र कश्यप, हरिनंदन लाल यादव, राजू गिरी, अनूप राजपूत, आनंद राजपूत चंद्र मूली शुक्ला, सुनील मौर्या, डीके सिंह, प्रमोद यादव, रामगोपाल मौर्या, अरुन यादव,पंकज यादव, धर्मेश यादव, आशीष कश्यप, नवदीप सिंह 'अगस्त्य', राजू गिरी सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे। इस शपथ ग्रहण समारोह ने निघासन अधिवक्ता संघ को एक नई ऊर्जा और दिशा दी है, और अधिवक्ताओं के बीच एकता और सहयोग की भावना को बढ़ावा दिया है।

ग्राम पंचायत बनवीरपुर में आधार सेवा केन्द्र का हुआ उद्घाटन

जन एक्सप्रेस। तिकुनियां खीरी

ग्राम पंचायत बनवीरपुर में ग्राम प्रधान आकाश मित्तल की मेहनत व लगन से आज पंचायत भवन बनवीरपुर में आधार सेवा केन्द्र का उद्घाटन ग्राम प्रधान आकाश मित्तल ने किया।जहां पर 0 से 18 वर्ष तक के लोगों के आधार कार्ड बनेंगे और सभी प्रकार के अपडेट होंगे किसी भी उम्र तक नये आधार कार्ड बनवाने के लिए जन्म प्रमाण आनलाइन वाला होना चाहिए अपडेट के लिए हाईस्कूल प्रमाण पत्र या अन्य प्रुफ।आज उद्घाटन होते ही बुलबुल, अहम कुमार, ध्रुव व अमित कुमार का आधार अपडेट किया गया।वहीं प्रधान आकाश मित्तल ने बताया पूरे निघासन ब्लाक में जों पंचायत अच्छा कार्य कर रही है और पंचायत भवन लगातार खुल रहा और लगातार अच्छे कार्य हों रहें वहां केन्द्र मिलें जिसमें निघासन ब्लाक में ग्राम पंचायत बनवीरपुर,सुथना बरसोला व हरसिंगपुर में आधार सेवा केन्द्र प्राप्त हुआ। जिसका सबसे पहले आज बनवीरपुर में आधार सेवा केन्द्र का उद्घाटन हुआ।

प्रधान ने बताया कि ग्राम पंचायत विकास के लिए मैं हरदम तत्पर्य हूं। बनवीरपुर वासियों व आसपास क्षेत्रों के लोगों को आधार बनवाने में बड़ी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। आधार सेन्टर खुलने से बनवीरपुर व अन्य लोगों को सुविधा मिलेगी। जिससे साफ साफ देखा जा सकता है कि ग्राम प्रधान आकाश मित्तल की मेहनत व लगन से कार्य करने से आज बनवीरपुर में आधार सेवा केन्द्र मिला।

पेराई सत्र में मिल द्वारा 98 लाख 47 हजार कुंतल गन्ने की हुई पेराई

जन एक्सप्रेस। खंभारखेडा खीरी

बजाज हिन्दुस्थान शुगर लिमिटेड चीनी मिल खंभारखेडा द्वारा पेराई सत्र 2025-26 सफलता पूर्वक संपन्न हो गया। इस अवसर पर युनिट हेड अवधेश गुप्ता ने क्षेत्र के समस्त कृषकों, श्रमिकों एवं मिल अधिकारियों को बधाई देते हुए उनके सहयोग के लिए आभार प्रकट किया। युनिट हेड ने बताया कि पेराई सत्र 2025-26 में मिल द्वारा 98 लाख 47 हजार कुंतल गन्ने की पेराई की गई, जो किसानों, मिल के अधिकारियों, कर्मचारियों व मिल प्रबंधन के प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कृषकों से अपील की कि वे अधिक से अधिक क्षेत्रफल में बसंत कालीन गन्ना बुआई करें तथा पेड़ी प्रबंधन पर विशेष ध्यान दें।

इस मौके पर महाप्रबंधक गन्ना पुष्पेन्द्र ढाका ने कृषकों और चीनी मिल के कर्मचारियों एवं अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से 98 लाख 47 हजार कुंतल गन्ने की पेराई हो सकी। उन्होंने कृषकों से अधिक उत्पादन देने वाली गन्ना प्रजाति जैसे 15023,14201,0118 आदि की बुआई करने की सलाह दी।

इस मौके पर ए पी सिंह, आशीष श्रीवास्तव, मोहित अवस्थी, आर के पांडेय सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

भव्य कलश यात्रा का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ हुआ

जन एक्सप्रेस। सिंगाही खीरी

ग्राम सिंगहा खुर्द व कस्बे में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य कलश यात्रा का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। यात्रा का शुभारंभ आचार्यों द्वारा विधि-विधान से पूजन-अर्चन के बाद किया गया। ग्राम सिंगहा खुर्द में गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे आचार्य प्रयागदत्त शास्त्री ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच विधिविधान से पूजा-अर्चना कर कलश यात्रा का शुभारंभ कराया।कलश यात्रा में हजारों की संख्या में महिलाओं और कन्याओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। रंग-बिरंगे परिधानों से सुसज्जित महिलाएं और कन्याएं सिर पर कलश धारण कर गाजे-बाजे और जयघोष के साथ गांव के प्रमुख मार्गो से होकर निकलीं। यात्रा के दौरान पूरे गांव का वातावरण भक्तिमय हो उठा और जगह-जगह ग्रामीणों ने यात्रा का स्वागत किया। कलश यात्रा गांव से होते हुए मोतीपुर जौरहा नदी तट पहुंची, जहां विधिपूर्वक पूजा कर श्रद्धालुओं ने पवित्र जल भरा। इसके बाद महिलाएं और कन्याएं पुनः यज्ञशाला पहुंचीं, जहां विधिविधान से कलशों की स्थापना की गई। इस दौरान भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठानों से वातावरण पूरी तरह श्रद्धामय बना रहा।आयोजन के दौरान ग्रामीणों में विशेष उत्साह देखने को मिला। छोटे-बड़े सभी लोग कार्यक्रम में सक्रिय रूप से शामिल हुए और पूरे गांव में मेले जैसा माहौल रहा। आयोजन को सफल बनाने में प्रधान प्रतिनिधि सहित ग्रामवासियों का सराहनीय योगदान रहा। वहीं व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने के लिए भी ग्रामीणों ने मिलकर जिम्मेदारी निभाई।प्रधानप्रतिनिधि श्याम मोहन दीक्षित ने बताया कि आगामी दिनों में यज्ञ एवं धार्मिक कार्यक्रमों की श्रृंखला जारी रहेगी,जिसमे दिन में रामलीला और रात में कृष्ण लीला का मंचन किया जाएगा। क्षेत्र के समस्त श्रद्धालुगण बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए कार्यक्रम की शोभा बढ़ाये।

नवरात्रि और ईद के संबंध में पीस कमेटी की मीटिंग आहुत

जन एक्सप्रेस। गोला गोकर्णनाथ खीरी

आगामी ईद व नवरात्रि के उपलक्ष्य मे थाना मैलानी की पुलिस चौकी कुकरा मे पीस कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया।इस दौरान थानाध्यक्ष बृजेन्द्र मौर्य ने आये हये सभी लोगो से ईद के त्यौहार को शकुशल व आपसी भाई चारे के साथ सम्पन्न कराने का आह्वान किया। इस दौरान कुकरा चौकी प्रभारी अबलीस पवार ने बताया कि सभी लोगो से यह आग्रह है जहां पहले से ईद नमाज़ अदा की जाती रही है वही पर नमाज़ अदा करे कोई नई परंपरा न डाले, सार्वजानिक अस्थलो पर नमाज़ अदा करने से परहेज करे, नही तो कार्रवाई की जायेगी। वही किसी धार्मिक स्थल मन्दिर आदि पास कोई कुर कुर्बानी न करे, इस अवसर पर तमाम ग्राम प्रधान वीडीसी मेम्बर सभी धर्मो के धर्म गुरू सहित गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

गैस की समस्या नहीं, उपभोक्ता पैनिक होने की वजह से परेशान: ओमप्रकाश द्विवेदी उर्फ भोली

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

बिठूर। वर्तमान समय में एलपीजी गैस को लेकर उपभोक्ताओं की लंबी-लंबी कतारें गैस एजेंसी के बाहर देखी जा सकते हैं। वास्तविकता में गैस की कोई समस्या नहीं है यदि उपभोक्ता नियमानुसार अपनी गैस को इस्तेमाल करें। तो वास्तविकता में गैस की समस्या है ही नहीं।

आपको बताते चलें बीते कुछ दिनों से पूरे भारत में एलपीजी गैस के खत्म होने को लेकर के माहौल सा बना हुआ है। कुछ लोगों का कहना है कि भारत में कुछ ही दिनों की गैस बची हुई है तो कुछ लोग कह रहे हैं कि ऐसा कुछ नहीं है भारत के पास पर्याप्त मात्रा में एलपीजी गैस का भंडारण है। वहीं बीते दिन जन एक्सप्रेस की टीम ने बिठूर में स्थित सावित्री गैस एजेंसी ग्रामीण वितरक केंद्र का स्थलीय निरीक्षण किया। तो देखा कि जैसा सभी गैस एजेंसी में एलपीजी गैस को लेकर मारामारी है वैसा यहां पर कुछ भी देखने को नहीं मिला। यहां पर उपभोक्ताओं को गैस आराम से मिल रही है। इतना ही नहीं एजेंसी में गैस की डिलीवरी करने वाले कर्मचारी आराम से गैस की डिलीवरी कर रहे हैं। एजेंसी के मालिक ओमप्रकाश द्विवेदी उर्फ भोली से जब जाना एक्सप्रेस की टीम ने बातचीत की तो उन्होंने बताया कि बीते दिनों सोशल मीडिया और समाचार पत्रों में जिस प्रकार की भ्रामक खबरें पढ़ने को मिली उसी की वजह से यह समस्या उत्पन्न हुई है।

वास्तविकता में गैस की कहानी कोई किल्लत नहीं है। पहले उपभोक्ता 25 दिनों में अपना गैस का आवेदन किया करते थे और अब उसकी समय सीमा बढ़ा दी गई है। जिसकी वजह से थोड़ी समस्या हो रही है लेकिन हम लोगों के पास गैस पर्याप्त मात्रा में गैस को लेकर कोई भी समस्या नहीं है। केवल पैनिक बटन दबा होने की वजह से सारी समस्या उत्पन्न हो रही है और उपभोक्ता गैस सिलेंडर को लेकर मारामारी कर रहे हैं। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की है कि गैस सिलेंडर को लेकर परेशान ना हो जिस प्रकार गैस की बुकिंग किया करते थे उसी प्रकार उपभोक्ता अपनी गैस को बुक करें ओटीपी आ जाने पर गैस सिलेंडर उनके घरों तक पहुंचा दिया जाएगा।

पनकी में महिला का नहाते हुए युवक ने बनायावीडियो पुलिस आयुक्त ने मुकदमा दर्ज करने दिए निर्देश

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

पनकी में एक पड़ोसी युवक ने महिला का नहाते हुए वीडियो बनाया। पनकी पुलिस ने फरियाद नहीं सुनी तो पीड़ित परिजन पुलिस आयुक्त जिसके बाद पुलिस आयुक्त ने मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिए। पुलिस ने मुकदमा दर्जकर कार्रवाई के निर्देश दिए है।

पनकी थाना क्षेत्र के पनकी पड़ाव निवासी प्रियंका मिश्रा गृहणी है। परिवार में पति अशोक मिश्रा किसान है। दो भाई सचिन व कपिल है। पिता अशोक मिश्रा ने बताया कि पड़ोस में रहने वाला निर्मल गौतम उर्फ शिवम गौतम पुत्र सोमनाथ गौतम आए दिन गाली गलौज व उनपर एससी/एसटी का मुकदमा लिखवाने का प्रयास किया था जिसे माननीय न्यायालय ने खारिज कर दिया था। उसके बाद से लगातार उनको प्रताड़ित करते रहते हैं। अशोक मिश्रा ने बताया कि बुधवार सुबह उनकी पत्नी घर पर नहा रही थी तभी घर के सामने रहने वाला निर्मल उर्फ शिवम उनकी पत्नी का नहाते हुए वीडियो बनाने लगा जब उनकी बेटी ने युवक की हरकत देखी तो उसने प्रूफ के तौर पर युवक का नहाते वीडियो बनाते हुए उसने भी युवक का वीडियो बना लिया। आरोप है कि उसके बाद परिजन थाने गए और युवक की करतूत पुलिस को बताई तो पुलिस ने पीड़ित को थाने से टहला दिया। जिसके बाद गुरुवार को परिजन पुलिस आयुक्त रघुवीर लाल से मिले और वीडियो दिखाया जिसके बाद पुलिस आयुक्त ने पनकी थाना प्रभारी को तत्काल मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिए। उसपर भी पनकी पुलिस ने खेल करते हुए सिर्फ नहाते हुए वीडियो बनाने की तहरीर में मुकदमा दर्ज नहीं किया मारपीट की तहरीर में मुकदमा दर्जकर लिया। परिजनो का कहना है कि वह दोबारा पुलिस आयुक्त से मिलेंगे और निष्पक्ष जांच की मांग करेंगे।

पनकी थाना प्रभारी मनोज सिंह भदौरिया ने बताया कि युवती ने मारपीट की तहरीर थाने में दी थी। नहाते समय वीडियो बनाने या वायरल करने का उस वीडियो में कोई जिक्र नहीं था। अगर कोई वीडियो संज्ञान में आएगा तो जांच में धाराओं की बढ़ोत्तरी की जाएगी।

रेस्क्यू के बाद अजगर को दुधवा के घने जंगल में सुरक्षित छोड़ दिया गया

अजगर के पकड़े जाने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली

जन एक्सप्रेस। लखीमपुर खीरी

दुधवा नेशनल पार्क से सटे बंशीनगर गांव में दोपहर अफरा-तफरी मच गई, जब ग्रामीणों ने एक विशालकाय अजगर देखा। आबादी के पास अजगर दिखने से लोगों में दहशत फैल गई। शोर मचते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। लोगों ने इसकी जानकारी तुरंत वन विभाग की टीम को दी। सूचना मिलते ही दुधवा की महिला सोशियोलॉजिस्ट नजरुन निशां मौके पर पहुंचीं।

नजरुन निशां ने अजगर को निकालने के लिए सावधानी से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। इस दौरान सुरक्षा के लिहाज से भीड़ को अजगर से दूर रखा गया। काफी कोशिशों के बाद अजगर को सुरक्षित पकड़ लिया गया। अजगर के पकड़े जाने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। लोगों ने महिला अधिकारी के साहस और सूझबूझ की जमकर तारीफ की। विशेषज्ञों के मुताबिक, अजगर संभवतः शिकार की तलाश में जंगल से भटककर गांव की तरफ आ गया था। रेस्क्यू के बाद अजगर को दुधवा के घने जंगल में सुरक्षित छोड़ दिया गया। जानकारी के अनुसार अजगर की लंबाई 8 से 10 फीट थी। नजरुन निशां ने ग्रामीणों से अपील की है कि वन्यजीव दिखने पर खुद उन्हें न पकड़ें। ऐसी स्थिति में तुरंत वन विभाग को सूचना दें, ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोका जा सके।

गहियापुरवा के कठिना नदी पर पुल निर्माण को मिली मंजूरी, ग्रामीणों में हर्ष की लहर

जन एक्सप्रेस। लखीमपुर खीरी

विकासखंड मितौली की ग्राम पंचायत खंजन नगर और आसपास के दर्जनों गांवों के ग्रामीणों की वर्षों पुरानी राह अब आसान होने वाली है। क्षेत्र की प्रमुख परिवहन समस्या को देखते हुए भाजपा प्रदेश प्रवक्ता व पूर्व राज्यसभा सांसद जुगुल किशोर एवं कस्ता विधायक सौरभ सिंह सोनू के साझा प्रयासों से गहियापुरवा के कठिना नदी पुल के निर्माण कार्य को आधिकारिक स्वीकृति मिल गई है। सालों का इंतजार हुआ खत्म लंबे समय से इस नदी पर पुल न होने के कारण ग्रामीणों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था, विशेषकर बरसात के दिनों में क्षेत्र का संपर्क मुख्य मार्गों से कट जाता था। स्थानीय ग्रामीणों द्वारा निरंतर की जा रही मांग को गंभीरता से लेते हुए पूर्व सांसद और विधायक ने शासन स्तर पर पैरवी कर इस परियोजना को मंजूरी दिलाई है। जनता के बीच उत्साह का माहौल गरीबों और शोषितों की आवाज बुलंद करने वाले पूर्व राज्यसभा सांसद जुगुल किशोर ने इस अवसर पर कहा कि, 'क्षेत्र की जनता की सेवा और उनकी समस्याओं का निराकरण ही मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता है। यह पुल इस क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगा।

इस घोषणा के बाद खंजन नगर और आसपास के ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों ने पूर्व सांसद जुगुल किशोर और विधायक सौरभ सिंह सोनू का आभार व्यक्त करते हुए इसे क्षेत्र के लिए एक बड़ी सौगात बताया है।

ईरान ने मिडिल ईस्ट में 4 देशों पर हमले किए

- **सऊदी अरब:** यानबू की सामरेफ ऑयल रिफाइनरी पर ड्रोन हमला हुआ, जिससे ऊर्जा ढांचे को नुकसान पहुंचा।
- **कतर:** रास लफान गैस प्लांट पर हमला हुआ, यहां आग लगी और नुकसान हुआ।
- **कुवैत:** मीना अल-अहमदी और मीना अब्दुल्ला रिफाइनरी को निशाना बनाया गया।
- **यूएई:** अलग-अलग ऊर्जा ठिकानों और इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमले किए गए।

इजराइल में ईरानी मिसाइल हमले में 4 लोगों की मौत

ईरान के मिसाइल हमलों में इजराइल में चार लोगों की मौत हो गई, जिनमें तीन फिलिस्तीनी महिलाएं और एक विदेशी नागरिक शामिल हैं। ईरानी मिसाइल का मलबा महिलाओं के एक ब्यूटी पार्लर पर गिरा, जिससे यह हादसा हुआ। इसके अलावा सेंट्रल इजराइल में एक थाई नागरिक की मौत हो गई। तेल अवीव के उत्तर में शेरोन इलाके में ईरानी मिसाइल गिरने से उसकी मौत हुई। थाईलैंड के विदेश मंत्रालय के अनुसार, वह 20 साल का खेतों में काम करने वाला एक मजदूर था।

सऊदी की मेन ऑयल रिफाइनरी पर ड्रोन हमला

सऊदी अरब के यानबू में एक बड़ी ऑयल रिफाइनरी सामरेफ पर ड्रोन गिरा है। यह जानकारी सऊदी अरब के रक्षा मंत्रालय ने दी है। मंत्रालय के मुताबिक अभी नुकसान का आकलन किया जा रहा है। माना जा रहा है कि यह हमला ईरान की तरफ से हुआ है। यानबू सऊदी अरब का मुख्य तेल निर्यात केंद्र है। यह उस पाइपलाइन का आखिरी छोर है, जो होर्मुज स्ट्रेट बायपास करते हुए तेल को रेड सी पोर्ट तक पहुंचाती है।

सऊदी में ऑयल रिफाइनरी पर हमला

यूएई-कतर के तेल-गैस प्लांट पर भी ड्रोन अटैक, सऊदी बोला, ईरान सब्र का इम्तिहान न ले

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। तेल अवीव/तेहरान

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग के बीच सऊदी अरब के यनबू पोर्ट पर स्थित सैमरेफ ऑयल रिफाइनरी पर हवाई हमला हुआ है। इसके अलावा यूएई और कतर के तेल-गैस प्लांट पर भी ड्रोन हमले हुए हैं। ईरान ने हाल ही में सऊदी अरब, यूएई और कतर के तेल ठिकानों को खाली करने की वॉर्निंग दी थी। सऊदी ने आज ईरान को कड़ी चेतावनी दी है। सऊदी के विदेश मंत्री फैसल बिन फरहान अल सऊद ने कहा कि हमारे देश के पास ईरान को जवाब देने की पूरी ताकत है। ईरान के हमले पहले से प्लान किए गए लगते हैं और हमारे सब्र का इम्तिहान न लें। होर्मुज स्ट्रेट बंद होने की वजह से अब ज्यादातर तेल यनबू पोर्ट से भेजा जा रहा है।

'एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर पर हमला किया तो और बड़े हमले करेंगे'

ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के खातम अल-अनबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर के प्रवक्ता ने कहा है कि ईरान की ऊर्जा ठिकानों पर हुए हमलों का जवाब अभी खत्म नहीं हुआ है। आईएसएनए न्यूज एजेंसी के मुताबिक जारी बयान में प्रवक्ता ने चेतावनी दी कि अगर ईरान के एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर पर दोबारा हमला हुआ, तो उसका जवाब और खतरनाक होगा। उन्होंने कहा, 'हम दुश्मन को चेतावनी देते हैं कि आपने ईरान के एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर पर हमला करके बड़ी गलती की है। अगर यह दोबारा हुआ, तो आपके और आपके सहयोगियों के एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर पर हमले तब तक जारी रहेंगे, जब तक उनका पूरी तरह विनाश नहीं हो जाता।'

ईरान में जासूसी के आरोप में 97 लोग गिरफ्तार

ईरान ने देश विरोधी गतिविधियों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 97 लोगों को गिरफ्तार किया है। ईरान के इंटेलिजेंस मंत्रालय के मुताबिक, गिरफ्तार लोगों पर अमेरिका और इजराइल के लिए काम करने का आरोप है। इनमें 13 कथित जासूस भी शामिल हैं, जिन्हें दक्षिण-पूर्वी ईरान से पकड़ा गया। मंत्रालय ने दावा किया कि ये लोग देश में अशांति फैलाने और हिंसक घटनाओं को अंजाम देने की साजिश में शामिल थे। इसके अलावा, दक्षिण-पश्चिमी ईरान में इराक सीमा के पास पांच 'हथियारबंद नेटवर्क' को भी खत्म करने का दावा किया गया है। इससे पहले अलबोर्ज प्रांत में भी 41 लोगों को गिरफ्तार किया गया था, जिन पर युद्ध से जुड़े वीडियो विदेशी नेटवर्क को भेजने का आरोप था।

ईरान से जंग ट्रम्प सरकार की सबसे बड़ी गलती: ओमान

ओमान के विदेश मंत्री ने ईरान के साथ चल रही जंग को ट्रम्प सरकार की सबसे बड़ी गलती बताया है। विदेश मंत्री बद्र अलबुसैदी ने कहा है कि इस युद्ध का असर वैश्विक अर्थव्यवस्था और क्षेत्रीय सुरक्षा पर साफ दिखाई दे रहा है। ब्रिटिश मैगजीन द इकनॉमिस्ट में लिखे अपने लेख में अलबुसैदी ने इस संघर्ष को 'गैरकानूनी युद्ध' बताया और अमेरिका के सहयोगी देशों से इसे खत्म कराने में मदद करने की अपील की। अलबुसैदी युद्ध शुरू होने से पहले अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत कराने में अहम भूमिका निभा रहे थे। उन्होंने कहा कि 28 फरवरी को जब बातचीत काफी आगे बढ़ चुकी थी और शांति की उम्मीद नजर आ रही थी, तभी कुछ घंटों बाद ही इजराइल और अमेरिका ने फिर से सैन्य हमला कर दिया। यह चौंकाने वाली बात थी। अलबुसैदी ने कहा कि खाड़ी देशों ने कई दशकों तक अमेरिका से हथियार खरीदे और उसके सैन्य ठिकानों को अपने यहां जगह दी। लेकिन अब तक जिस शांति और आर्थिक स्थिरता का ये देश फायदा उठा रहे थे, वह खतरे में पड़ गई है। उन्होंने यहां तक कहा कि अमेरिका अपनी ही विदेश नीति पर कंट्रोल खो चुका है। अलबुसैदी ने जोर देकर कहा कि इस युद्ध को जल्द से जल्द खत्म किया जाना चाहिए, क्योंकि इसमें शामिल दोनों पक्षों (अमेरिका और ईरान) को इससे कोई फायदा नहीं होने वाला।

अमेरिका अपनी विदेश नीति संभाल नहीं पा रहा: ओमान

ओमान के विदेश मंत्री बद्र अलबुसैदी ने कहा है कि अमेरिका अब अपनी विदेश नीति ठीक से संभाल नहीं पा रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच समझौता होने वाला था, लेकिन तभी इजराइल और अमेरिका ने हमला कर दिया और हालात बिगड़ गए। उनके मुताबिक, इसके बाद ईरान ने जो जवाबी हमले किए, वो गलत हैं, लेकिन हालात ऐसे थे कि ऐसा होना तय था। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका की सबसे बड़ी गलती यह रही कि वह इस युद्ध में कूद पड़ा, जबकि यह उसका अपना युद्ध नहीं था और इससे उसे फायदा नहीं होगा।

पीएम मोदी ने कुवैत क्राउन प्रिंस से कहा, हार्मुज स्ट्रेट से जहाजों का निकलना जरूरी

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि पीएम मोदी ने कुवैत के क्राउन प्रिंस शेख सबाह से बुधवार रात बात की। दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया के मौजूदा हालात पर बात की और हाल की घटनाओं पर चिंता जताई। प्रधानमंत्री ने कुवैत पर हुए हमलों की कड़ी निंदा भी की। पीएम मोदी ने क्राउन प्रिंस से कहा कि होर्मुज स्ट्रेट में सुरक्षित और बिना रुकावट के जहाजों का निकलना भारत के लिए बहुत जरूरी है। दोनों नेताओं ने माना कि क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए लगातार बातचीत जरूरी है। प्रधानमंत्री ने कुवैत में रहने वाले भारतीयों की सुरक्षा के लिए क्राउन प्रिंस का धन्यवाद भी किया, क्योंकि वहां बड़ी संख्या में भारतीय समुदाय रहता है।

भारतीय अधिकारी बोले, जंग की वजह से कई चुनौतियां आईं

भारत में विदेश व्यापार महानिदेशालय के प्रमुख लव अग्रवाल ने फारस की खाड़ी के बंदरगाहों और होर्मुज स्ट्रेट से जुड़े हालात पर कहा कि इस इलाके की भौगोलिक स्थिति के कारण कई बड़ी चुनौतियां सामने आई हैं। उन्होंने बताया जेबेल अली, हमद, बंदर अब्बास और फुजैराह जैसे बड़े पोर्ट एक साथ प्रभावित हुए। इसका असर यूरोप और अमेरिका जाने वाले माल पर भी पड़ा, क्योंकि जहाजों को लंबा रास्ता बदलकर जाना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि होर्मुज से गुजरने वाला ट्रांजिट भी कुछ समय के लिए रोक दिया गया, जिससे समस्या और बढ़ गई। मिडिल ईस्ट से उड़ानें भी या तो बंद कर दी गईं या बहुत कम कर दी गईं। इस वजह से व्यापार को माल डायवर्जन (रूट बदलने) जैसी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। यह दोहरी मार जैसी स्थिति थी, क्योंकि हवाई और समुद्री दोनों तरह के माल परिवहन पर असर पड़ा है।

कतर बोला- ईरानी हमलों के बावजूद एयर क्वालिटी सामान्य

ईरान-इजराइल जंग के बीच कतर पर हुए हमलों के बाद वहां की सरकार ने स्थिति पर अपडेट दिया है। कतर के गृह मंत्रालय ने कहा कि रास लफ्फान इंडस्ट्रियल सिटी, अल धखीरा और अल खोर इलाकों में एयर क्वालिटी सामान्य स्तर पर बनी हुई है। मंत्रालय के मुताबिक, इन इलाकों में हवा की गुणवत्ता की जांच सिविल डिफेंस काउंसिल द्वारा की गई और सभी संकेतक सुरक्षित पाए गए। दरअसल, हाल ही में ईरान ने कतर के सबसे बड़े गैस हब रास लफ्फान इंडस्ट्रियल सिटी पर मिसाइल हमले किए थे, जिससे वहां 'भारी नुकसान' होने की खबरें सामने आई थीं।

ब्रिटेन में थोक गैस की कीमतें 130% बढ़ीं

ब्रिटेन में थोक गैस की कीमतें बढ़कर 171.34 पेंस प्रति थर्म (करीब 2.29 डॉलर) पहुंच गई हैं। इसकी वजह इजराइल-अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध है, जिससे वैश्विक ऊर्जा सप्लाई पर बड़ा असर पड़ा है। यह स्तर जनवरी 2023 के बाद पहली बार देखा गया है। 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ युद्ध शुरू होने के बाद से ब्रिटेन में गैस की कीमतें करीब 140 प्रतिशत बढ़ चुकी हैं। उस समय कीमत 71.13 पेंस प्रति थर्म (करीब 1.33 डॉलर) थी। मिसाइल हमलों में कतर के रास लफ्फान एलएनजी कॉम्प्लेक्स के कुछ हिस्सों में आग लग गई, जिससे दुनिया के सबसे बड़े गैस हब में से एक को नुकसान पहुंचा है। ब्रिटेन अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए आयात पर काफी निर्भर है, खासकर मध्य पूर्व और कतर से आने वाली गैस पर।

राजनाथ सिंह बोले, भविष्य के युद्धों में ड्रोन की होगी निर्णायक भूमिका, भारत को बनना होगा आत्मनिर्भर

- 'डिफेंस इंडिया स्टार्ट-अप चैलेंज' के 14वें संस्करण की शुरुआत, एमएसएमई और स्टार्टअप्स को रक्षा क्षेत्र से जोड़ने पर जोर

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दिल्ली में आयोजित 'राष्ट्रीय रक्षा उद्योग सम्मेलन' में भविष्य के युद्धों की बदलती तस्वीर को लेकर अहम बयान दिया। उन्होंने साफ कहा कि आने वाले समय में युद्ध का स्वरूप पूरी तरह बदलने वाला है, जिसमें ड्रोन और एंटी-ड्रोन तकनीक की भूमिका सबसे अधिक महत्वपूर्ण होगी। इस मौके पर उन्होंने 'डिफेंस इंडिया स्टार्ट-अप चैलेंज' के 14वें संस्करण की भी शुरुआत की। इस संस्करण में 100 से अधिक नई चुनौतियां रखी गई हैं, जो देश के इनोवेटर्स, स्टार्टअप्स और उद्योगों के लिए नए अवसर खोलेंगी।

डीआईएससी के 14वें संस्करण की खासियत

डीआईएससी के 14वें संस्करण की शुरुआत करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि इस बार 100 से अधिक चुनौतियां प्रस्तुत की गई हैं। यह पहली बार है जब रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों ने इतनी बड़ी संख्या में समस्याएं और आवश्यकताएं सामने रखी हैं। इसका उद्देश्य यह है कि स्टार्टअप्स और तकनीकी विशेषज्ञ इन चुनौतियों के समाधान तैयार करें और उन्हें रक्षा क्षेत्र में लागू किया जा सके। उन्होंने सभी नवप्रवर्तकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह मंच देश के युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का अवसर देता है।

युद्ध का बदलता स्वरूप: ड्रोन की बढ़ती भूमिका

रक्षा मंत्री ने वैश्विक हालातों का जिक्र करते हुए कहा कि आज दुनिया कई संघर्षों से गुजर रही है। उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध और ईरान-इजराइल तनाव का उदाहरण देते हुए कहा कि इन युद्धों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भविष्य की लड़ाइयों में ड्रोन की भूमिका सबसे निर्णायक होगी। उन्होंने कहा कि ड्रोन न केवल निगरानी (सर्विलांस) के लिए, बल्कि हमले और रक्षा दोनों के लिए इस्तेमाल हो रहे हैं। इसके साथ ही एंटी-ड्रोन सिस्टम भी उतने ही महत्वपूर्ण हो गए हैं, जो दुश्मन के ड्रोन को निष्क्रिय कर सकते हैं।

स्टार्टअप्स और एमएसएमई को मिलेगा बड़ा मौका

रक्षा मंत्री ने कहा कि इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य छोटे उद्योगों, एमएसएमई और स्टार्टअप्स को रक्षा निर्माण की सप्लाई चेन से जोड़ना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब छोटे उद्योग बड़े रक्षा कार्यक्रमों का हिस्सा बनेंगे, तभी देश में नवाचार (इनोवेशन) और तकनीकी विकास की गति तेज होगी। उन्होंने कहा कि किसी भी देश के रक्षा तंत्र को मजबूत बनाने में सिर्फ बड़े उद्योग ही नहीं, बल्कि छोटे और मध्यम उद्योगों की भी अहम भूमिका होती है। इसके साथ ही इनोवेटर्स और स्टार्टअप्स नई तकनीकों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

आत्मनिर्भरता पर जोर

राजनाथ सिंह ने स्पष्ट किया कि भारत को ड्रोन तकनीक में पूरी तरह आत्मनिर्भर बनना होगा। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता का मतलब सिर्फ अंतिम उत्पाद तैयार करना नहीं है, बल्कि उसके हर एक हिस्से का निर्माण देश के भीतर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि ड्रोन का ढांचा (मोल्ड), सॉफ्टवेयर, इंजन और बैटरी-सभी कुछ भारत में ही विकसित और निर्मित होना चाहिए। रक्षा मंत्री ने माना कि यह लक्ष्य आसान नहीं है, क्योंकि आज दुनिया के कई देश ड्रोन के पुर्जों के लिए चीन पर निर्भर हैं। लेकिन भारत की सुरक्षा और रणनीतिक मजबूती के लिए यह जरूरी है कि हम इस निर्भरता को खत्म करें।

नई तकनीकों की अहम भूमिका

रक्षा मंत्री ने आधुनिक तकनीकों जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑटोमेशन और रोबोटिक्स के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि ये तकनीकें पूरी दुनिया में मैन्युफैक्चरिंग और रक्षा उत्पादन के तरीकों को तेजी से बदल रही हैं। उन्होंने कहा कि अगर भारत को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनना है, तो इन तकनीकों को तेजी से अपनाना होगा और इन्हें रक्षा क्षेत्र में लागू करना होगा।

2030 तक ग्लोबल हब बनने का लक्ष्य

सरकार के विजन को स्पष्ट करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत का लक्ष्य है कि वर्ष 2030 तक वह स्वदेशी ड्रोन निर्माण का वैश्विक केंद्र (ग्लोबल हब) बन जाए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि इस मिशन को पूरा करने के लिए सरकार हर संभव सहयोग देगी। इसमें नीति निर्माण, वित्तीय सहायता, अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने जैसे कदम शामिल होंगे।

आत्मनिर्भर रक्षा की ओर बढ़ता भारत

रक्षा मंत्री का यह बयान साफ संकेत देता है कि भारत अब पारंपरिक युद्ध की सोच से आगे बढ़कर आधुनिक तकनीक आधारित रक्षा प्रणाली की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा है। ड्रोन और एंटी-ड्रोन तकनीक पर जोर, स्टार्टअप्स और एमएसएमई को बढ़ावा, और आत्मनिर्भरता का लक्ष्य—ये सभी मिलकर भारत को एक मजबूत और आधुनिक सैन्य शक्ति बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि भारत किस तरह इन लक्ष्यों को हासिल कर वैश्विक रक्षा उद्योग में अपनी पहचान मजबूत करता है।

50 से ज्यादा प्रशासनिक अधिकारियों के तबादले पर ममता ने भाजपा को घेरा, बताया अघोषित आपातकाल

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग और भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि आने वाले विधानसभा चुनावों से पहले पश्चिम बंगाल को जान-बूझकर निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने 50 से ज़्यादा वरिष्ठ अधिकारियों के तबादलों को 'अघोषित आपातकाल' करार दिया। एक्स पर पोस्ट लिखते हुए सीएम बनर्जी ने दावा किया कि जिस तरह से चुनाव आयोग ने बंगाल को अलग करके निशाना बनाया है, वह पहले कभी नहीं हुआ, यह बेहद चिंताजनक भी है। चुनावों की औपचारिक अधिसूचना जारी होने से पहले ही,

मुख्य सचिव, गृह सचिव, डीजीपी, एडीजी, आईजी, डीआईजी, जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस अधीक्षक समेत 50 से ज़्यादा वरिष्ठ अधिकारियों को अचानक और मनमाने ढंग से हटा दिया गया है मुख्यमंत्री ने कहा यह कोई प्रशासनिक कार्रवाई नहीं है, बल्कि यह उच्चतम स्तर की राजनीतिक दखलंदाज़ी है। उन संस्थाओं का व्यवस्थित राजनीतिकरण, जिन्हें निष्पक्ष रहना चाहिए, संविधान पर सीधा हमला है। ऐसे समय में जब एक बेहद दोषपूर्ण एसआईआर प्रक्रिया चल रही है और 200 से ज्यादा लोगों की जान पहले ही जा चुकी है, आयोग का रवैया साफ तौर पर पक्षपात और राजनीतिक हितों के प्रति एक असहज समर्पण को दिखाता है, जिससे बंगाल के लोगों को लगातार ख़तरा बना हुआ है। पूरक मतदाता सूचिया अभी तक प्रकाशित नहीं हुई हैं, जो सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की साफ अवहेलना है, जिससे नागरिक चिंतित और अनिश्चित हैं। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि आईबी, एसटीएफ और सीआईडी जैसी एजेंसियों के प्रमुख अधिकारियों का जान-बूझकर तबादला किया जा रहा है ताकि राज्य के प्रशासनिक ढांचे को कमजोर किया जा सके। उन्होंने पूछा, 'भाजपा इतनी बेचैन क्यों है? बंगाल और उसके लोगों को लगातार निशाना क्यों बनाया जा रहा है? आज़ादी के 78 साल बाद भी नागरिकों को लाइनों में खड़े होकर अपनी नागरिकता साबित करने के लिए मजबूर करने से उन्हें क्या संतोष मिलता है?' स्थिति को 'अघोषित आपातकाल' बताते हुए सीएम ने कहा यह कोई संयोग नहीं है, यह जबरदस्ती और संस्थागत हेरफेर के जरिए पश्चिम बंगाल पर नियंत्रण पाने की एक सोची-समझी साज़िश की ओर इशारा करता है।

अपनी पार्टी लॉन्च करने जा रही हैं के कविता, हाई कोर्ट ने रजिस्ट्रेशन के लिए ईसी को दिया निर्देश

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

तेलंगाना की राजनीति में अपनी नई जमीन तलाश रहीं पूर्व एमएलसी के. कविता को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। दरअसल, हाई कोर्ट ने चुनाव आयोग को कविता की पार्टी के रजिस्ट्रेशन वाले आवेदन पर जल्द विचार करने को कहा है. के कविता जल्द ही 'तेलंगाना प्रजा जागृति' के साथ नई सियासी पारी का आगाज कर सकती हैं. दिल्ली हाईकोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश देते हुए कहा कि याचिकाकर्ता ने पंजीकरण की सभी तकनीकी खामियों को दूर कर लिया है, इसलिए अब आयोग को इस पर कानून सम्मत निर्णय लेना चाहिए। हालांकि, हाईकोर्ट ने चुनाव आयोग को कोई डेडलाइन देने से इनकार कर दिया है। गौरतलब है कि भारत राष्ट्र समिति से अलग होने के बाद के. कविता ने अपनी नई राजनीतिक राह चुनने का फैसला किया था।

'फिल्म बनाना जोखिम भरा कारोबार'

सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी, धोखधड़ी मामले में निर्माता को मिली बड़ी राहत

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने फिल्म उद्योग से जुड़े एक अहम मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने कहा कि फिल्म बनाना एक जोखिम भरा कारोबार है और हर फिल्म के सफल होने की गारंटी नहीं होती। इसी के साथ कोर्ट ने एक फिल्म निर्माता के खिलाफ दर्ज धोखाधड़ी के आपराधिक मामले को रद्द कर दिया। अदालत ने स्पष्ट किया कि किसी भी मामले में धोखाधड़ी साबित करने के लिए शुरुआत से ही धोखा देने की नीयत होना जरूरी है। केवल यह कहना कि बाद में पैसा वापस नहीं किया गया, अपने आप में आपराधिक इरादा साबित नहीं करता। कोर्ट ने मद्रास हाईकोर्ट के फैसले को पलटते हुए यह टिप्पणी की।

क्या था पूरा मामला?

मामला फिल्म निर्माता वी गणेशन से जुड़ा है, जिन्होंने फिल्म बनाने के लिए

एक व्यक्ति से पैसे लिए थे। समझौते के अनुसार, निवेशक को मुनाफे में हिस्सा देने की बात कही गई थी। बाद में और पैसा लिया गया और कुल निवेश पर हिस्सेदारी तय की गई।

कैसे बढ़ा विवाद?

फिल्म बनने और रिलीज होने के बाद भी निवेशक को पैसा नहीं मिला। निर्माता ने दो पोस्टडेटेड चेक दिए, लेकिन खाते में पर्याप्त रकम न होने के कारण वे बाउंस हो गए। इसके बाद निवेशक ने धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा?

कोर्ट ने कहा कि फिल्म बनाना स्वभाव से जोखिम भरा होता है और निवेश करने वाला व्यक्ति लाभ या नुकसान दोनों के लिए तैयार रहता है। अगर फिल्म नहीं चलती है, तो निवेशक को नुकसान हो सकता है और इसे आपराधिक मामला नहीं माना जा सकता।

क्या है अदालत का अंतिम निष्कर्ष?

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मामले में धोखाधड़ी का कोई ठोस सबूत नहीं है। फिल्म बनाई गई और रिलीज भी हुई, इसलिए यह मामला आपराधिक नहीं बल्कि सिविल प्रकृति का है। कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामलों में आपराधिक कार्रवाई की बजाय सिविल उपाय अपनाने चाहिए।

भाजपा ने चली 88 सीटों पर 'सोशल इंजीनियरिंग' वाली चाल, आज नामांकन पर्चा भरेंगे सीएम हिमंत

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। दिसपुर

असम विधानसभा चुनाव का बिगुल बजते ही सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी ने अपनी पहली बड़ी चाल चल दी है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने घोषणा की है कि बीजेपी के केंद्रीय संसदीय बोर्ड ने 88 सीटों पर उम्मीदवारों के नामों को हरी झंडी दे दी है। इस सूची में केवल धेमाजी जिले की 'सिसिबोरगांव' सीट को अभी होल्ड पर रखा गया है।

नए चेहरों पर दांव

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि इस बार पार्टी ने टिकट बंटवारे में असम के सामाजिक ढांचे का भी पूरा ख्याल रखा है। उन्होंने कहा, 'हमारी कोशिश रही है कि युवाओं, महिलाओं और अनुसूचित जाति-जनजाति के साथ-साथ नाथ समुदाय जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक समूहों को भी उचित प्रतिनिधित्व मिले।' गौरतलब है कि भाजपा के इस लिस्ट में कई पुराने चेहरों की जगह नए और ऊर्जावान कार्यकर्ताओं को तरजीह दी गई है। मुख्यमंत्री का दावा है कि इस बार भाजपा पिछली बार से भी शानदार परिणाम लेकर आएगी।

गठबंधन की तस्वीर साफ

असम की राजनीति में गठबंधन का समीकरण हमेशा निर्णायक रहा है। हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि भाजपा ने अपने पुराने साथी असम गण परिषद के लिए 26 सीटें छोड़ी हैं। आज एजीपी नेतृत्व के साथ मुख्यमंत्री की अहम बैठक हुई,

जिसके बाद उम्मीद जताई जा रही है कि एजीपी और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट भी अपने उम्मीदवारों की सूची जल्द ही सार्वजनिक कर देंगे। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने आगे कहा, 'गुवाहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने मुझे पत्र भेजा है और उन्होंने बक्सा की जिला न्यायाधीश के रूप में कार्यरत शर्मिला भुयान को जुबीन गर्ग मृत्यु मामले में दैनिक सुनवाई के लिए एक विशेष त्वरित सत्र न्यायालय की अध्यक्षता करने हेतु मनोनीत किया है। मैं गुवाहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के प्रति आभार व्यक्त करता हूं।

आज 'सुपर फ्राइडे'

आज यानी शुक्रवार का दिन असम की राजनीति के लिए बेहद खास होने वाला है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा खुद कल अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। उनके साथ राज्य के कई दिग्गज नेता और दर्जनों उम्मीदवार भी कल ही अपना पर्चा भरेंगे। शक्ति प्रदर्शन की इस तैयारी से साफ है कि बीजेपी पहले दिन से ही विपक्ष पर मनोवैज्ञानिक बढ़त बनाने की फिराक में है।

अलप्पुझा में बर्ड फ्लू की पुष्टि, हजारों पक्षियों को मारने का फैसला, प्रशासन ने जारी की एडवाइजरी

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। अलप्पुझा

केरल के अलप्पुझा जिले में बर्ड फ्लू के संक्रमण की पुष्टि हुई है। बर्ड फ्लू की पुष्टि के बाद प्रशासन सख्त हो गया है और प्रशासन ने सख्त नियंत्रण उपाय शुरू कर दिए हैं। अलप्पुझा जिले की मुहम्मा ग्राम पंचायत के वार्ड-7 में बर्ड फ्लू के संक्रमण की पुष्टि हुई है। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि प्रभावित क्षेत्र में 5,961 पक्षियों को मारने का फैसला किया गया है। जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में विभिन्न विभागों की आपात बैठक बुलाई गई, जिसमें पक्षियों को मारने का फैसला किया गया। पशुपालन विभाग ने प्रभावित क्षेत्र के केंद्र से एक किलोमीटर के दायरे में पक्षियों को मारने का अभियान चलाने के लिए त्वरित प्रतिक्रिया दल (रैपिड रिस्पॉन्स टीम) तैनात कर दिए हैं। कुलिंग अभियान 21 मार्च की सुबह से शुरू किया जाएगा।

जिला प्रशासन ने जारी की एडवाइजरी

जिला प्रशासन ने संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए सभी विभागों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं और लोगों

से सतर्क रहने की अपील की है। अधिकारियों ने कहा कि यदि कहीं बड़ी संख्या में पक्षियों की असामान्य मौत होती है, तो इसकी सूचना तुरंत नजदीकी पशु चिकित्सालय को दी जाए। मृत पक्षियों को संभालते समय मास्क और दस्ताने जैसे सुरक्षात्मक उपाय अपनाने की सलाह दी गई है। निर्देशों के अनुसार, मृत पक्षियों को गहराई में दफनाकर चूना और ब्लीचिंग पाउडर जैसे कीटाणुनाशकों का उपयोग किया जाए। साथ ही, क्षेत्र के पोल्ट्री फार्मों को सख्त बायोसिक्योरिटी उपाय लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। बुधवार को कोझिकोड जिले के पनंगड, ओलावन्ना, कक्कोडी, पेरुमन्ना पंचायतों और नल्लालम क्षेत्र में भी बर्ड फ्लू के मामले सामने आए थे, जिससे राज्य में सतर्कता और बढ़ा दी गई है।